

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 42]

नर्द्र विल्ली, शनिवार, अक्तूबर 18, 1980/ग्राश्यिन 26, 1902

No. 42]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 18, 1980/ASVINA 26, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सर्व Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) मारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सीविधिक ग्रावेश और ग्रधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विषय)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1980

का० थ्रा० थ्र २७ २ — राष्ट्रपति, संविधान के भनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए श्रीर भारत सरकार के वित्त विभाग के समय - समय पर यथासशोधित संकल्प सं० एक० 33(3) भार-11/44 तारीख 16 श्रप्रैल, 1945 को भ्रधिकान्त करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाने है, श्रयति :--

- ा संक्षिप्त नाम ग्रौर प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कर्मकार ग्रीभदायी भविष्य निधि नियम, 1980 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाणन की नारीख को प्रवृक्त होगे।
- परिभाषाए——इन नियमों में, जब तक कि सदर्भ से ग्रन्यथा भ्रपेक्षित न हो——
 - (क) "निधि" से कर्मकार अभिवासी भविष्य निधि अभिन्नेत है ।
- (ख) उन सभी णब्दों ग्रौर पदों की, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वहीं ग्रथं होगे जो श्रभिवायी भविष्य निधि नियम (भारत) 1962 में हैं।
- 3 लागू होना--ये नियम अनुसूची में जिनिविष्ट स्थापनो में नियो-जित कर्मकारों को लागू होंगे।
 - 4 निधि का गठन--(1) निधि रुपयों में रखी जाएगी।
- (2) इन नियमों के प्रधीन निधि में संदक्त सभी राशिया, मरकारी बहियों में "कर्मकार प्रभिदायों भविष्य निधि लेखा" नामक खाते में जमा की जाएंगी ऐसी राशियां, जिनका संदाय इन नियमों के प्रधीन जनके देय हो जाने के पश्चात् से छह मास के भीतर प्राप्त नहीं कर लिया

गया है उस वर्ष की 31 मार्च के पश्चात् 'निक्षेप' को ग्रंतरित कर दी आएगी ग्रौर उन्हें निक्षेपों से संबन्धित साधारण नियम लागू होंगे।

- 5 निधि का विनियमन—निम्निखित उपान्तरणों के भ्रधीन रहते हुए, निधि का विनियमन ग्रभिवायी भनिष्य निधि नियम (भारत), 1962 के उपबन्धों के ग्रनुसार होगा, भ्रथात्:—
 - (1) ऐसा प्रत्येक कर्मकार, जिसने धनुमूची में विनिर्दिष्ट स्थापनों में से किसी में कम से कम एक वर्ष सेवा कर ली है, निधि में धिपदाय करेगा :

परन्तु निम्नलिखित की सेवा की निरन्तरता में व्यवधान नहीं माना जाएगा, प्रार्थातु:—

- (i) पद समाप्त हो जाने के कारण सेबोन्सुक्त कर दिया जाना ;या
- (ii) ग्रस्थायी गारीरिक भ्रसमर्थता, जो चिकित्सीय प्राधिकारियों की राथ में, म तो कर्मकार की भ्रपेक्षा के ग्रीर न उसके भ्रसंयम या ग्रनियमित भ्रावसों के कारण हुई है:

परन्तु यह और भी कि ऐसा ग्रस्थायी कर्मकार, जो 10 ग्रगस्त 1976 को या उसके पण्चातृ किसी ऐसे स्थापन या कारखाने द्वारा धारित है जिसे कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के ग्रधीन विरिचित्त कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के उपबन्ध लागू होगे या उस देशा में लागू होते जब उक्त ग्रधिनियम की घारा 17 के ग्रधीन छूट न दी गई होती, निधि में उस देशा में ग्रभिदाय करेगा जब उगने ऐसे स्थापन या कारखाने में या ऐसे किसी ग्रन्थ स्थापन ग्रीर कारखानें में, जिसे उक्त ग्रधिनियम लागू होता है, एक ही नियोजक के ग्रधीन या भागतः एक स्थापन में ग्रीर भागतः दूसरे स्थापन में छह माम की निरन्तर मेवा पूरी कर ली है या छह माम या उससे कम की ग्रवधि के दौरान कम मे कम 120 दिन वस्तुतः कार्य किया है, या वह स्थायो घोषित कर विधा गया है इनमें से जो भी पूर्वतर नारीस है।

म्पष्टीकरण.--द्वितीय परन्तुक के प्रयोजमों के 'लिए, "निरन्तर सेवा' का वहीं अर्थ होगा जो कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 में उसका है भौर 120 दिन कार्य करने की प्रविध की संगणना, उक्त स्कीम में विनिष्ठिष्ट रीति से की जाएगी और नियोजक उसे प्रमाणित करेगा।

(2) इन कर्मकारों के मामले में, "उपलब्धियों " मे, प्रभिन्नेत है मामिक वेतन या छुट्टी वेतन या मजबूरी, जिनके भन्तर्गत किराया भतिकाल भौर भ्रन्य घटते-बढ़ने या श्रनिरिक्त भसे नहीं है:

परन्तु ऐसे किसी व्यक्ति की जिसे वैनिक दर पर संदाय किया जाता है, मासिक उपलब्धियां, माम के प्रथम सामान्य कार्य विदस के लिए उसे अनुश्रेय मजदूरी के 25 गुने के बराबर समझी जाएंगी।

टिप्पण--उपलब्धियों में मंहगाई वेतन सम्मिलित है।

- (3) इन नियमों के प्रयोजनों के लिए, 'लेखा अधिकारी' से ऐसा अधिकारी, अभिप्रेत हैं जिसे नियंत्रक 'महालेखापरीक्षक इस निमित्त नियुक्त करे अथवा पृथक बेतन और लेखा कार्यालय विद्यमान होने की दशा में, वेतन और लेखा अधिकारी अभिप्रेत हैं, किन्तु ऐसे कर्मकार की अखत जिसका लेखा, विभाग में ही रखा जाता हैं, ऐसा अधिकारी अभिप्रेत हैं जिससे सरकार इस निमित्त नियुक्त करे।
- (4) 'खूट्टी' से श्रमिप्रेत हैं किसी भी प्रकार छुट्टी जो सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों या मादेशों के प्रधीन मनुज्ञेय है।
- (5) निधि में प्रभिवाय की रक्षम, प्रभिवाता स्वयं नियत करेगा किन्तु वह 8-1/3 प्रतिशत से कम भौर उसकी मासिक उपलब्धियों से प्रधिक, नहीं होगी भौर वह पूर्ण दपयों में भ्रभिव्यक्त की जाएगी।
 - (6) इस प्रकार नियत अभिवाय के लिए नियत की गई रकम में--
 - (क) वर्ष के दौरान किसी भी समय एक बार कमी की जा सकेगी
 - (ख) वर्ष के दौरान दो बार वृद्धि की जा सकेगी, या
 - (ग) उपरोक्त रीति में कमी या वृद्धि की जा सकेनी:

परन्तु यदि प्रभिदाय की रकम इस प्रकार कम कर दी जाती है तो वह उपनियम (5) में विहित स्थ्नतम से कम नहीं होगी:

परन्तु यह और भी कि, यदि कोई भिधदाता किसी मास के एक भाग मैं कर्तव्य पर भीर शेष भाग में छुट्टी पर रहता है और यदि छुट्टी के दौराम भिषताय न करने का उसने विकल्प किया है तो सरकारी भिभ-दाय की संगणना के प्रयोजमों के लिए उस मास की उपलब्धियों में उसी भनुपात में कभी कर दी जाएगी जो छुट्टी पर बिताए गए दिनों का उस कलेण्डर मास के साथ है।

- (7) उन कर्मकारों के मामले में, जो छुट्टी पर जाते हैं श्रीर जिन्हें उपलब्धियों कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 81 के अधीन ग्रिप्रिम रूप में संबत्त की जाती है, निधि के लिए ग्रिप्रिम रूप में बसूल किए गए प्रिप्रिम के बाबत यह समझा जाएगा कि वह उसी मास में बसूल किया गया है जिसके लिए वह देय है श्रीर उस पर उसी मास से ब्याज श्रनुज्ञात किया जाएगा।
- (8) सरकारी भिभाषाय की दर, भ्रभिवाता की उपलब्धियों के 8-1/3 प्रतिशत (1/12 वां भाग) के बराबर होगी। सरकार द्वारा भिभाषाय की रकम को निकटतम रुपए में पूर्णांकित किया जाएगा (पचास पैसे को एक रुपया मान लिया जाएगा)
- (9) व्याज की कुल रकम को, उपनियम (8) में बिहित रीति में निकटतम रुपए में पूर्णीकित कर विया जाएगा।

6. उपवान—यदि प्रभिवाता ने निधि के बालू किए जाने की तारीख 10 मई, 1945 से पूर्व और नमक विभाग के निर्धारित कमें स्थापन के मामले में 1 अप्रैल, 1956 से पूर्व 10 रु० प्रतिमाम या उससे स्रिधिक की उपलब्धियों पर पांच वर्ष या उससे अधिक सेवा कर ली है तो वह सेवा निवृत्त होने या स्थापन में कभी कर विए जाने के कारण सेवोन्मुक्त कर विए जाने पर, ऐसी सेवा की बावन उपवान प्राप्त करेगा जो प्रधिक से अधिक सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए प्रधं माम की उपलब्धियां के बराबर होगा किन्तु ऐसा उपवान प्रधिक से अधिक 9 माम की उपलब्धियां के बराबर हो सकेगा । सेवा में रहते हुए या सेवा निवृत्त हो जाने पर या स्थापन में कभी कर दिए जाने के कारण सेवोन्मुक्त कर विए जाने पर, किन्तु संदाय किए जाने से पूर्व, मृन्यु हो जाने की दशा में उस व्यक्ति/उन व्यक्तियों को, जो निधि में विद्यमान रकम प्राप्त करने के हकदार हैं, उपदान संवेय हो जाएगा।

दिप्पण:——पान्नता भौर उपवान की संगणना के प्रयोजनों के लिए, निरन्तर सेवा को ही गणना में लिया जाएगा । पद के समाप्त कर दिए जाने के कारण या ऐसी भ्रस्थायी गारीरिक भ्रसमर्थता के कारण जो चिकित्सीय प्राधिकारियों की राय में न तो कर्मकार की उपेक्षा से भौर न ही उसके भ्रसमय या भ्रनियमित भ्रादतों के कारण हुई है, सेवोन्मुक्त कर दिए जाने के परिणामस्वरूप सेवा में हुए व्यवधान को निरन्तर सेवा में व्यवधान नहीं माना जाएगा।

7. ग्रिमियायी भविष्य निधि (भारत) का ग्रन्तरण यदि निधि का कोई ग्रिमियाया ग्रिमियायी भविष्य निधि (भारत) में ग्रिमियाय करने का पात्र हो जाता है तो वह ऐसी पूर्वकथित निधि में ग्रिमियाय करना बंद कर देगा ग्रीर उस निधि में उसकी सचित रकम को ग्रिमिदायी भविष्य निधि (भारत) में भन्तरित कर दिया जाएगा।

[सं० 21(1)/78-ई V (बी)/कार्मिक] हजारा सिंह, धवर संजिव

श्रमुची

नियम 3 देखिए

स्थापनों को सुधीं

- (1) डाक तार कर्मशालाएं।
- (2) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग-निर्धारित कर्म स्थापन
- (3) टकसाल
- (4) सिक्योरिटी मुद्रण, भारत जिसके धन्तर्गत निम्निखित है:---
 - (क) सिक्योरिटी मुद्रणालय
 - (ख) करेंसी नोट मुद्रणालय
 - (ग) केन्द्रीय स्टाम्प भण्डार
- (5) राष्ट्रपति, उद्यान का निर्धारित कर्म स्थापन
- (६) नमक विभाग का निर्धारित कर्म स्थापन
- (7) संपदा कार्यालय सगठन का निर्धारित कर्म स्थापन
- (8) ग्रन्दमान लोक निर्माण विभाग का निर्धारित कर्म स्थापन
- (9) कीयला खान श्रम कल्याण निधि का निर्धारित कर्म स्थापन
- (10) प्रभ्रक खान श्रम कल्याण निधि का निर्धारित कर्म स्थापन
- (11) खोजी नलकूप सगठम का निर्धारित कर्म स्थापन
- (12) सिक्योरिटी कागज मिल परियोजना, होशंगाबाद के ग्रस्थायी शौद्योगिक कर्मकार
- (13) फरक्का बांध परियोजना का निर्धारित कर्म स्थापन
- (14) मंगलौर बंदरगाह परियोजना का निर्धारित कर्म स्थापन
- (15) पूतीकोरिन बंबरगाह परियोजमा का निर्धारित कर्म स्थापन
- (16) माना ग्रुप आफ ट्रासिट सेन्टर, माना का निर्धारित कर्मे स्यापन
- (17) राजस्थान परमाणु शक्ति परियोजना रावत भाट कोटा (राजस-स्थान) का निर्धारित कर्म स्थापन

- (18) क्षक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के लोक निर्माण विभाग का निर्घारित कर्मस्थापन ।
- (19) मद्रास परमाणु शक्ति परियोजना, कालपाकम (तिमलनाडु) का निर्धारिस कर्म स्थापन ।
- (20) भाभा परमाणू अनुसंधान केन्द्र के निर्धारित कर्म और माक-स्मिक कर्मचारी।
- (21) ट्राम्से नगरपरियोजना, मुम्बई (परमाणु ऊर्जा विभाग) का निर्धारित कर्म स्थापन ।
- (22) सपका निदेशालय प्रबंधतस्त, मुम्बई (परमाण् ऊर्जा विभाग) का निर्धारित कर्म स्थापन ।
- (23) तारापुर परमाण बिजली घर का निर्धारित कर्म स्थापन।
- (24) रिएक्टर अनुसक्षान केन्द्र, कालपाकम, निर्धारित कर्मे स्थापन ।
- (25) ग्रंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी खण्ड का निर्धारित कर्म स्थापन ।
- (26) भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र परमाणु ऊर्जा विभाग के वस्तु-कला और सिविल इंजीनियरी खण्ड से लिए गए धतिरक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी खण्ड का निर्धारित कर्म स्थापन।
- (27) वण्डकारण्य परियोजना का निर्धारित कर्म कर्मचारी।
- (28) माकाशवाणी, नई दिल्ली, स्टेशन इंजीनियर जनरल भंडार, के कार्यालय के निर्धारित कर्म कर्मचारी।

[सं० 21(1)/78-ई०5(सी)/कार्मिक]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 25th September, 1980

- S.O. 2777.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Resolution of the Government of India in the Finance Department No. 33(3)-RII/44, dated the 16th April, 1945, as amended from time to time, the President hereby makes the following rules, namely:
- 1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Definitions—In these rules, unless the context otherwise requires,—
- (a) "Fund" means the Workmen's Contributory Provident Fund;
- (b) all other words and expressions used in these Rules but not defined shall have the meanings respectively assigned to them in the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962.
- 3. Application—These Rulese shall apply to Workmen employed on the establishments specified in the Schedule.
- 4. Constitution of the Fund—(1) The Fund shall be maintained in rupees.
- (2) All sums paid into the Fund under these Rules shall be credited in the books of Government to an account named, "The Workmen's Contributory Provident Fund Account" and the sums of which payment has not been taken within six months after they become payable under these Rules shall be transferred to "Deposits" after the 31st March of the year and treated under the ordinary rules relating to deposits.
- Regulation of the Fund.—The Fund shall be regulated in accordance with the provisions of the Contributory Provident

Fund Rules (India), 1962, subject to the following modifications namely:—

- Every workman who has had at least a continuous service of one year on any of the establishments specified in the Schedule shall subscribe to the Fund; Provided that
 - discharge from service by reason of the abolition of the post; or
 - (ii) temporary physical unfitness which, in the opinion of the medical authorities, was neither due to workman's own neglect nor due to intemperance or irregular habits;

shall not be held to constitute a break in continuity of service.

Provided further that a temporary workman who is borne on an establishment or factory on or after the 10th August, 1974, to which the provisions of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 framed under the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) would apply or would have applied but for the exemption granted under section 17 of the said Act, shall subscribe to the Fund if he has completed six months' continuous service or has actually worked for not less than 120 days during a period of six months or less in such establishment or factory or in any other establishment or factory to which the said Act applies, under the same employer or partly in one establishment and partly in the other, or has been declared permanent, whichever date is the earliest.

- Explanation—For the purposes of the second proviso "continuous service" shall have the same meaning as assigned to it in the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, and the period of work for 120 days shall be computed in the manner specified in the said Scheme and shall be certified by the employer.
- (2) "Emoluments" in the case of these workmen shall mean monthly pay or leave salary or wages, excluding rent, overtime and other fluctuating or extra allowances, provided that the monthly emoluments of a person paid at daily rates shall be deemed to be 25 times the rate of wages admissible to him for the first normal working day of the month.

Note-Emoluments shall include dearness pay.

- (3) Accounts Officer for the purpose of these Rules means such officer as may be appointed by the Comptroller and Auditor-General or the Pay and Accounts Officer where a separate Pay and Accounts Officer exists except that in relation to workmen whose accounts are maintained departmentally, the Accounts Officer shall be such officer, as may be appointed by the Government in this behalf.
- (4) "Leave" shall mean any type of leave admissible under the rules or orders issued by the Government.
- (5) The amount to subscription to the Fund shall be fixed by the subscriber himself and shall be not less than 8½ percent and not more than his monthly emoluments and shall be expressed in whole rupees.
- (6) The amount of subscription so fixed may be-
 - (a) reduced once at any time during the course of the year;
 - (b) enhanced twice during the course of the year; and

- (c) reduced and enhanced as aforesaid;
- Provided that when the amount of subscription is so reduced, it shall not be less than the minimum prescribed in sub-rule (5):
- Provided further that if a subscriber is on duty for a part of a month and on leave for the remainder of the month, and if he has elected not to subscribe during leave, the emoluments for that month for the purpose of calculating the Government contribution shall be reduced by the ratio which the number of days spent on leave bears to the number of days in the calendar month.
- (7) In the case of workmen who proceed on leave and are paid their emoluments in advance under section 81 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948), the subscription to the Fund recovered in advance shall be regarded to have been recovered in the month in which it is normally due for recovery and the interest thereon shall be allowed only from that month.
- (8) The rate of Government contribution shall be 8½ per cent (1/12th) of the subscriber's emoluments. The amount of contribution by Government shall be rounded to the nearest whole rupee (fifty paise counting as the next higher rupee).
- (9) The total amount of interest shall be rounded to the nearest rupce in the manner provided in sub-rule (8).
- 6. Gratuity—If a subscriber has rendered service of five years or more on emoluments of Rs.10 a month or above before the 1st May, 1945 the date of introduction of the Fund and in respect of the work-charged establishment of the Salt Department, the 1st April, 1956, he shall, on retirement or discharge on account of reduction of establishment, get in respect of that service a gratuity equal to half a month's emoluments for each completed year of service, subject to a maximum of nine months' emoluments. In the event of death while in service or after retirement or discharge on account of reduction of establishment, but before payment has been made the gratuity shall become payable to the person/persons entitled to receive the amount standing to his credit in the Fund.

Note—For purpose of eligibility and computing the gratuity only continuous service shall be taken into account. Break in service by reason of the abolition of the post, or temporary physical unfitness which in the opinion of the medical authorities was neither due to Workman's own neglect nor due to intemperance or irregular habits, shall not be held to constitute a break in continuity of service.

7. Transfer to the Contributory Provident Fund (India)—If a subscriber to the Fund becomes eligible to subscribe to the Contributory Provident Fund (India), he shall cease to subscribe to the former Fund and his accumulations in that Fund shall be transferred to the Contributory Provident Fund (India).

SCHEDULE

(See rule 3)

List of Establishments

- (i) The Posts and Telegraphs Workshops.
- (ii) The Central Public Works Department—Workcharged establishment.
- (iii) The Mints.
- (iv) The Security Printing, India, including-
 - (a) Security Press,
 - (b) Currency Note Press.
 - (c) Central Stamp Stores.

- (v) Workcharged establishment of the President's garden.
- (vi) Workcharged establishment of the Salt Department.
- (vii) Workcharged establishment of the Estate office Organisation.
- (viii) Workcharged establishment of the Andaman Public Works Department.
- (ix) Workcharged establishment of the Coal Mines Labour Welfare Fund.
- (x) Workcharged establishment of the Mica Mines Labour Welfare Fund.
- (xi) Workcharged establishment of the Exploratory Tube-Wells Organisation.
- (xii) Temporary Industrial Workmen of the Security Paper Mill Project, Hoshangabad.
- (xiii) Workcharged establishment of the Farakka Barrage Project.
- (xiv) Workcharged establishment of the Mangalore Harbour Project.
- (xv) Workcharged establishment of the Tuticorin Harbour Project.
- (xvi) Workcharged establishment of the Mana Group of Transit Centres, Mana.
- (xvii) Workcharged establishment of Rajasthan Atomic Power Project.—Rawatbhata Kota (Rajasthan).
- (xviii) Workcharged staff of Public Works Department of the Union Territory of Lakshadweep.
- (xix) Workcharged establishment of Madras Atomic Power Project Kalpakkam (Tamil Nadu).
- (xx) Workcharged and casual employees of the Bhabha Atomic Research Centre.
- (xxi) Workcharged establishment of the Trombay Township Project, Bombay (Department of Atomic Energy).
- (xxii) Workcharged establishment of the Directorate of Estate Management, Bombay (Department of Atomic Energy).
- (xxiii) Workcharged establishment of Taraput Atomic Power Station.
- (xxiv) Workcharged establishment of Reactor Research Centre, Kalpakkam, Tamil Nadu.
- (xxv) Workcharged establishment of the Civil Engineering Division of the Department of Space,
- (xxvi) Workcharged establishment of the Clvil Engineering
 Division of the Department of Space taken over from
 the Architecture and Civil Engineering Division of
 Bhabha Atomic Research Centre, Department of
 Atomic Energy.
- (xxvii) Workcharged employees of Dandakaranya Project.
- (xxviii) Workcharged employees of the office of the Station Engineer, Central Stores, All India Radio, New Delhi.

[No. 21(1)/78-EV(B)/PU]

नई दिल्ली, 1 भक्तूबर, 1980

का० आ। 277 8.— राष्ट्रपति, सिवधान के अनुक्छेद 309 के परन्तुक और अनुक्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदक्ष मिनतयों का प्रयोग करते हुए, भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबन्ध में नियंत्रक महा लेखापरीक्षक से परामर्ण करने के पण्जाल भगवायी भविष्य निधि (भारत) नियम 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखन नियम बनाते है, भणात्ः—

(1) इन नियमों का नाम अशवायी भविष्य निधि (भारत) पांचवा संशोधन नियम, 1980 है।

- (2) ये राजपक्ष मे प्रकाशन की नारीख को प्रवक्त होगे।
- 2. प्रशादायी भविष्य निश्चि (भारत) नियम, 1962 में नियम 37 के उपनियम (3) के खण्ड (ii) के म्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, प्रथित्.—
 - "(ii) कार्यालय/विभाग का प्रधान प्रावेदन की लेखाधिकारी को प्रमेशित करेगा जिसमें चालू मधिमों के प्रति की जाने वाली वस्तुलियां भौर बसूल की जाने वाली किस्सो की सख्या. उप-वर्षणत की जाएगी धीर इसमें लेखा प्रधिकारी द्वारा भेजी गई मभिदाना की पिछली लेखा विवरणी में सम्मिलित स्रविधि के पण्चात् की गई रकम की निकासियां भी उपविधित की जाएंगी,"

[संख्या फा॰ 11(1)-पेंभन/77-सी॰पी॰एफ॰]

New Delhi, the 1st October, 1980

- S.O. 2778.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amond the Contributory Provident Fund Rules (India) 1962, namely:—
 - These rules may be called the Contributory Provident Fund (India) Fifth Amendment Rules, 1980.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, in rule 37, in sub-rule (3) for clause (ii), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(ii) The Head of Office/Department shall forward the application to the Account Officer indicating the recoveries effected against the advances which are still current and the number of instalments yet to be recovered and also indicate the withdrawals, if any taken by the subscriber after the period covered by the last statement of the subscriber's account sent by the Account Officer;"

[No. 11(1)-Pen/77-CPF]

कां कां 2779 — राष्ट्रपति, सिवधान के अनुष्ठेद 309 के परन्तुक भीर अनुष्ठेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय लेखा भीर लेखापरीक्षा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के सबन्ध में नियंत्रक महा लेखापरीक्षक से परामणें करने के पश्चात् साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 का भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते है, भर्थात् .—

- (1) इन नियमों का नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) पांचवां सशोधन नियम, 1980 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. साधारण भवविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में नियम 34 के उपनियम (3) के खण्ड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, प्रार्थीन् ---
 - "(ii) कार्यालय/विभाग का प्रधान भावेदन को लेखाधिकारी को अग्रेषित करेगा जिसमें चालू अग्रिमों के अति की जाने वाली वसूलिया और वसूल की जाने वाली किस्सों की संख्या, उप-दिश्वत की जाएगी और इसमें लेखा अधिकारी द्वारा भेजी गई अभिवाता की पिछली लेखा विवरणी में सम्मिलित भविध के परवात की गई रकम की निकासियां भी उपदिश्वत की जाएंगी;"

[संख्या फा० 11(1)-पेंशन/77-जी०पी०एफ०]

हजारा सिष्ठ, ग्रवर सचिव

- S.O. 2779.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely:—
 - These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Fifth Amendment Rules, 1980.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, in rule 34, in sub-rule (3) for clause (ii), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(ii) The Head of Office/Department shall forward the application to the Account Officer indicating the recoveries effected against the advances which are still current and the number of instalments yet to be recovered and also indicate the withdrawals, if any, taken by the subscriber after the period covered by the last statement of the subscriber's account sent by the Account Officer;"

[No. F. 11(1)-Pen/77-GPF]

HAZARA SINGH, Under Secy. वर्ध दिल्ली, 7 अनत्वर, 1980

का॰ पा॰ 2780. च्युष्ट प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप धारा (8) द्वारा प्रदत्त फक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री सी॰ एस॰ सरन, प्रधिवक्ता, इलाहाबाद तथा श्री पी॰ के॰ बौबे प्रधिवक्ता, बासणसी को, विल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 3/76-मी॰ भाई॰ यू० (ए) (मुश्रा लाहिरी हत्या काण्ड) में प्रभियुक्त व्यक्तियों द्वारा इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में दायर प्रपीलों का संचालन करने के लिए, एनद्द्वारा विशेष लोक प्रभियोजक नियुक्त करती है।

[सख्या 225/14/80-ए.० बी० डी० (ii)] टी० के० सुन्नमणियन, धवर सचिव

New Delhi, the 7th October, 1980

S.O. 2780.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri C.S. Saran, Advocate, Allahabad and Shri P.K. Choube, Advocate, Varanasi, as Special Public Prosecutors, for conducting Criminal Appeals filed by the accused persons in Delhi Special Police Establishment Regular case No. 3/76-CIU(A) (Shubhra Lahiri Murder Case) in the Lucknow Bench of the Allahabad High Court.

[No.225/14/80-AVD.II]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

विक्त मंत्रालय

(राजस्य विमाग)

न**ई दि**ल्ली, 10 सितम्बर, 1980

धावकर

कार बार 2781—भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (III) का भनुसरण करते हुए कन्द्रीय सरकार, एनद्द्वारा श्री एम० एफ० कुरेशी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, अस अधिनियम के श्रन्तर्गत कर दसूली अधिकरी की गत्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

 यह प्रधिस्चना श्री एम०एफ० कृरेणी द्वारा कर बसूली प्रधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[मंख्या 3656 (फा० सं० 398/2/80-भा० क० स० क०)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 10th September, 1980

INCOME TAX

- S.O. 2781—In pursuance of subsclause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri M.F. Qureshi being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.
- 2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri M.F. Qureshi takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 3656 (F.No. 398/2/80-ITCC)]

शुद्धि-पत

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1980

का० ग्रा० 2782.— ग्रायकर क्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (III) का ग्रनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतर्द्रारः भारत सरकार के घित्त मंत्रालय के राजस्य विभाग की दिनांक 30 जुन, 1980 की ग्राधसूचना संख्या 3502 (का० सं० 398/15/80-ग्रा० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रयात् उक्त ग्राधसूचना में जहां कही भी "श्री यू० की० उपाध्याय" शब्द ग्रीर ग्राक्षर प्रमुत्त हुए हों, उनके स्थानपर, 'श्री बी० की० उपाध्ये' शब्द ग्रीर भ्रक्षर प्रसिस्थापित किए जाएं।।

[संक्या 3663 (फा० सं० 398/15/80-मा० क०स०क०)] एच० वेंकटरामन उप सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th September, 1980

S.O. 2782.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of Ind ia in to Ministry of Finance, Department of Revenue No. 3502 (F.No. 398/15/80-IICC) dated 30-6-1980 namely; In the said Notification, appearing wherever, for the words and letters "Shri U.D. Upadhyay" the words and letters "Shri V.D. Upadhye" shall be substituted.

[No. 3663 (F. No. 398/15/80-ITCC)]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1980

का० था० 2783 किन्नीय सरकार, श्राय-कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री वेंकटाचालापित एन्ना छत्तीराम ट्रस्ट कपिस्थलम्, यानजौर जिला" को निर्धारण वर्ष 1971-72 से 1981-82 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ श्रीधसूचित करती है। [सं० 3655 (फा० सं० 197/158/80-आ० क० (ए 1)] श्री० एम० सिंह, सवर सचिव

New Delhi, the 10th September, 1980 INCOME TAX

S.O. 2783.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Venkatachalapathy Anna Chattiram Trust, Kapisthalam, Thanjavur District" for the purpose of the said section for the assessment years 1971-72 to 1981-82.

[No. 3655 (F. No. 197/158/80-IT(AI)] B. M. SINGH, Under Secy.

आर्थिक कार्य विभाग (वैकिंग प्रमाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1980

कां० मां० 2784.— वैंककारी विनियमन मिधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 बारा प्रवक्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिण पर एतवृद्धारा घोषणा करती है कि उक्त मिधिनियम की धारा 9 के उपबध, इस मिधिमूचना के भारत के राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख से 31-12-1980 तक की भविध के लिए सेन्ट्रन कोम्रापरेटिव बैंक लिमिटेड, कूम्बकोणम पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक इनका संबंध इस बैंक द्वारा कुछ गैर-मैंकिंग परिसम्पत्तियों मर्यान् कुमारनकोयल स्ट्रीट, तिरूवकण स्थित एक खपरैल (टाइल्ड) मकान की धारिता से है, जिसकी नगरपालिका वार्ड संख्या 2, यरवाजा (डोर) संख्या 2, यरवाजा संख्या 38, क्लाक संख्या 38, नगर सर्वेक्षण (टाउन सर्वे) संख्या 2084 है।

[संख्या 8(40)/80~ए०सी०]

(Department of Economic Affairs) (Banking Division)

New Delhi, the 30th September, 1980

S.O. 2784.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Central Cooperative Bank Limited, Kumbakonam so far as they relate to its holding of a non-banking asset viz. one tiled house on Municipal Ward No. 2, Door No. 2, Door No. 38, Block No. 38, Town Survey No. 2084, situated at Kumarankoil Street, Thiruvarun, for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 31-12-1980.

[No. 8(40)80-AC]

नर्र विल्ली, ४ ग्रक्तूबर, 1980

का॰ या॰ 2785 — बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की गिफारिश पर एतद्वारा धोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबंध इस अधिसूचना के भारत के राज-पद्ध में प्रकाणित होने की तारींख से परिसम्पत्तियों के सामने वी गई तारीखों तक की शबधि के लिए मद्दे जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मदुरै, मद्रास पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहा तक इनका संबंध इस बैंक बारा उत्तमापालयम स्थित कुछ गैर-बैंकिंग परिसम्पतियों की धारिता से है जिनका स्पीरा अनुलग्नक में विया गया है। मद्दे जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि॰ मधुरै द्वारा उत्तमापालयम ताल के में धारित गैर-बैंकिंग परिसम्पत्तियों का ब्यौरा

सख्या	ग्राम का नाम	क्षेत्र कुल मे	नई संख्या	भाधिग्रहण की तारीखा	भूमि की	निम्म लारीखों तक प्रावश्यक छुट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	·	(7)
1. टी० १	<u>ग्र</u> लगरनाकिनपट्टी	1.6.0	240/2	28-8-67	मसिचित भूमि	28-8-81

1	2	3	4	5	6	7
	टी० अलगरनाकिनपट्टी	1.15,2	325/4	23-7-67	— ———— असिंचित भूमि	23-7-81
3	n ,	0,4,3				
		2.10.3	243/1	4-10-67	n	4-10-81
		2.6.1	289/2			
4.	,,	2.8 0	339/5	28-7-67	n	28-7-81
5.	n.	3.5.0	322/4	27-3-67	सकान	27-3-81
6.	7)	2.3.1	248/2	28-8-67	ब्रसिचित भूमि	28-8-81
7.	"	6.5.2	246/2	28-7-67	"	28-7-81
		4.0.0	240/3			
8.	n	3.0.2	262/2	28-7-67	क्षा	28-7-81
		2.1.3	262/3		•	
			323/3			
9.	1)	3.0.0	273/4	23-7-67	ग्रसिचित भूमि	23-7-81
10.	ो वलपु रम	2.0.0	219/4	4-10-67	n	4-10-81
11.	n	1.11.0	198/2	24-2-68	,,	24-2-82
12.	n	1.4.0	219/7	4-10-67	**	4-10-81
1 3.	η	2.0.0	219/4	18-6-68	11	18-6-82
14.	तिवरम	$0.12.2\frac{1}{2}$	1231/4	23-7 67	17	23-7-81
		1.15.2	325/4			
		0.4.3	·			
15.	D	0.14.2	263/4	18-6-68	n	18-6-82
		2.8.0	323/0			
			322/3			
1 6.	1)	2.15.0	241/7	23-7-67	J7	23-7-81
17.	p	5.4.0	324/2	28-8-67	1)	28-8-81
18.	•	3.4.0	335/4	38-7-67	,,	28-7-81
19.	"	2.11.3	313/2	26-7-63	1)	26-7-81
20.	n	2.6.1	243/1	4-10-67	11	4-10-81
		1.15.2	285/1			
		$0.12.2\frac{1}{8}$	289/2			
21	n	5.14.0	318/2	28-8-67	n	28-8-81
22.	17	5,0,0	337/3	18-6-68	11	18-6-82

[सं० 8(42)/80-ए०सी०] इन्द्रानी सेन, भवर सचिव

New Delhi, the 4th October, 1980

S.O. 2785.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Madurai District Cooperative Bank Ltd., Madurai, Madras, in so far as they relate to its holding of non banking asset viz. as indicated in the enclosed sheet, in Uthamapalayam Taluka for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to the dates shown against the properties.

The particulars of non-banking assets held by the Madurai District Central Cooperative Bank Ltd., Madurai in Uthamapalayam taluka.

Sr No.	Name of village	Area in Kul	New S. No.	Date of acquisition	Nature of land	Exemption required upto
1	2	3	4	5	6	-— 7
1 T. A	Algarnaickanaputty	1.6. 0 1.4.0	240/2 273/1	28-8-67	Dry Land	28-8-81
2.	,,	1.15.2 0.4 3	325/4	23-7-67	**	23-7-81
3))	2.10.3 2.6.1	243/1 289/2	4-10-67	,,	4-10-81
4.	,,	2.8,0	339/5	28-7-67	**	28-7-81
5.	,,	3.5.0	322/4	27-3-67	House	27-3-81

					
1 2	3	4	5	6	7
6. T. Algarnaick	canaputty 2.3.1	2482	8-8-67	Dry Land	28-8-81
	6.5.2	246/2	28-7-67	11	28-7-81

3614 THE GAZETTE OF INDIA: OCTOBER 18, 1980/ASVINA 26, 1902

[PART II-SEC. 3(ii)]

वाणिज्य एवं नागणिक पूर्ति में सामय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1980-09-24

का॰ आ॰ 2793.--भारतीय मानक मंस्या (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के ग्रनुसार भारतीय मानक सम्या एतद्धारा प्रधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के क्यौरे नीचे ग्रनुसूची में दिए गए हैं वे 1978-03-31 को निर्धारित किए गए हैं :--

धन्स्ची निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या भीर शीर्षक नए भारतीय मानक द्वारा घ्रतिकमित किए गए ग्रन्य विवरण संख्या भारतीय मानक की पद संख्या ग्रीर शीर्षक (1) (2) (3)(4) 1. IS: 221-1977 स्थायी प्रभिलेखों के लिए अन्यू०-अलैक, IS: 221-1962 स्थायी प्रभिलेखों के लिए तरल, स्याही की विशिष्टि क्रन्य, ब्लॅक,तरल,स्याही की फिणिटिट (अूसरा.पुनरीक्षण) (पुनरीक्षिन) 2. IS 222~1977 मामान्य उपयोगों के लिए तरल स्थाही की IS 222-1962 सामान्य उपयोगों के लिए विशिष्टि नरल स्याही की विशिष्टि (पुनरीक्षित्र) (दूसरा पुनरीक्षण) 3. *IS: 277-1977 जस्तेवार इस्पात की चहुरों (सादा IS: 277-1969 जस्तेवार इस्पात की चहुरों 1978-01-31 को लागू * भा० मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए भौरुजाली(दार्) की विशिष्टि (भादा ग्रौर जालीदार) की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण) (दूसरा पुनरीक्षण) IS 277-1977 दिनांक 1978-04-30 से लाग होगा 4. *[\$: 410-1977 पीतल की चट्रों की पट्टियों भीर पन्नयों | IS: 410-1967 पीतल की चट्र, पट्टी भीर पन्नी *भा० मा० संस्था प्रमापन मृहर योजना के की विशिष्टि की विशिष्टि लिए (तीसरा पुनरीक्षण) (दूसरा पुतरीक्षण) IS: 410-1977 दिनाक 1978-06-30 से लागू होगा 5. IS : 1448 (भाग 16)--- 1977 पैट्रोलियम भीर इसके IS : 1448 (भाग 16)-- 1967 पैट्रोलियम भीर उत्पादो की परीक्षण पद्धति इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धति (भाग 16) हाडड्रोमीटर पद्धति द्वारा कच्चे पेट्रोलियम भाग 16 हाइड्रोमीटर पद्धति द्वारा धनन्य मीर पैट्रोलियम उत्पादों का धनत्व (पहला पुनरोक्षण) (दूसरा पुनरीक्षण) 6. IS . 1885 (भाग XLV)--- 1977 विद्युत तकनीकी सन्दावली भाग XLV संधारिक 7. : 1885 (भाग \mathbf{XLV})—1977 विद्युत तकनीकी मध्दावली भाग XLV प्रतिरोधक 8. IS : 1903-1977 जट करघों के पिकरों के आकार भीर IS: 1903-1961 जूट करघों के कच्चे चमड़े के पिकर ताप सम्बन्धी सिफारिशे (पहला पुनरीक्षण) 9. IS:2014—1977 टी—काबलों की विणिष्टि (पहला IS:2014—1962 टी काबलों की विणिष्टि _ 1978 – 02 – 28 को लागू पुनरीक्षण) $10^{-4} ext{IS}: 2026 (भाग 1) - 1977 पावर ट्रांसफार्नरों की <math> ext{IS}: 2026 - 1962$ पावर ट्रांसफार्मरों की 1977-08-31 की लागू ुविशिष्टि_लभाग 1 सामान्य विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण) 11. -*IS: 2026 (भाग 2)-1977 पावर ट्रांसफार्मरों की 1977-06-30 की लाग् विशिष्टिभाग 2 ताप विद्वि (पष्टला पुनरीक्षण) 12. *IS: 2026 (भाग 3)—1977 पाबर ट्रासफ़ार्मरा की IS: 2026—1962 पावर ट्रासफार्मरों की 1977—09--30 को लागु विशिष्टि भाग 3 रोधन स्तर और डाइइलेक्ट्रिक परीक्षण विशिष्टि

^{*}भा० मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS: 2026 (भाग 1 से 2)-1977 दिलाक 1978-07-01 की लाग होगा

केन्द्रीय उत्पाद शल्क तथा सीमा शल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल

कॅलकना, 37 ग्रगस्त, 1980

का० ग्रा० 2788 — केन्द्रीय उत्पाद शुक्क नियमावली, 1941 के नियम 5 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए मैं केन्द्रीय उत्पाद शुक्क समाहर्तालय, पश्चिम वगाल, कलकता के सहायक समाहर्ताक्रो को नियम 56 (ए) इबिद का उपनियम (3) धारा (भाया) की उपधारा (डी) के ग्रंतर्गत समाहर्ता को प्राप्त शक्ति का उग्योग करने को प्राधिकृत करता हूं। जिसके ग्रनुसार वे ग्रपने सम्बद्धित कार्यक्षेत्र में उत्पादकों की रकम/स्टाक की ग्रार० जी० 23 ले खा में स्थानांतरित करने की ग्रान्मित देसकते है।

[म्रिधिमूचना स० 1/के० उ० गु०/प० व०/80 मी० मख्या

(16)/27-के० उ० /प० बं०/76]

एस० मुखोपाध्याय, समाहर्ता

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS, WEST BENGAL

Calcutta, the 27th August, 1980

S.O. 2788 —In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby authorise the Assistant Collectors of Central Excise in the Collectorate of Central Excise, West Bengal, Calcutta to exercise the powers of the Collector under sub-clause (d) of clause (via) in sub-rule (3) of Rule 56-A ibid in their respective jurisdiction to permit transfer of amount/stock to the R.G.23 account of the manufacturer.

[Notification No.1/CE/WB/80/C.No.IV/16(27)-CE/WB/76] S. MUKHOPADHYAY, Collector

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1980

कां आं 2789—समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण नियम, 1972 के नियम 3 तथा 4 के साथ पठिन समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण प्रधिनियम, 1972 (1972 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एम० पी० अभ्रवाल, उप-मचिव, वाणिज्य मंत्रालय के स्थान पर श्री भाई० ए० खान, उप मचिव को प्राधिकरण का सदस्य नियुक्त करती है।

[फा॰ मं॰ ग्राई॰ एम॰-12/80-ई पी॰ (एग्री)] गिनन्दर सिंह, उप-सचिव

New Delhi, the 29th September, 1980

S.O. 2789.—In exercise of the powers conferred by subsection (3) of the Section 4 of the Marine Products Export Development Authority Act, 1972 (13 of 1972) read with rules 3 and 4 of the Marine Products Export Development Authority Rules, 1972, the Central Government hereby appoints Shri I.A. Khan, Deputy Secretary, vice Shri S.P. Aggarwal, Deputy Secretary, Ministry of Commerce as member of the Authority.

[File No. IM-12/80-EP (Agri.I] RAJINDER SINGH, Under Secy.

(काफी नियंत्रण)

नई दिल्ली, 4 श्रक्तूबर, 1980

का० श्रा० 2790.—केन्द्रीय सरकार काफी नियम, 1955 के नियम 4(1) के साथ पठित काफी श्रधिनियम, 1942 (1942 का 7) की धारा 4(2) (ख) के श्रनुसरण में राज्य सभा सदस्य श्री के० एस० माले को काफी बीर्ड के सदस्य के रूप में निर्वाचित किया जाना श्रधिसूचित करती है और यह निदेश देती है कि उक्त सदस्य 15 फरवरी 1981 787 GI/86—2

तक या राज्य समा का सदस्य बने रहने की श्रवधि तक, जो भी पूर्वतर हो, इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अपने पद पर बना क्हेगा।

> [एफ०नं०-1/3/77.प्लांट (बी)] डी० डब्ल्य० तेलंग, संयुक्त सचिव

(COFFEE CONTROL)

New Delhi, the 4th October, 1980

S.O. 2790.—In pursuance of Section 4(2) (b) of the Coffee Act, 1942 (7 of 1942) read with rule 4 (1) of the Coffee Rules 1955, the Central Government hereby notifies the election of Rajya, Sabha Member Shri K S. Malle Gowda as a member of Coffee Board and direct that he shall hold office for a period upto 15th February, 1981 or urtil he ceases to be a member of Rajya Sabha, whichever is earlier, with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[File No.1/3/77-Plant (B)] D. W. TELANG, Jt, Secy.

MINISTRY OF COMMERCE (Deptt. of Commerce) CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th October, 1980

S.O. 2791.—In the Notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce & Civil Supplies, Department of Commerce, No. S.O. 1787, dated the 5th July, 1980 published at pages 2340-2341 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 5th July, 1980, in lines 6 and 7, for "2. In the Export of Bechede mer (Inspection) Rules de-mer (Inspection) Amendment Rules, 1980," read "2. (1) These rules may be called the Export of Bechedemer (Inspection) Amendment Rules, 1980".

[No. 6(30)/76-EI&EP]

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अन्तूबर, 1980

का० आ० 2792.— निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 3 के साथ पठित निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा दिनांक 1 जनवरी 1980 की अधिसूचना का० आ० सं० 19 में संशोधन करते हुए श्री पी० के० कौल, वाणिज्य सचिव, वाणिज्य मंत्रालय को 26 सितम्बर, 1980 के अपराह्म से श्री ए० एम० गिल के स्थान पर निर्यात निरीक्षण परिषद के अध्यक्ष पद पर नियुक्त करती है।

[फा॰ सं॰ 3(94)/75-ई॰ ग्राई॰ एण्ड ई॰ पी॰] मी॰ बी॰ कुकंरेती, संयुक्त निदेशक

New Delhi, the 18th October, 1980

S.O. 2792.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), read with rules 3 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, the Central Government in modification of Notification S.O. No. 19 dated 1st January, 1980 hereby appoints Shri P.K. Kaul, Commerce Secretary, Ministry of Commerce, as Chairman of the Export Inspection Council with effect from the afternoon of 26th September. 1980 vice Shri A.S. Gill.

[F. No. 3 (94)/75-EI & EP] C. B. KUKRETI, Jt Director,

वाणिज्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक संस्था

नई दिन्ली, 1980-09-24

का॰ ग्रा॰ 2793.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) श्रौर (3) के श्रनुसार भारतीय मानक संस्था एतद्द्वारा ग्रधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे श्रनुसूची में दिए गए हैं वे 1978-03-31 को निर्धारित किए गए हैं:—

त्रन्सची निर्धारित भारतीय मानक की पद संख्या स्रौर शीर्षक ग्रन्य विवरण नए भारतीय मानक द्वारा ग्रतिक्रमित किए गए ऋम संख्या भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक (2) (3) (4)(1) 1. IS: 221-1977 स्थायी अभिलेखों के लिए ब्ल्य०-ब्लैक, IS: 221-1962 स्थायी अभिलेखों के लिए तरल, स्याही की विशिष्टि ब्ल्य, ब्लैक, तरल, स्याही की विशिष्टि (दूसरा.पूनरीक्षण) (पुनरीक्षित) 2. IS : 222-1977 सामान्य उपयोगों के लिए तरल स्याही की IS : 222-1962 सामान्य उपयोगों के लिए विशिष्टि तरल स्याही की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) (पुनरीक्षित) 3.~*IS : 277-1977 जस्तेदार इस्पात की चहरों (सादा IS : 277-1969 जस्तेदार इस्पात की चहरों 1978-01-31 को लागु $^\circ$ भा० मा० संस्था भ्रौर जालीदार) की विशिष्टि (सादा ग्रौर जालीदार) की विशिष्टि प्रमाणन महर योजना के लिए (तीसरा पुनरीक्षण) (दूसरा पुनरीक्षण) IS: 277-1977 दिनांक 1978-04-30 से लाग होगा 4. *IS:410-1977 पीतल की चहरों की पट्टियों भीर पन्नयों IS:410-1967 पीतल की चहर, पट्टी भीर पन्नी *भा० मा० संस्था प्रमापन मुहर योजना के की विशिष्टि की विशिष्टि (तीसरा पूनरीक्षण) (इसरा पुनरीक्षण) IS: 410-1977 दिनांक 1978-06-30 से लाग् होगा 5. IS : 1448 (भाग 16)--1977 पैट्रोलियम श्रौर इसके IS : 1448 (भाग 16)-1967 पैट्रोलियम श्रौर उत्पादों की परीक्षण पद्धति इसके उत्पादों की परीक्षण पद्धति (भाग 16) हाइड्रोमीटर पद्धित द्वारा कच्चे पेट्रोलियम भाग 16 हाइड्रोमीटर पद्धित द्वारा धनत्व भीर पैट्रोलियम उत्पादों का धनत्व (पहला पूनरीक्षण) (दुसरा पुनरीक्षण) 6. IS: 1885 (भाग XLV)——1977 विद्युत तकनीकी शब्दावली भाग XLV संधारित 7. : 1885 (भाग XLV) - 1977 विद्युत तकनीकी शब्दावलीभाग XLV प्रतिरोधक 8. IS: 1903-1977 जुट करघों के पिकरों के स्थाकार श्रीर IS: 1903-1961 जुट करघों के कच्चे चमड़े ताप सम्बन्धी मिफारिशों के पिकर (पहला पुनरीक्षण) $9. \ IS: 2014-1977$ टी-काबलों की विभिष्ट (पहला IS: 2014-1962 टी काबलों की विभिष्ट 1978-02-28 की लागू पूनरीक्षण) 10. *IS: 2026 (भाग 1)-1977 पावर टांसफार्भरों की IS: 2026-1962 पावर टांसफार्मरों की 1977-08-31 को लाग विशिष्टि ुविशिष्टि भाग 1 सामान्य (पहला पुनरीक्षण) 11. *IS: 2026 (भाग 2)-1977 पावर ट्रांसफार्मरों की 1977-06-30 को लाग विशिष्टि भाग 2 ताप विद्व (पहला पुनरीक्षण) 12. * IS: 2026 (भाग् 3)-1977 पावर ट्रांसफार्मरों की † IS: 2026-1962 पावर ट्रांसफार्मरों की 1977-09-30 को लाग् विशिष्टि भाग 3 रोधन स्तर श्रौर डाइइलेक्ट्रिक परीक्षण विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)

^{*}भा०मा० संस्था प्रमाणन मुहर योजना के लिए IS: 2026 (भाग 1 से2)–1977 दिनांक 1978–07–01 को लाग् होगा

(1	(2)	(3)	(4)
13	*1S: 2026 (भाग 4)-1977 पावर ट्रासफार्मरो की विशिष्टि भाग 4 टर्मिनल चिहन, टैपिन धौर कनेक्शन (पहला पुनरीक्षण)		1977-10-31 को लागू
14.	IS: 2167-1977 रोधन समन्वय (दुमरा पुनरीक्षण)	IS 2165 (भाग 1, 2 घौर 3)-1973 रोधन समन्वय भाग 1 माप और बाधारभून सिद्धांत (पहला पुनरीक्षण) भाग 2 100 किथो और अधिक के उपकरण के लिए अधिकतम बोस्टना के लिए (पहला पुनरीक्षण) भाग 3, 1 किथो से अधिक और 100 किथो से कम उपकरण के लिए अधिकनम बोस्टसा	_
15	*IS 2266-1977 मामान्य इंजीनियरी उपयोगो के, लिए इस्पान तार की रस्मियों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	(पहला पुनरीक्षण) IS: 2266-1970 सामान्य इंजीनियरी उप- योगो के लिए इस्पात तार की रस्सियों, की विणिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	*भामा संस्था प्रमाणन मुह्र योजना के लिए IS: 2266-1977 विनांक 1978-07-01 से लागृ होगा
16	 15 2417-1977 पराश्वक्य परीक्षण सम्बन्धा शब्दावला] (पहला पुनरीक्षण) 		
1 7.	IS: 2720 (थाग II)-1977 मृत्तिकाद्यों का परीअण पद्धतियों भाग II मृत्तिकाद्यों के मुक्त स्फीति सूचक शंक निर्धारण		-
18.	IS:3987-1977 सांबिटॉल घोल (70 प्रतिशास) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS:3987—1966 सॉबिटॉल घोल 70 प्रतिशत कः विशिष्टि	
19.	IS: 4138-1977 सपीड़िन अप्यू में काम करते की सुरक्षा मंहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS: 4138-1967 संपीड़िन नायु मे काम करने की सुरक्षा संहिता	
20.	IS: 4662-1977 मह मौर मंड उत्पादनों की बानगी लेने की पद्धानिया (पहला पुनरीक्षण)	IS:46621968 मंड की बानगी लेने की पद्मतिया	
21-	IS: 5249-1977 मृत्तिका गत्यात्मक गुणधर्म झाल करने का परीक्षण पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS: 52491969 मौके पर मृत्तिकाझों के गत्यात्मक गुणधर्म कात करने की परीक्षण पद्मतिया	
2 2	IS: 6200 (भाग 1) - 1977 मार्थकता के सांख्यिकीय परीक्षण भाग । टा-नार्मल ग्रीर एक-पर्राभण (पहला पुनरीक्षण)	IS: 6200-1971 सार्थकता के सोस्पिकी परीक्षण	
23.	IS: 6200 (भाग ²) 1977 मार्थकतः के साख्यिकीय परीक्षण भाग ² एक्स ² -परीक्षण (पहला पुनरीक्षण)		_
24.	IS:6873 (भाग 3)-1977 विद्युत जुम्बकीय रव नापने की पद्मतिया भाग 3 ध्वनि भौर टेलीविजन रिसीवरों से		
25	IS: 6873 (भाग 4)-1977 विद्युत चुन्सकीय रख नापने की पद्धतिया भाग 4 श्रीद्योगिक वैज्ञानिक भौर जिकित्सा सम्बन्धा (श्राष्ठ ० एस० एस०) रेडियो श्रावृत्ति उपकरण श्रीर गर्माने के सूक्ष्म तरग उपकरण तथा चिकित्सा उपकरणो से		
	IS: 2066 (भाग 3 एवं 4) −1977 दिनांक 1978~0 से लागू होगा।	7-01	

(1)	(2)	(3)	(4)
वी० व	098 (भाग 1)- 1977 पॉलाइयाइलीन रोधित पी० ती० खोलदार कॉस अब केसलों की विशिष्टि 1 1100 बोल्ट सक कार्यकारी वोस्टता के लिए		
व बा क भ्रलग	09 [भाग 3/प्रमुभाग 4]- 1977 बिजली के कार्यों के लिए र चिपकाने काले टैपों की विशिष्ट भाग 3 ग्रलग सामग्रियों की विशिष्टि ग 4 सेलुलेसी कागज, त¦प दृढ चेपक से केंपित		-•
लिए ^३ ग्रल	809 [माग 3 अनुभाग 5]—1977 विजली के कःयौं के बाक्षर चिपक्षने काले टेपों के की विशिष्टि भाग 3 ग-अलग सामग्रियों की विशिष्टि ग 5 तापबृढ चेपक वाला सेलुसोसी कागज	_	
29. IS : परीक भाग	8161 (भाग 7)—1977 उपकरण विश्वसनीयता ण संदक्षिका 7 विफलता की समदर मानते हुए विफलतायों के बीच		_
योजन			
	84861977 टंग्सटन कार्बाइड टिप वाली समेकित (स्टेम) के रख रखाव की रीति संहिता		
31. IS:	85021977 पेट्रोलियम कोक की विशिष्टि		
	8503—1977 श्रंतर्वाही इंजनों के मिश्र एलुमिनियम नों की तकनीकी पूर्ति सम्बन्धी गर्ते		•
1 वे की वि	8575 (भाग 1)—1977 प्लॅटफार्म पर रख्खे सिरीज व्याल से खुलते सम्पूर्ण ऊपरी ढांचे वाले माल कंटेनरो विशिष्टि		 ·
34. IS	1 सामान्य भ्रपेक्षाएँ : 8577—1977 ध्रूणंक निर्वात फिल्टरों के लिए केता भौकड़ा प्रपन्न		-
35. IS	: 8581—1977 संसाधन उद्योग के लिए प्रशीतन ों के लिए सप्लापर का आंकड़ा प्रपत्न	_	
	:85921977 जन्सुओं से उत्पन्न वृशं बनाने की ग्रीकी पहचान पद्धतियाँ		
सागृ	8593 (भाग 1)——1977 संयंद्रों भीर मशीनो के लिए केम्ब्रीय स्नेहन सम्बन्धी सिफारिशें 1 तेल स्नेहन		_
38. IS मिर्गि	: 8597—1977 अपटे पट्टा वाले कलवेग्ररों की वि- ट		
उप	:8603)भाग 1)1977 गहुन संदूषित वातावरण में गेग के लिए पोसेलीन ट्रांसफार्मर बुशबंदियों के माप - 1 12 कियो भीर 17.5 कि यो के लिए वृश गों		
में ः	: 8603 (भाग 2)—-1977 गहन संदूषिस बासावरण उपयोग के लिए पोर्सलीन ट्रांसफार्मरकुशवंदियों के नाम ' 2 24 कियो के लिए बुशवंदियाँ		
41. IS 详:	: 8603 (भाग 3)—1977 गहन संदूषित असाबरण उपयोग के लिए पोर्सलीन ट्रांसफार्मर बुजबंदियों के माप 3 36 कियो के लिए बुजबंदियाँ		
42. IS:	86081977 विकलांग चिकित्सा के उपयोग के पायसटनुमा काउंचटरसिकों की विशिष्टि	_	
43. IS	: 8613—1977 मोर्स टेपर श्रीर बनात्मक चालन ी स्टब मिलिंग भ्रार्वेरों की विशिष्टि		_
	: 8616—1977 स्वतः विजयनीय 7/24 टेपर भौर ी वाले स्टब भिर्लिग बार्बरों की विशिष्टि		

	(1) (2)	(3)	(4)
45	IS :86181977 मिलिंग धार्धरों के घंतरंग कालरों की विशिष्टि		
46.	IS:86191977 मिलिंग ग्राबैरों के बयरिंग कालरों की विशिष्टि		_
47	IS:8622—1977 मिक्षा संस्थाधों मे उपयोग के लिए तार की बाईडिंग वाले सरकवों मम्पर्क धारा नियंत्रकों की विभिष्टि	- -	
48.	IS: 86231977 1000 के एसी भौर 1200 के श्री सी॰ तक बोल्क्ना के लिए कारखानों में निर्मित स्थिच गिम्नर और नियंत्रण गिम्नर समुक्त्वयों की विशिष्टि		
49.	IS 8630 1977 इंजीनियरों के द्राइंग उपकरण, दो लाइन वाले पेनो की विशिष्टि	—dust	
	IS 86351977 गंधक के ग्रम्ल ग्रीर फास्पेटी उर्वरक उद्योग से गैस उत्सर्जनों की भीमाएँ	_	MA
	IS: 86361977 पेट्रोलियम सफाई कारखानो से गैम उत्सर्जनों की सीमाएँ		_
5 2.	IS: 8638 (भाग 1)1977 चुम्बकीय कम्पासों भीर वाइनैकलों वर्गे ए० की परीक्षण संहिता भाग 1 चुम्बकीय कम्पास और विगंश पठन युक्तियों के टाइप परीक्षण		_
5 3.	IS . 8638 (भाग 2)1977 चुम्बकीय कम्पासों भौर बाइनैक्लों वर्ग ए की संहिता		
	भाग 2 जुम्बकीय कम्पास भीर विगंश पठन युक्तियों के ग्रालग-ग्रालग परीक्षण	-	
54.	IS: 86401977 भौदोगिक भवनो के लिए माप प्राचलों सम्बन्धी सिफारिणें		
55	IS:86461977 स्केपर (पलाइट) कनवेद्रारों की विशिष्टि		
56.	IS: 86841977 भारी कार्यों के लिए स्थचल द्रवनि- यंत्रित क्रेक द्रव की विशिष्टि		
57.	IS: 86601978 बिन भौर हॉपर वाले उपयोग के कम्पित्नों के लिए केता का ग्रॉकड़ा पत्र	_	Waster Comments of the Comment
58	IS: 86611977 ध्रुवणमापी भौर गर्करा मापी (प्रका- शीय) की विणिष्टि		~•
59.	IS: 8665—1977 प्रोटीन पुष्ट केंद्र की विशिष्टि		
60.	IS . 86661977 हस्तचालित मेटल ग्रार्क बेलिंडंग के तांबा तथा तांबा मिश्र के लाग लगे इलेक्ट्रोडों की बिशिष्ट		
41	IS: 8669—1977 शक्ति चालिन श्रीजारों के षक्ष्मुज चालन सिरों के माप		
62	IS: 8672 1977 कर्तक रहित, छोटी, चपटे नाक बाले प्लाम की विणिष्टि		_
73.	IS : 86731977 हम्ये वाली फैरिग्रर छेनियों की विभाष्टि	_	
64.	IS: 86771977 सूरजमुखी के बीजो के खादा धाटे (घोलकों द्वारा प्राप्त) की विविष्टि		_
65	IS 8679—1978 त्रिभुजी पैमानो की विणिष्टि		
	IS: 8688—1977 पेय जल की पालीइयाइलीन बोतलो की बिमिष्टि		

इन भारतीय मानकों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, सानक भवन, 9 बहाबुरणाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 घीर इसके णाखा कार्यालय ब्रहमदाबाद, बंगलीर, भुवनेएवर, बम्बई, कलकमा, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्राम, पटना घीर द्विचेन्द्रम से प्राप्त की जा सकती है ।

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Deptt. of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 24th September, 1980

S.O. 2793.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1978-03-31:

		SCHEDULE	
SI.		No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Remarks, if any
***	(1) (2)	(3)	(4)
	IS: 221-1977 Specification for ink, Auid, blue-black for permanent records (decond revision) IS: 222-1977 Specification for ink, fluid, 1	IS: 221—1962 Specification for ink fluid, blue-black for permanent records (revised) [S: 222—1962 Specification for ink fluid.	
	for general purposes (second revision)	general purposes (revised)	
		13: 277 –1969 Specification for galvanized steel sheets (plain and corrugated) second revision).	
	rolled brass sheet strip and foil (third revision)	IS: 410—1967 Specification for rolled brass plate sheet, strip and foil (second revision)	Scheme; IS: 410—1977 shall come into force with effect from 1978-06-30.
	IS: 1448 [P:16]—1977 Method of test for petroleum and its products. [P:16] Density of crude petroleum and liquid petroleum products by hydrometer method (second revision).	IS: 1448 [P:16]—1967 Methods of test for petroleum and its products P:16 Density by hydrometer method (first revision).	r —
6	. IS: 1885 (Pt XLV)—1977 Electrotechnical vocabulary Part XLV Capacitors.	-	_
7.	IS: 1885 (Pt XLVI)—1977 Electrotechn vocubulary Part XLVI Resistors.	ical –	_
8.		IS: 1903—1961 Raw hide pickers for jute looms.	_
9,	IS: 2014—1977 Specification for T-bolts (first revision).	IS: 2014—1962 Specification for T-bolts.	Established on 1978-02-28
10.	†IS: 2026 (Pt J)—1977 Specification for power transformers Part I General (First tevision).	IS: 2026—1962 Specification for power transformers.	Established on 1977-08-31
11.	†IS: 2026 (Pt II)—1977 Specification for power transformers Part II Temperature-rise (first revision).	-do-	Established on 1977-06-30.
	. †IS: 2026 (Pt III)—1977 Specification for power transfermers. Part III insulation levels and dielectric test (first revision).	-do-	Estaboished on 1977-09-30.
13.	†IS: 2026 (Pt IV)—1977 Specification for power transformers. Part IV terminal markings, tappings and connections (first revision).	IS: 2026—1962 Specification for power transformers.	Est. blished on 1977-10-31.
14.	IS: 2167—1977 Insulation co-ordination (second revision)	IS: 2165 (Parts 1, II & III)—1973 Insulation.	on —
	•	Part I Dimensions and basic principles (first revision).	
		Part II For highest voltages for equipment of 100 kV and above (first revision).	
		Part III For highest voltages for equipment above 1 kV and less than 100 kV (first revision).	

⁺For purposes of ISI Certification Marks Scheme IS: 2026 (Parts I to IV) -1977 shall come into force with effect from 1978-07-01.

(1)) (2)	(3)	(4)
15	. *IS: 2266 -1977 Specification for steel wire ropes for general engineering purposes (second revision).	IS: 2266-1970 Specification for steel wire ropes for general engineering purposes (first revision).	*For purposes of ISI Certification Marks Scheme: IS: 22661977 shall come into force with effect from 1978-07-01.
	. IS: 2417—1977 Glossary of terms relating to ultrasonic testing (first revision) IS: 2720 (Pt XL)—1977 Methods of test for soils. Part XL Determination of free swell index of soils.	IS: 2417—1963 Glossary of terms relating to ultrasonic testing.	
	solution (70 percent) (first revision)	IS: 3987—1966 Specification for sorbitol solution (70 percent)	_
	compressed air (first revision).	1S: 4139—1967 Safety code for air working in compressed air.1S: 4662-1968 Methods for sampling of	-
	starches and starch products (first revision). 1S: 5249 - 1977 Methods of test for determination of dynamic properties of soil (first revision).	stareh.	-
22	. IS: 6200 (Pt I)—1977 Statistical test of significance.	IS: 6200—1971 Statistical tests of significance.	_
23	Part I Normal and F-tests (first revision). IS: 6200 (Pt II) 1977 Statistical test of significance. Part II 2-test (first revision).	do-	
24	. IS: 6873 (Pt III)—1977 Methods of measurement of electromagnetic interference. Part II From sound and television receivers.		_
25	. IS: 6873 (Pt IV)—1977 Methods of measurement of electromagnetic interference. Part IV From industrial, scientific and medical (ISM) radio frequency equipment and microwave equipment for heating and therapeutic apparatus.	_	_
26	. IS: 7098 (Pt I) - 1977 Specification for crosslinhed polyethylene insulated PVC sheathed cables. Part I For working voltages upto and including 1100 volts	_	
27	 IS: 7809 (Pt III/Sec 4)—1977 Specification for pressure sensitive adhesive tapes for electrical purposes. Part III Specification for individual materials. Section 4 Cellulosic paper, creped with thermosetting adhesive. 	_	
28.	. IS: 7809 (Pt III/Sec 5)—1977 Specification for pressure sensitive adhesive tapes for electrical purposes. Part III Specifications for individuals materials. Section 5 Cellulosic paper with thermosetting adhesive.	_	
29	. IS: 8161 (Pt VII)—1977 Guide for equipment reliability testing. Part VII Compliance test plans for failure rate and mean time between failures assuming constant failure rate.		
30	. IS: 8486—1977 Code of practice for maintenance of tungsten carbide tipped integral stems.		

3620	THE GREETTE OF INDIA : C	OCTOBER 18, 1980 ASVINA	26, 1902 [PARΓ II—Sec. 3(ii)]
(1)	(2)	(3)	(4)
31. IS : 8502—1 coke.	977 Specification for petroleum		
32. IS: 8503—1 tions for alu	1977 Technical supply condi- minium alloy pistons for inter- tion engines.	_	
33. IS: 8575 (E series 1 freig open sided	Pt I)—1977 Specification for the containers platform based, with complete superstructure. ral requirements.	_	_
	977 Purchaser's data sheet for	*	
35. IS: 8581—19	977 Supplier's data sheet for ers for process industry.	_	_
36. IS: 8592-19	777 Methods for identification ng materials of animal origin.		PP.
37, IS: 8593 (Pt	: 1)—1977 Recommendations ubrication as applied to plant cry.	_	Established on 1978-02-28.
	777 Specification for flat belt	_	~
celain transf heavily pollu	I)—1977 Dimensions for por- former bushings for use in ted atmospheres. and 17.5 kV Bushings.		_
40. IS: 8603(Pt II celain transf heavily pollu	1)—1977 Dimensions for por- former bushings for use in ted atmospheres.	- -	~
porcelain tra	Bushings III)—1977 Dimensions for nsformer bushings for use in ted atmospheres.	~	~
	V Bushings. 77 Specification for counter- pe, for orthopaedic use.	_	_
43. IS: 8613—19 milling arbor	977 Specification for stub s with morse taper and posi-	_	-
	77 Specification for stub mil- ith selfrelease 7/24 taper and	_	_
•	77 Specification for spacing	-	_
	77 Specification for bearing	-	_
	77 Specification for wire scontact rhoestat for use in stitutions.	-	_
8. IS; 8623—197 build assembli gear for voltag	77 Specification for factory es of switchgear and control- cs upto and including 1000V	_	
	7 Specification for engineers'	_	No.
0. IS: 8635197	ments, double line pens. 7 Limits for gaseous emi- lphuric acid and phosphatic tries.	-	-
ssions from pe	7 Limits for gaseous emi- troleum refineries.	- u-	-
magnetic com A.	1977 Code for testing of spasses and binnacles, Class sting for magnetic compas	_	

(1)	(2)	(3)	(4)
53.	IS: 8638 (Pt II)—1977 Code for teting of magnetic compasses and binnacles. Class A.		****
	Part II individual testing of magnetic com- passes and azimuth reading devices.	_	-
54.	IS: 8640—1977 Recommendations for di- mensional parameters for industrial build- ings.		-
55,	IS: 8646—1977 Specification for scraper (flight) conveyors.		~
56,	IS: 8654—1977 Specification for automotive hydraulic brake fluid heavy duty.		_
5 7 .	IS: 8660—1978 Purchaser's data sheet for vibrators for use with bin and hopper.		-
	IS: 8661—1977 Specification for polarimeter and saccharimeter (Optical).		_
59.	IS: 8665-1977 Specification for protein fortified bread.	_	_
60.	IS: 8666—1977 Specification for copper and copper alloy covered electrodes for manual metal are welding.	_	•••
61.	IS: 8669—1977 Dimensions for hexagon drive end for power tools.		<u></u>
62	IS: 8672—1977 Specification for flat nose pliers without cutter, short.	-	_
63 .	IS: 86731977 Specification for farrier's chisels with handle.	_	
64.	IS: 8677—1977 Specification for edible sunflower seed flour (solvent extracted).	_	_
65.	IS: 8679—1978 Specification for triangular scales.	_	
66.	IS: 8688—1977 Specification for polyethylene potable water bottles.	_	_

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneshwar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

का॰ आ। ॰ 2794 ---समय समय पर संकोधित भारतीय भागक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम, 1955 के विनियम 5 के उपिनियम (1) के ब्रनुसार भारतीय मानक संस्था की घोर से ब्रधिसणित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्योरे नीचं ब्रनुसूची मैं थिए गए हु, वे रह कर विए गए हैं, तथा वापस से सिए गए हैं।

		धन सची	
কদৠঁ৹	५ ह किए गए भारतीय मानक की सक्या झौर पवनाम	भारत के राजपहाकी एस झों संख्या और दिनांक ज़िसमें भारतीय मानक को स्वापना छपी वी	चै फियत
(1)	(2)	(3)	(4)
	IS. 2929—1864 सादे कैसिको करुओं में प्रयुक्त नि क्राप्ट्योलन कापट और कैक्झापट युक्त	चले भारत के राजपता भाग II, द्वाण्य-3 उपवाण्य (ii) दिनांक 1965-05-08 में एल मा 1501 तिमांक 1965-04-28 के भ्रातीय प्रकृतित	

(.)	(3)	(4)
2. IS: 3833—1966 पलावर वाजिनों की विणिष्टि	भारत के राजपन्न भाग II, खण्ड-3 उपखण्ड (ii) दिनाक 1967-04-29 में एस फ्रो 1533 दिनाक 1967-04-17 के श्रधीन प्रकाशित	SI : 3833-1966 पलायर मामिनों की विशिष्टि को वापस लेने के निर्णय किया गया है क्यों कि इस मानक में अनुविधित प्रपेक्षाओं की 9337 (भाग 1)-1979 वस्त्र मिलों में प्रयुक्त बाबिनों भीर मोरिया विशिष्टि भाग 1 लकड़ी के पलायर
		बॉबिन में समाहित कर लिया गया है। सिं० सी एम भी/13 7]

5. O. 2794.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn:

		SCHEDULE	
Sl. No.	o. & Title of the Indian Standard Cancelled	S. O. No. & Date of Gazette Notification in which Establishment of the Indian Stan- dard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
rock	: 2929—1964 Bushes for bottom shaft, king shaft and crank shaft used on plain co looms.		It has been decided to withdraw IS: 2929—1964 Bushes for Bottom Shaft, Rocking Shaft and Crank Shaft Used on Plain Calico Looms as while revising the standard specifications for Bottom and Crank Shaft (IS: 835 and IS: 2531 respectively), the dimensions which determine the size of bushes have been deleted.)
	: 3833—1966 Specification for flyenbins.	the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1967-04-29.	It has been decided to withdraw IS: 3833—1966 'Specification for flyer bob bins as the requirements stipulated in this standard have been incorporated in IS: 9337 (Part I)—1979 'Specification for bobbins and pirns used in textile mills: Part I Wooden flyer bobbin'.

[No. CMD/13:7]

का॰ ग्रा॰ 2795.— समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के म्रभुसार भारतीय मानक संस्था की म्रोर से म्रधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानको के व्यौरे नीचे म्रमुसूची में दिए गए हैं के रह कर दिए गए हैं तथा अपस से लिए गए हैं।

मनुसूची

कम सं० रह किए	गए भारतीय मानक की संख्या झौर पदनाम	भारत के राजपत्र की एस घो संख्या घौर दिनांक जिसमे भारतीय मानक की स्थापना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
पो वी सी खो की पिणिध्टि बोस्टता के 2. IS: 5958 पी वी सी खे लिए) की नि	लदार (भारी काम वाले) बिजली के केबलों मार्ग 1,1100 बोल्ट तक की कार्यकारी लिए (भाग 2)——1970 पॉलीइयाइलीन रोधित लिदार बिजली के केबलों (भारी कामों के विशिष्टि 3 किं० बोस्ट से 11 कि०बो० तक कार्य-	प्रकाशित	क्योंकि केवल ध्रम इन मानको की घपेक्षाघों के घनुरूप नहीं निर्मित होते हैं अतः वापस से लिए गए हैं।

S. O. 2795.—In pursuance or sup-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regu lations, 1955 as amended from time to time, it is hereby, notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter have been cancelled and stands withdrawn:.

SCHEDULE

(3)	(4)
 S. O. 3318 dated 1972-10-11 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (II) dated 1972-10-21 S. O. 398 dated 1971-12-22 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1972-02-05 	As the cables as per the requirements of these standards are not being manufactured. Hence withdrawn.
	S. O. 3318 dated 1972-10-11 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (II) dated 1972-10-21 S. O. 398 dated 1971-12-22 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3,

[No. CMD/13:7]

कार्बार 2796.—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) विनांक 1976-07-03 मे प्रकाशित तत्कालीन उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग) (भारतीय मानक संस्था) ध्रधिसूचना संख्या एस ग्री 2285 दिनांक 1976-06-04 के भाशिक संशोधन के रूप में प्राय नजाराज (जाना की प्रीर से एतव्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेफ्टी रेजर ब्लोड की प्रति इकाई मुहर लगाने के गुल्क का पुनरीक्षण किया गया है। मुहर लगाने का पुनरीक्षित शस्क जिसके क्योरे माचे अनुसूची में दिए गए हैं, 1980-08-01 से लागू होगा :

प्रनुसूची

कम सं० उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या श्रीर शीर्षक	इकाई प्रति इकाई मुहर लगाने की शुल्क
(1) (2)	(3)	(4) (5)
1. सेपटी रेजर ब्लेड	IS:7371197 7 सेपटी रेजर ब्लेड की जिशिष्टि	1000 ब्लेड 1. 75 पैसे प्रति इकाई पहली 10000 इकाइयों के लिए, 2. 30 पैसे प्रति इकाई 10001 वीं से 20000 इकाइयों के लिए, धौर 3. 10 पैसे प्रति इकाई 20001 वीं घौर इससे उपर की इकाइयों के लिए
		[संबंधा सी ऐम की/13: 10

S. O. 2796.—In partial modification of the then Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) (Indian Standards Institution) notification number S. O. 2285 dated 1976-06-04, published in the Gazette of India, Part II, Section-3. Sub-section (ii) dated 1976-07-03; the Indian Standards Institution, hereby notifies that the marking fee per unit for sefety razor blades has been revised. The revised rates of marking fee, details of which are given in the following Schedule, shall come into force with effect from 1980-08-01:

SCHEDULE

S1. Product/Class of Product No.		No and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per Unit	
1	2	3	4	5	
1. Blades, razo	or, safety	IS: 7371—0677 Specification for blades, razor, safet (first revision)		(i) 75 Paise per unit for the first . 10000 units; (ii) 30 Paise per unit for the 10001st to 20000 units; and	
				(iii) 10 Palse per unit for the 20001st Unit and above.	

					•					
	13 9 1	नई विस्ती, 2	5 सितम्बेर , 1	980		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
भगि० !) प्राच्या	म्रा० १ इसाजन	2797.—समय चिक्र) विनिय	ा-समय ५२ । मि 1955 के	तंत्रोधित भारतीय विनियम 8 के उपवि		31.	2967	80-03-16	81-03-15	IS: 3829-1966 और IS: 4510-1968
(1) Br	भ्रमसार श्रामसार	भारतीय मार	कि संस्था द्वार	त भ्रष्टिमूचित किया	वाता	3 2.	2997	80-04-01	81-03-31	TS: 2509-1973
.≛/ ' कि.जि	स 22	साइसेंसों	के स्पीरे, नीवे	। मनुसूर्वी में विए ग	ए है,	33.	3043	80-06-01	81-05-31	IS: 2567-1973
लका मर्ग	î. 198	0 में नवीकर	म किथा नया	₹ :		34.	3064	80-0 5 -16	81-05-15	IS 814 (भाग I मीर
	.,									II)-1974
			सनुसूच <u>ी</u>			3 5.	3085	80-04-01	81-03-31	TS: 2818-1971
कम द्वें सी व	० गम∘/		वैंच	भारतीय मानक	विषय	36.	3120	80-04-01	81403-31	IS: 6240-1976
शन्त्रक्षाः शंक्रमा एल				नीं पव सं ख्या		37.	3126	79-12- 01		IS: 2082-1965
		से	तक			38.	3233	80-05-16		IS: 6595-1972
(1)	(2)	(3)	$-\overline{}$	(5)		39.	3330	80-05-01		IB: 3035-1985
` - 			<i></i>			40.	3346	80-05-01	81-04-30	IS: 4964 (भाग II)-
ì.	9	79-06-16	80-00-19	1967	1)-					1975
				IS: 1660 (माग	11)-	41.	3380	80-04-16	81-04-15	IS: 2925-1975
				1972	~~,	42.	3388	80-05-01	81-04-30	IS: 4100-1967
				IS: 1660 (मॉग:	HT)-	43.	3389	80-05-01	81-04-30	ÏS: 4449-1976
				1972	,	44.	3390	80-05-01	81-04-30	TS: 4450-1967
				IS: 1660 (भाग	1V)−	45.	3391		81-04-30	IS: 3811-1976
				1972	,	46.	3398	80-05-01	81-04-30	IS: 1977–1975
2.	296	80-05-16	81-05-15	IS: 573-1972		47.	3399	80-05-01	81-04-30	IS: 226-1975
3.	300	80-05-16	81-05-15	IS: 916-1975		48.	3400	80-05-01	81-04-30	IS: 432 (भाग I)-
4.	371	80-01-01	80-12-31	IS: 916-1975		49.	3404	80-05-01	81-04-30	IS: 1660 (भाग T)-
5.	389	79-11-16	80-11-15	IS: 694-1977		10,	2101	00-00-01	01-04-30	1967
6,	391	80-04-01.	81-03-31	IS: 226-1975		50.	3411	80-05-01	81-04-30	IS: 561—1978
7.	452	80-05-01	81-04-30	IS: 561-1978		51.		80-05-01	81-04-30	IS: 562-1978
•	546	80-05-01	81-04-30	TS:10 (भीग)	(I)-	52.		80-05-01	81-04-30	15: 365-1975
				1976		53.		80-05-01	81-04-30	IS: 2567-1978
9.		79-12-16	80-12-15	IS: 226-1965		54.	3428		81-05-31	IS: 1601-1960
10.		79-12-16	80-12-15	IS: 1977-1975	ī	5 5.	3461	80-05-01	81-04-30	IS: 633-1975
11.		50-02-16	81-02-15	IS: 779-1968	4 77 \	56.	3612	80-02-01	81-01-31	IS: 5852-1977
12-	1261	870-06-01	81-05-31	IS: 814 (भाग I द	सर 11)	57.	3642	80-05-16	81-05-15	IS: 2148-1978
				-1974		58-	3649	80-03-16	81-03-15	IS: 2148-1968
13.		80-01-01		IS: 1341-1977	•	59.	3667		81-01-15	IS: 2148-1968
14.	1384	80-05-01		IS: 21-1975		6 0.		80-07-01	81-06-30	
15-		80 - 0 1- 16	81-04-15	IS: 814-1974	1	61.				IS: 2567-1973
16.	1459	80-07-01	81-06-30	IS: 398(माग I व	मीर 🚻)	62.				IS: 1694-1974
				-1976	- T \	63.				IS: 1695-1974
17.	1471	80-05-16	81-06-3 0	IS: 1239 (भार 1979	η 1 }—	64. 65.		' 80÷σ6÷01 ' 80÷σ6÷01		FS : 1697–1974 TS : 1698–1974
	1404	********	81-02-28	1979 15 : 2645-197:		66.				IS: 1698-1974 IS: 2558-1974
18.		80-03-01 80-04-16	81-04-15	IS: 325-1970	,	67.				IS: 2933-1974
19. 20-	-	80-04-16 80-04-16	81-04-15	IS: 996-1964		68.		80-06-01		IS: 2933-1974
21.	1791				6	69.		80-02-01		IS: 562-1972
22		80-05-01				70.		80-05-01		
23.		80-05-01								-1964
24.	_	80-06-01				71	. 382	3 8 0-05-01	81-04-30	
			-	1976	,	72		5 80-05-01		
25.	2289	80 03-16	61-03-15			73				
26.	2327	50-05-16				74	L 391	4 80-05-0		
				1976	•	75	i. 395	1 80-05-0	1 81-04-30	IS: 564-1975
27-	243	80 85 bi				76	402	0 79-12-1	80-12-1	3 IS: 694-1977
28.		80-04-01		18:3078-196		77				
39.		79-09-0				78				
30-	2872	79-12-16	80-12-10	IS: 1786-196	36	79	408	0 79-12-0	1 80-11-30	O IS: 335-1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
				IS: 1554 (भाग I)~	129.	·	80-02-16		IS: 7406-1974
80.	4099	05-12-10	σV-14-13	1964	1 2 9. 1 3 0.		80-02-16		IS: 10 (भाग IV)1974
Q 1	4250	80-05-01	81-04-30	IS: 5346-1975	130.		80-01-16		IS: 2148-1968
81. 82.	4287	80-05-01	'	IS: 6914–1978	131.	•	80-04-16		IS: 4654-1974
83.	4288			IS: 6915-1978	132.		80-03-16		IS: 8056-1976
84.	4309	80-04-16		IS: 916-1975	134		80-03-01		IS: 8057-1976
85.	4313	80-04-16		IS: 4497-1969	135.		80-03-01		IS: 6003-1970
86		80-04-16		IS: 398 (भाग 1 मीर	136				IS: 2834-1964
0.0	1011	00 01 10		II)-1976	137.		80-03-16		IS: 1786-1966
87.	4338	80-05-01	81-04-30	IS: 1601-1960	138.		80-04-16		IS: 4250-1967
88.	4343	80-05-01		IS: 398-1976	139.	6041			IS: 916-1975
89.	4347	80-05-01		IS: 325-1978	140.		80-05-01		IS : 1239-(भाग I)-
90.	4349	80-05-01		IS: 3195~1975			••		1979
91.	4354	80-05-01		IS: 561-1972	141	6075	80-05- 01	81-0 6- 30	
92.	4355	80-05-01	81-04-30	IS: 1239 (भाग I)-	112.	6082	80-05-16	81-05-15	
				1979	143.	6085	80-05-16		IS: 5281-1969
93.	436	0 80-05-16	81-05-15	IS : 325-1970	144.	6089	80-05-16		IS: 8144-1976
94.	436			_	145-	6091	80-05-10		IS: 5430-1969
95.	439	5 80-0 0- 01	81-05-31	IS: 564-1975	147.	6106	80-05-16	81-05-15	
96.	4397	80-05-01-	81~04-30	IS : 1422-1977	148.	6128	80-05-16	81-05-15	
97.	4404	80-04-0I	81-03-31	and the second of the second o	149.	6137	80-06-01	81-05-31	
				-1974	150	6148	80-06-16	81-06-15	
98.	440	7 80-0 6 -01	81-05-31	IS: 398(भाग र भीर	151.	6160	80-05-01	81-04-30	•
				II 976	152	6168	80-05-16	81-05-15	
99.	443	6 80-06-01	8 t- 0 5- 3 1	IS: 2397-1972	153.	6356	79-12-01	80-11-30	
100.	447	2 80-05-01	81-04-36	IS: 398-1976	154.	6414	80-02-01	81-01-31	
101.	465	2 80-05-01	81-04-30	IS: 7121-1973	155.	6508	79-12-01	80-11-30	
102.	491	2 80-05-16	81-05-1	5 IS : 7538-1975	156	6556	79-12-01	80-11-30	
103.	494	5 80-02-01	91-01-31	IS: 1239(भाग I)	157.	6591		80-12-31	
104.	499	9 80-02- 16	81-02-15	5 IS : 7231-1974	158.	6693	80-05-01	81-04-30	
105.	500	1 80-02-01	81-01-31	IS : 814(मींग I मीर I I)	159.	6814		81-03-15	
				-1974	160.	6820		8 I=0 3- 1 5	_
106.	506	0 80-03-16	81-03-1					0.00.00	IS: 325-1978
107.	509	1 80-06-0			161.	6864	80-04-01	81-03-31	
108-	509	5 80-05-01		18 :1311-1966	162.		80-04-01		IS: 208-1979
109.	509	6 80°0¥∓16		5 IS : 325-1978	162		80-04-01		IS: 308-1979
110.	510	9 80-04-10	81-04-1	5 İ S:1601–1960	163.	6880			IS: 780-1969
111.	512	1 80-05-0			164.		80-04-01		IS: 10 (भाग IV)-
112.	514	3 80-04-0		1 IS : 2906-1969		3000	00 04.01	01-03-31	1976
113.	515			0 IS : 2645-1975	165.	C00#	00.05.01		
114.	515	2 80-05-0	1 81-04-3		105.	6669	80-05-01	81-04-31	(
115									1976
116.					166		80-04-01		1 IS: 1739-1968
117		8 80-05-1			167	6898			IS: 7515-1974
118					168.		80-05-16		IS: 3537-1966
119		2 80-05-1			169.		86-04-01		IS: 1786-1966
120		3 80-05-1		5 I S: 1486–1969	170.		80-04-16		IS: 21711976
121		94 80-0 <i>5</i> -1			171.		90-04-16		5 IS : 3224-1971
122					1 7 2 .	6962	80-04-16	81-04-1:	5 IS:1660 (भाग I
123									1967
124					173.	6964	80-04-16	81-04-1	5 IS: 2834~1964
125					174.		80-05-01		IS: 3195-1975
126		42 80-06-0		• •	175.	6987			
	. 52	85 80-06-0	1 81-05-3		176.	6996	80-05-15		
127		17 80-03-1			-,			1-00-1	3 TO 0282-1817

					-							
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	New Delhl, the 1980-09-25							
178.	6992	80-05-16	81-05-15	IS: 398 (I भाग और II)	S.O. 2797.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks)							
				1976	8 of	the India	an Standard	s Institutio	on (Certification Marks)			
179.	6997	80-05-16	81-05-15	IS : 1601-1960	Regulations 1955, as amended from time to time, the Ind Standards Institution, hereby, notifies that 221 Licences, pa							
180.	6998	80-05-16	81-05-15	IS : 933-1976	culars of which are given in the following schedule, have renewed during the month of May, 1980.							
181.	6999	80-05-16	81-05-15	IS : 934-1972								
182.	7003	80-05-16	81-05-15	IS : 4323-1967	-							
183.	7005	80-05-16	81-05-15	IS: 3903-1975			SCHE	DULE				
184.	7011	80-06-01	81-05-31	IS: 5279-1969	SI	CM/L	Valid		Indian Standard Specifi-			
185.	7012	80-06-01	81-05-31	IS: 1601-1960	No.	No.	From	To	cation No.			
186.	7018	80-06-01	81-05-31	IS: 1601-1960	 :	(0)						
187.	7019	80-06-01	81-05-31	IS: 1011-1968	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)			
188.	7046	80-05-16	81-05-15	IS: 3589-1966	1.	9	79-06-16		IS: 1660 (Pt 1)–1967			
189.	7166	80-09-01	81-08-31	IS: 226-1975					IS: 1660 (Pt II)–1972 IS: 1660 (Pt III)–1972			
190.	7353	79-12-01	80-11-30	IS: 2266-1977					IS: 1660 (Pt IV)–1977			
191.	7359	79-12-01	80-11-30	IS : 6595–1972	2.	296	80-05-16		IS: 573–1972			
192.	7367	79-12-01	80-11-30	IS: 226-1975	3.	300	80-05-16	81-05-15	IS: 916-1975			
193.	7368	79-12-01	80-11-30	IS : 1977–1975	4.	371	81-01-01		IS: 916–1975			
194.	7370	79-12-01	80-11-30	IS: 1977-1975	5.	389	79-11-16		IS: 694–1977			
195.	7483	80-06-16	81-06-15	IS: 1601-1960	6. 7.	391 452	80-04-01 80-05-01	81-03-31 #81-04-30	IS: 226–1975 IS: 561–1978			
196.	7536	80-03-01	81-02-28	IS: 4359-1967	7. 8.	546	80-05-01		IS: 10 (Pt II)-1976			
197.	7548	80-03-01	81-02-28	IS: 6595-1972	9,	665	79-12-16	-	IS: 226-1975			
198.	7578	80-03-01	81-02-28	IS: 3976-1975	10.	666	79-12-16		IS: 1977–1975			
199	7603	80-03-16	81-03-15	IS: 614-1973	11.	747	80-02-16	81-02-15	IS: 779–1968			
200.	7637	80-04-01	81-03-31	IS: 6595-1972	12.	1261 1323	80-06-01 80-01-01	81-05-31 80-12-31	IS: 814 (Pt J & II)-1974 IS: 1341-1977			
201.				v 84	13. 14.	1323	80-01-01 80-05 - 01	81-04-30	IS: 21-1975			
201.	7638	80-04-01 80-04-16	81-03-31		15.	1424	80-04-16	81-04-15	IS: 814–1974			
202.	7673		81-04-15		16.	1459	80-07-01	81-06-30	IS: 398 (Pt I & II)-1976			
203.	7681	80-04-16	81-05-15	,	17.	1471	80-05-16	81-06-30	IS: 1239 (Pt I)–1979			
			_	1974	18.	1494	80-03-01	81-02-28	IS: 2645-1975			
204.	7688	80-04-16	81-04-15		19. 20.	1669 1780	80-04-16 80-04-16	81-04-15 81-04-15	IS: 325-1970 IS: 996-1964			
205.	7689	8 0 -0 4 -16	81-04-15		21.	1791	80-04-01	81-03-31	IS: 2635-1966			
206.	7705	80-04-16	81-04-15	IS: 458-1971	22.	1960	80-05-01	81-04-30	IS: 3390~1977			
207	7710	80-04-16	81-04-15	IS : 1601-1960	23.	1964	80-05-01	81-04-30				
208.	7718	80-05-01	81-04-30	\ /	24.	2096	80-06-01	81-05-31	IS: 10(Pt IV)-1976 IS: 779-1978			
				IS 1977 मौर	25. 26.	2289 2327	80-03-16 80-05-16	81-05-15	IS: 10 (Pt II)–1976			
				IS 7098 (भाग II) -	27.	2434	80-05-01		IS: 4985-1968			
				1973	28.	2598	80-04-01		IS: 3076-1968			
209.	7720	80-05-01	89-04-30	IS: 1222-1973	29.	2724	79-09-01		IS: 3076-1968			
210.		80-05-01	81-04-30		30.	2972	79-12-16		IS: 1786–1966			
				1979	31.	2967	80-03-16	81-03-13	IS: 3829-1966 & IS: 4510-1968			
211.	7722	80-05-01	81-04-30		32.	2997	80-04-01	81-03-31	IS: 2509-1973			
212.	7723				33.	3043	80-06-16	81-05-31	IS: 2567-1973			
213.	7724				34.	3064	80-05-16		IS: 814 (Pt [& II)-1974			
214.	7733				35.	3085	80-04-01		IS: 2818-1971 IS: 6240-1976			
215.	7737				36. 37.	3120 3126	80e04-01 79-12-01		IS: 0240-1976 IS: 2082-1965			
216.	7738				38.		80-05-16		IS: 6595–1972			
217.	7742				39.		80-05-01		IS: 3035-1965			
		. 00 00 10	01-03-15	•	40.		80-05-01		lS: 4964-(Pt II)-1975			
				1976	41.		80-04-16		IS: 2925–1975			
218.	7743				42. 43.		80-05-01 80-05-01		IS: 4100–1967			
219.	7748				43. 44.		80-05-01 80-05-01		IS: 4449–1976 IS: 4450–1967			
220.	7749			· -	45.		80-05-01		IS: 3811-1976			
221.	7770	80-06-0	1 81-05-3	1 IS: 1601-1960	46.		80-05-01		IS:1977-1975			
				÷. A - A / -	47,	3399	80-05-01		IS: 226-1975			
				io सीo एमo डीo/13: 12]	48		80-05-01		IS: 422 (Pt I)-1966			
			Q o	पी० बनर्जी, मपर महानिदेशकः	49.	3404	80-05-01		IS: 1660 (Pt I)-1967			
									(2. x / 170/			

(1)	(2)	(3-	(4)	· (5)	(1	(2)	(3)	(4)	(5)
50	3411	80-05-01	81-04-30	IS: 561-1978				1212	
51.	3412	80-05-01		IS: 562–1978	$\overline{116}$.	5176	80-05-16	81-05-15	JS : 7538–1975
52	3413	80-05-01	81-04-30	IS: 565-1975	117.	5178	80-05-16	81-05-15	1S: 325-1970
53.	3415	80-05-01		IS: 2567-1978	118.	5182	80-05-01	81-04-30	IS: 5346-1975
54.	3428	80-06 - 01	81-05-31	IS: 1601-1960	119.	5192	80-05-16	81-05-15	IS: 1507-1966
5 5.	3461	80-05-01	81-04-30	JS: 633-1975	120.	5193	80-05-16	81-05-15	IS: 1486-1969
56.	3612	80-02-01	81-01-31	IS: 5852-1977	121.	5194	80-05-16	81-05-15	IS: 780-1969
57.	3642	80-05-16		IS: 2148-1968	122.	5219	80-05-16	81-05-15	IS: 1392-1971
58.	3649	80-03-16		IS: 2148–1968	123.	5227	8 0-05- 16	81-05-15	
59.	3667	80-01-16		IS: 2148-1968	124.	5231	80-05-01		IS: 3074–1965
60.	3698	80-07-01		IS · 1601–1960	125.	5236	80-05-01		IS: 3601–1966
61.	3739	80-06-01	81-05-31	IS: 2567–1973	126.	5242	80-06-01		IS: 1601–1960
62. 63.	3754 3755	80-06-01 80-06-01	81-05-31 81-05-31	IS . 1694-1974 IS : 1695-1974	127.	5285	80-06-01	81-05-31	IS: 1601-1960
64.	3757	80-06-01	81-05-31	IS: 1697–1974	128. 129.	5517 5534	80-03-16 80-02-16		IS : 226–1975
65.	3758	80-06-01	81-05e31	SI: 1698–1974	130.	5543	80-02-16 80-01-16		IS: 7406-1974 IS: 10 (Pt IV)-1976
66	3759	80-06-01	81-05-31	IS: 2558–1974	130.	5795	80-01-16		IS: 2148–1968
67.	3760	80-06-01	81-05-31	IS: 2933 1974	132.	5898	80-05-16		IS: 4654–1974
68.	3761	80-06-01	81-05-31	IS: 2924–1974	133.	5904	80-03-16		IS: 8056-1976
69.	3791	80-06-01	81-05-31	IS: 562–1972	134.	5909	80-03-01		IS: 8057-1976
70.	3822	80-05-01	81-04-30	IS: 694 (Pt I & II)-1964	135.	5912	80-03-01		IS: 6003-1970
71.	3823	80-05-01		IS: 2465-1969	136.	5957	79-10-16		IS: 2834–1964
72.	3825	80-05-01		IS: 5423-1978	137.	6013	80-03-16		IS: 1786–1966
73.	3828	80-01-16	81-01-15	IS: 325-1978	138.	6027	80-04-16		IS: 4250-1967
74.	3914	80-05-01	81-04-30	IS: 2568-1973	139.	6041	80-04-16		IS: 916-1975
75.	3951	80-05-01	81-04-30	IS: 564-1975	140.	6045	80-05-01		IS: 1239 (Pt I)-1977
76.	4020	79-12-16		IS: 694-1977	141.	6075	80-05-01		IS: 562-1972
77.	4048	80-05-16		IS: 694–1977	142.	6082	8 05-16	81-05-15	IS: 3903-1975
78.	4063	80-05-01		IS: 4322-1967	143.	6085	8 -05-16		IS: 5281-1969
79.	4080	79-12-01		IS: 335–1972	144.	6089	ბ. 05-16		IS: 8144-1976
80.	4089	79-12-16	80-12-15	IS : 1554 (Pt I)-1964	145.	6091	80-05-01		IS: 5430-1969
81.	4250	80-05-01		IS: 5346–1975	146.	6093	80-05-01	81-04-30	IS: 2347-1974
82.	4287	80-05-01		IS: 6914-1978	147.	6160	80-05-16	81-05-15	IS: 3652-1974
83. 84.	4288 4309	80-05-01 80-04-16		IS: 6915-1978 IS: 916-1975	148.	6128	80-05-16	81-05-15	IS: 1011-1968
85.	4313	80-04-16		IS: 4497-1968	149.	6137	80-06-01	81-05-31	IS: 1601-1960
86.	4314	80-04-16		IS: 398 (Pt I & II)-1976	150.	6148	80-06-16	81-06-15	IS: 5430-1969
87.	4338	80-05-01	81-04-30	IS: 1601–1960	151.	6160	80-05-01	81-04-30	IS: 4151-1976
88.	4343	80-05-01	81-04-30	IS: 398-1976	152,	6168	80-05-16		IS: 226–1975
89.	4 347	80-05-01		IS: 325-1978	153.	6356	79-12-01		IS: 226-1975
90.	4349	80-05-01		IS: 3195-1975	154.	6414	80-02-01		IS · 226-1975
91.	4354	80-05-01		IS: 561-1972	155.	6508	79-12-01		IS: 1977–1975
92.	4355	80-05-01		IS : 1239 (Pt I)-1979	156. 157.	6556 6591	79-12-01 80-01-01		IS: 1786–1966 IS: 1161–1968
93.	4360	80-05-16		IS: 325-1970	157.	6693	80-05-01		IS: 4322-1967
94.	4364	80-05-16		IS: 2865–1964	159.	6814	80-03-01		1S: 7370–1974
95,	4395	80-06-01 80-05-01		IS: 564-1975	160.	6820	80-03-16		IS: 1520-1972 and
96, 07	4397 4404	80-03-01 80-04-01		IS: 1422–1977 IS: 814 (Pt I & II)–1974	100.	0000	***		IS: 325-1978
97. 98.	4407	80-04-01		IS: 398 (Pt J & II)-1976	161,	6864	80-04-01	81-03-31	IS: 5225-1969
99.	4436	80-06-01		1S: 2397-1972	162.	6868	80-04-01		IS: 208-1979
100.	4472	80-05-02		IS: 398-1976	163.	6880	80-04-01	81-03-31	IS: 780-1969
101.	4652	80-05-01		IS: 7121-1973	164.	6893	80-04-01	81-03-31	IS: 10 (Pt IV)-1976
102.	4912	80-05-16	81-05-15	IS: 7538-1975	165.	6895	80-05-01	81-04-30	IS: 1554 (Pt I)-1976
103.	4945	80-02-01	81-01-31	IS ; 1239 (Pt I)-	166.	6896	80-04-01	81-03-31	IS: 1739-1968
104.	4990	80-0216		IS: 7231–1974	167.	6898	80-05-01		IS: 7515-1974
105.	5001	80-02-01	81-01-31	IS: 814 (Pt I & II)–1974	168.	6902	80-05-16		IS: 3537-1966
1 0 6.	5060	80-03-16	81-03-15	IS: 7407-1974	169.	6915	80-04-01		JS: 1786-1966
107.	5091	80-06-01	81-05-31	IS: 897-1966	170.	6949	80-04-16		IS: 2117-1976
108.	5095	80-05-01		IS: 1311-1966	171.	6957	80-04-16		IS: 3224-1971
109.	5096	80-04-16	81-04-15	IS: 325-1978	172.	6962	80-04-16		IS: 1660 (Pt I)-1967
110.	5109	80-04-16		IS: 1601-1960	173.	6964	80-04-16		IS: 2834–1964
111.	5121	80-05-01		IS: 7652–1975	174,	6982	80-05-01		IS: 3195-1975
112.	5143	80-04-01			175.	6987	80-05-01		IS: 2148–1968
113.	5151	80-05-01 80-05-01	81-04-30 81-04-30	IS: 2645-1975 IS: 1476-1971	176. 177.	6990 6991	80-05-16 80-05-16		IS: 6595-1972 IS: 1161-1979
114. 115.	51 52 5159	80-05-01		IS: 3903-1975	177. 178.	6992	80-05-16 80-05-16		IS: 398 (Pt I & II)-1976
113.	2133	00-05-10	01-09-19		-, 8.	0334	00-00-10	01-03-13	10 . 550 (111 00 11)-19/0

		The manifester of Parties and		A PETERSON WAS TO THE TOTAL TOTAL
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
179.	6997	80-05-16	81-05-15	IS: 1601-1960
180.	6998	80-05-16	81-05-15	IS: 933-1976
181.	6999	80-05-16	81-05-15	IS: 934-1972
182.	7003	80-05-1 6	81-05-15	IS: 4323-1967
183.	7005	80-05-16	81-05-15	IS: 3903-1975
184.	7011	80-06-01	81-05-31	IS: 5279-1969
185.	7012	80-06-01	81-05-31	IS: 6101-1960
186.	70 18	80-06-01	81-05-31	1S:1601-1960
187.	7019	80-06-01	81-05-31	IS: 1011-1968
188.	7046	80-05-16	81-05-15	IS: 3589-1966
189.	7166	80 -09- 01	81-ó8- 31	IS: 226-1975
190.	7353	79-12-01	81-11 - 30	IS: 2266-1977
191.	7359	79-12-0 1	80-11-3 0	IS: 65951975
192.	7367	79-12-01	80-11-30	IS :226-1975
193.	7368	79-12-01	80-11-30	IS: 1977-1975
19 4 .	7370	79-12-01	8 0- 11-30	IS: 1977–1975
195.	748 3	80-06-16	81-06-15	IS: 1601-1960
196.	7536	80-03-01	81-02-28	IS: 4359-1967
197.	7548	80-03-01	81-02-28	IS: 6595-1972
198.	7578	80-03-01	81-02-28	IS::3976–1975
199.	7603	80-03-1 6	81-03-15	IS: 6914–1973
200.	7637	80-04-01	81 -0 3-31	IS: 6595-1972
201.	7638	80-04-01	81-03-31	IS: 261-1966
202.	7673	80 -04 -16	81-04-15	IS: 2834–1964
203.	7681	80-04-16	81-04-15	IS: 10 (Pt III)-1974
204.	7688	80-04-16	81-04-15	IS: 226–1975
205.	7689	80-04-16	81-04-15	IS: 1977–1975
206.	7705	80-04-16	81-04-15	IS: 458–1971
207.	7710	80-04-16	81-04-15	IS: 1601-1960
208.	7 718	80-05-01	81-04-30	IS: 7098 (Pt I)-1977 &
				IS: 7098 (Pt II)-1973
209.	772 0	80 -0 5-01	81-04-30	IS: 1222–1973
210.	7 721	80-05- 01	81-04-30	IS: 1239 (Pt 1)–1979
211.	7 722	80-05-01	81-04-30	IS: 4139-1979
212.	7723	80-05-01	81-04-30	IS: 368–1977
213.	7724	80-05-01	81-04-30	IS: 226–1975
214.	773 3	80-05-01	81-04-30	IS: 3793+1966
215.	773 7	80-05-01	81-04-30	IS: 694–1977
216.	7738	80-05-16	81-05-15	IS: 226-1975
217.	7742	80-05-16	81-05-15	IS: 1554 (Pt I)-1976
218.	7743	80-05-16	81-05-15	IS: 226–1975
219.	7748	80-05-16	81-05-15	IS: 2645-1975
220.	<i>7</i> 749	80-05-16	81-05-1 <i>5</i>	IS: 778-1971
221.	7770	80-06-01	81-05-31	IS: 1601-1960
				Di CD (12 . 10)

[No. CMD/13:12]

A.P. BANERJI,

Additional Director General

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय ऋत्येत

मद्रास, 30 लिशम्बर, 1989

का० का० 2798.—सर्वंशी किंग प्रतावर यूनिट आइबेट लिमिटेड, मातूर विलेश, कुलत्तूर तालूक, पूतुक्कोट्टै जिला की, क्पये 8,90,000 तक, (1) रोलर मिल 6 नम्बर्स, (2) ट्राइबर 1 नम्बर, (3) प्लानसिफटर 2 नम्बर्स, (4) प्योरिकायर 2 नम्बर्स (5) पुकुमाटिक ट्राट्सपोर्ट सिस्टम, (6) बालग्रर एवं हिकज्ञमर 1 बम्बर (7) श्राइ स्टोनर-जी०डी०ज्ञार० 1 नम्बर, (8) बल मशीम 1 नम्बर तथा (9) श्रास्पिरेटर सेपेटेटर 1 बम्बर का श्रायात करने के लिए लाइसेंस संख्या पी०-सी०जी०-2034899-मी०-एक्सएक्स-1,5-एम०-79 विकास 7-4-1980 ज्ञारी किया गया वा । लाइ-सेंस्थारी ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा सूरक प्रबंधितायों प्रति की स्कृतिप प्रति वारी करने के लिए इसक्तिए प्रार्थेना की है कि उक्त नगइसेंस किसी

भी सीमाशुरू प्राधिकारी से पंजीकृष्ठ करवायें विमा भीर विसकुल उपयोग में साथे विना को दी नयी है।

मानेदक ने इसने तर्क के समर्थन मे एक क्षप्रब-पत्न दाखिल किया है। प्रधोहन्तकारी इस बात से सतुष्ट है कि लाइसेंस संद्र्य पी-सीजी-2034899 सी-एक्सएक्स-75-एस-79 दिलांक 7-4-1980 की सीमासूनक प्रयोजनार्थ प्रति को मूल प्रति को दी गयी है धौर घाषेक देता है कि धावेदक को उपर्युक्त शाहरोंन की सीमासुल्क प्रयोजनार्थ प्रति की घनुलिप प्रति जारी की जाय। नाइसेंस की सूल प्रति एतद्द्रारा रह किया जाता है।

भनुलिपि प्रति लाइसेंस संख्या (सीमाशुरूक प्रयोजनार्थ प्रति माञ्च) डी-2464683 दिनांक 9-4-1980 धलग जारी किया गया है।

[फा॰सं॰ एटीसी-सी और-सी जो टी सी-48-ए एस 80-ए यू 2]

के॰ रामन.

उप मुक्त नियंशक, बायात नवा निर्मात क्रुते संबुक्त मुक्य निर्मातक, भागात नवा निर्मान

Office of the Jt. Chief Controller Imports & Exports ORDER

Madras, the 30th September, 1980

S.O. 2798..—M/s. King flour Unit (P) Ltd., Mathur village, Kulathur Taluk Pudukottai Distt. were granted licence No. P/CG/2034899/C/XX/15/M/79 dated 7-4-1980 for import of I. Roiler Mill 6:Nos. 2. Trieur 1 No. 3. Plansifter 2 Nos. 4. Purifier 2 Nos. 5. Pnuematic Transport system 6. Washer & Whizzer 1 No. 7. Dry stoner/G.D.R. 1 No. 8. Brush Machine I No. 9. Aspirator separator 1 No. for Rs. 8,90,000/-. They have requested for the issue of a duplicase copy of the above licence (Cussoms Purpose Copy) which has been lost by them. Further it has been stated by them shat the above licence has been lost by them without having been registered with any Customs authorities and utilised at all.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original copy of the licence No. P/CG/2034899/C/XX/75/M/79 dt. 7-4-1980 (Customs Purpose copy of licence) has been lost and directs that a duplicate copy of the said licence (Customs purpose copy) should be issued to them. The original copy of the licence is hereby cancelled.

A duplicate licence (Customs purpose copy only) No. D/246483—dated 9-8-1980 has been issued separately.

[F. No. ITC/CG/DGTD/48/A,M.80/AU.II] K. RAMAN,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports, for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

स्वास्थ्य और परिवार कहनाम संवालक (स्वास्थ्य विशाग)

गई विल्ली, 1 प्रमनुबर, 1989

कारुआ। 27.99. — यतः वन्तः विकित्सक स्विधितियम, 1945 (1,948 का 16) की धारा-3 के खण्ड (ड) का अनुसरण करते हुए मैसूर विश्व-विद्यालय द्वारा इक (श्रीमधी) एसर कात्वा, भोफेसर झाफ अनुसदामी मेडिकल कालेज, जैसूर को 24 सिवान्दर, 1979 से भारतीय दश्त विकित्सा परिवद् का सदस्य निकांचित किया गया है।

भतः भव उन्त प्रधिनियम की धारा 3 का प्रमुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव् द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य धौर परिवार कत्वाण मंत्रालय की प्रक्षित्सूचना सक्या बी० 120,13/1/77-एम० पी० टी.० (पी० एम० एस०) में दिवांक 9 फरवरी, 1978 में निम्कृतिश्चित भौर संबोधन ,करबी है, प्रवात :—

उन्ता ,प्रसिद्धना में "क्षारा 3 के व्यक्त (क) के बुद्धेल निर्माणिक" सीर्च के प्रस्तानंत कम संस्था 8 स्त्रीर उससे त्यक्षकृतित प्रक्रियों के स्थान पर निरमकिरीका को जितस्थापिक किया आहा, कर्यात :— "8. डा० (श्रीमती) एस० कान्ता मैसूर विश्वविद्यालय 24.9.79" प्रोफेसर झाफ झनाटामी मेडिकल कालेज, मैसूर।

[संख्या वी॰ 12013/1/78-पी॰एम॰एस]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 1st October, 1980

S.O. 2799. - Whereas in pursuance of clause (d) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) Dr. (Mrs.) S. Kantha, Professor of Anatomy, Medical College, Mysore has been elected by the Mysore University to be a member of the Dentral Council of India with effect from the 24th September, 1979;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare No. V. 12013/1/77-MPT (PMS), dated the 9th February, 1978, namely:—

In the said notification under the heading "Elected under clause (d) of section 3" for serial number 8 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely:

"8. Dr. (Mrs.) S. Kantha, Professor of Anatomy, Medical College,

24-9-1979"

Mysore University

Mysore,

[No. V. 12013/1/78-PMS]

कां भां 2800.—यतः वन्त चिकित्सा भिधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के उपबन्ध (क) का अनुसरण करने हुए राज्य सरकारों ने निम्नलिखिन व्यक्तियों को उनके नाम के सामने वी गई तारीख से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद का पुनः सदस्य नामित किया है :—

नाम भीर पता	 किसने नामिस किया	— नामांकन की तारीख
डा० पी० कोरा, स्वास्थ्य सेवा भपर निदेशक, भसम, गोहाटी।	ज्ञमम सरकार प्रमम सरकार	4-12-79
डा० एन० राजीव शट्टी, प्रिंसिपल, सरकारी दन्त कालेज, बंगलीर ।	कर्नाटक सरकार	24-1-80

श्रतः प्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 3 का श्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार, स्वास्थ्य श्रीर परिवार किन्याण मंत्रालय की 9 फरवरी, 1978 की श्रिधसूचना सं० पी० 12013/1/77-एम०पी० टी० (पी० एम० एम०) में श्रागे निम्नलिखिन श्रीर संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम में "धारा 3 के उपबन्ध (रू) के अन्तर्गत नामित" शीर्षक में कम सं० 2 और 12 उनमें वी गई तारीखों के स्थान पर निम्नलिखित तारीखें रखी जांग :---

"4.12.1979"

"24.1.1980"

[सं वी 12013/1/78-पीएमएस]

S.O. 2800.—Whereas in pursuance of clause (e) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the following persons have been re-nominated by the State Government indicated 787 GI/80

against their names to be members of the Dental Council of India from the dates mentioned against each:—

~	=	
Name and Address	Nominated by	Date of Nomination
Dr. P. Bora, Additional Director of Health Services, Assam, Gauhati.	Government of Assam	4-12-1979
Dr. N. Rajeeva Shetty, Principal, Government Dental College, Bangalore.	Government of Karnataka	24-1-1980

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare No. V. 12013/1/77-MPT (PMS), dated the 9th February, 1978, namely:—

In the said notification under the heading "Nominated under clause (e) of section 3" against serial numbers 2 and 12, for the dates under column 4, the following dates shall be substituted, namely:—

"4-12-1979"

"24-1-1980"

[No. V. 12013/1/78-PMS]

कां ग्रा० 2801.---यतः दन्त चिकित्सक ग्रिधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के उपबन्ध (इ) का श्रनुसरण करते हुए नागालैंड सरकार ने वीमापुर सिविल श्रम्पताल के दन्त सर्जम डा० टी० मरी को 7 मार्च, 1980 से दन्त चिकित्सा परिषद का सबस्य नामित किया है;

मतः भव उमत अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एक्ट्वारा भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की 9 फरवरी, 1978 की अधिसूचना सं० वी० 12013/1/77-एम० पी० टी० (पी० एम० एस०) में आगे निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात:—

उक्त प्रश्निसूचना में "धारा 3 के उपबन्ध (ङ) के प्रन्तर्गत नामित" शीर्षक में कम संख्या 15 श्रीर उसमें की गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टिया रखी जाए:—

"15 डा० टी० मरी, नागालैंड दन्त सर्जन, सरकार वीमापुर सिविल अस्पताल, नागालैंड।

[सं० वी० 12013/1/78-पीएमएस]

7.3.80"

S.O. 2801.—Whereas in pursuance of clause (e) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), Dr. T. Murry, Dental Surgeon, Dimapur Civil Hospital, Nagaland has been nomniated by the Government of Nagaland to be a member of the Dental Council of India with effect from 7th March, 1980;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare No. V.12013/1/77-MPT (PMS) dated the 9th February, 1980 namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (e) of section 3" for serial number 15 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"15. Dr. T. Murry,
Dental Surgeon,
Dimapur Civil Hospital,
Nagaland.

Government 7-3-1980" of Nagaland

of Nagaland

[No. V. 12013/1/78-PMS]

का० ग्रा० 2802.—यतः वन्त चिकित्सा ग्रिधिनयम, 1948 (1948 का 16) की धारा 6 के उपखण्ड (4) के साथ पठिन खण्ड-3 की धारा (क) का ग्रानुसरण करने हुए विश्वविद्यालयों द्वारा निम्मलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दी गई नारीख से भारतीय दन्त चिकित्मा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है:—

नाम भीर पता	विष्वविद्यालय	निर्वाचन की तारीख
 डा० एस० नानजप्पा, फार्माकालाजी विभाग के प्रोफसर ग्रीर ग्रध्यक्ष, बगलीर मेडिकल कालेज, बंगलीर। 	बंगलौर विण्वविद्या लय	15-3-80
 डा० एस० की० जोणी, दन्त सर्जन, मालूराम भवन, मेनरोड सीताबुल्यी, कानपुर। 	नागपुर विश्वविद्यालय	16-4-80

भतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 3 का भ्रनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण महालय की तारीख 9 फरवरी, 1978 की प्रधिसूचना संख्या वी० 12013/1/77-एम० पी० टी० (पी० एम० एस०) में और संशोधन करती है, प्रधांत :—

उन्तर श्रिधिसूचना में "धारा 3 के खण्ड (क) के प्रधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत कम सख्या 10 और 15 और उनसे सम्बधिन प्रविष्टियो के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थान् :---

10. डा० एस० नानजप्पा, बंगलीर विश्वविद्यालय 18-3-80 फार्माकालोजी विभाग के प्रोफसर ग्रीर अध्यक्ष, बंगलीर मेडिकल कालेज, बंगलीर ।

15. डा॰ एस॰ बी॰ जोशी, नामपुर विश्वविद्यालय 16-4-80" वस्त सर्जन, मालूराम भवन, मेमरोड, सीनावुल्दी, नागपुर।

[सं० बी०-12013/1/78-पीएमएस] एन० ए० सुन्नामणि, अवर सम्बद

S.O. 2802.—Whereas in pursuance of clause (d) of section 3 read with sub-section (4) of section 6 of the Dentists Act, 1948

(16 of 1948) the following persons have been elected to be members of the Dental Council of India by the Universities and from the dates mentioned against each:—

Name and Address	University	Date of Election
1. Dr. S. Nanj vpa, Professor and Head of the Department of Pharmacology, Bangalore Medical College, Bangalore.	Bangalore University	15-3-1980.
2. Dr. S.B. Joshi, Dental Surgeon, Malluram Building, Main Road, Sitabuldi, Nagpur.	Nagpur University	16-4-1980.

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare No. V. 12013/1/77-MPT (PMS), dated the 9th February, 1978. namely:—

In the said notification under the heading "Elected under clause (d) of section 3" for serial numbers 10 and 15 and the entries relating thereto the following shall respectively be substituted, namely:—

"10. Dr. S. Nanjappa, Bagalore 15-3-1980
Professor and Head of University
the Department of
Pharmacology, Bangalore
Medical College,
Bangalore.

15. Dr. S.B. Joshi, Nagpur 16-4-1980."

Dr. S.B. Joshi,
 Dental Surgeon,
 Malluram Building,
 Main Road, Sitabuldi,
 Nagpur.

[No. V,12013/1/78-PMS]

N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

University

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

मावेश

नई दिल्ली, 25 मितम्बर, 1980

कां आं 2803.—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण भीर भ्रपील) नियम, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2) भीर नियम 12 के उप-नियम (2) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त सिविल सेवा करते हुए भीर भारत सरकार के कृषि मंत्रालय की भ्रविसूचना मंख्या का ज्ञा 1952 तारीख 18 जुलाई 1974 का भाशिक संगोधन करते हुए, इसके द्वारा निदेश करते हैं कि भ्रनुसूची के स्नम्भ 1 में साधारण केन्द्रीय सेवा समूह ख के पदो के संबन्ध में स्तम्भ 2 में विनिविष्ट प्राधिकारी और स्तम्भ 2 में विनिविष्ट प्राधिकारी उसके भ्रपील प्राधिकारी होंगे ।

ग्रनसचि

पद का विवरण	नियुषित के लिए	केन्द्रीय सिविल सेया (वर्गीकरण, नियंत्रण भीर भ्रपील) नियम, 1985 के नियम 11 के संबर्भ में गास्ति भ्रीध- रोपित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी		मपील प्रक्षिकारी	
		प्राधिकारी	मास्ति		
1	2	3	4	5	
कृषि मंत्रालय 1 (कृषि न <mark>या</mark> सहकारिका विभ.ग) त्रक्तियेक-कर्गीय कार्यालयों में साक्षारण केन्द्रीय सेवा समृह खपय					
 काजू विकास निवेशालय एम०जी० रोड, कोचीन-11 	निदेशक	निदेशक	सभी	कृषि श्रायुक्त	
2. कपास विकास निर्देशालय 14 निकल रोड, बेलाई एस्टेंट, बन्बई	निदेशक	निदेणक	समी	कृषि स्नायुक्त	
3. पटसन विकास निवेशासय 234/4 जगवीग बोस रोड, कलकत्ता-20	निवेशक	निवेशक	सभी	कृषि भागुक्त	
4 तिलहुन विकास निदेशालय तिलहुन भवन, हिमायन नगर हैदराबाद-29	निदेशक	निवेशक	सभी	कृषि भायुक्त	
5. गन्ना त्रिकाम निदेणालय ण्याम एनक नेत्र ज्ञानी वार्डर साहित्रावाद (जिला गाणियादाद)	निदेशक	निदेशक	सभी	कृषि द्यायुक्त	
6. नमाकू विकास निवेशालय, 27, इनडेमज रोड, तत्मरट, मद्राम⊸18	निदेशक	निदेश क	सभी	क्षचिद्रायुक्त	
7 कदम्र विकास निरेशालय, 19, क्रुडणमाचारी रोड, मद्राय-31	निदेशक	निदेशक	सभो∤	कृषि भायुक्त	
 ढ.ल विकास निदेशालय, बी-2, सेक्टर मी, भ्रलोग म स्कीम, लाखनऊ-6 	निदेश क	निदेशक	समों	कृषि मायुक्त	
9 - चावल विकास निदेशालय, 241, पाटती पुत्र कालोगी, पटना-13	निवेश ह	निदेशफ	म मो	कृषि मायुक्त	
10 को प्रा, मुगरो भौर मनाला विकास निवेशालय, 1/50) करनातोर रोड, पोस्ट बानस - 14 कालोकट- 5	क्र षि विभा ग के उनस ्वि त	क्कवि विभाग के उपस्थिक	सभी	कृषि मायुक्त	
 नारियल विकास निवेगापय पोस्ट वास्प-1027 एर्नाकुलन, कोचीन-11 	क्रुविजिनाा के उपसचिव	कुषि विशोगके उपसम्बद	सभी	कृषि भायुक्त	

[सं० 36-3/80-फ०प्र०-4]

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture & Cooperation) **ORDERS**

New Delhi, the 25th September, 1980

S. O. 2803:—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9 and clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 of the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, and in partial modifications of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture No. S. O. 1952 dated the 18th July, 1974 the President hereby directs that in respect of the posts in General Central Service Group B specified in column 1 of the Schedule to this order the authority specified in column 2 shall be the Appointing Authority and the Authority specified in Column 3 shall be the Disciplinary Authority in regard to penalties specified in column 4 and the authority specified in column 5 shall be the Appeallate Authority thereof.

SCHEDULE

	Central Civil Services	Group 'B'			
Description of the post	Appointing Authority		ompetent to impose nich it may impose ice to rule 11 of the Service Classification Appeal) Rules, 1965	Appellate	Authority
		Authority	Ponalties		
		3	4	5	
Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) General Central Service Group 'B' posts in posts in Non-Secreteriate Officers: 1. Directorate of Cashewnut Development, M. G. Road, Cochin-11.	Director	Director	All	Agricultural	
 Directorate of Cotton Development, 14 Nicol Road, Ballard Estates, Bombay. 	Director	Director	All	Agricultural	Commissioner
 Directorate of Jute Development, 234/4, Jagadish Bose Road, Calcutta-20. 	Director	Director	All	Agricultural	Commissioner
4. Directorate of Oilseeds Development, Telhan Bhavan, Himayatnagar, Hyderabad-29.		Director	All	Agricultural	Commissioner

1	2	3	4	5	
 Directorate of Sugarcane Development, Shyam Enclave, Glani Bordar, Sahi- babad (District Ghaziabad). 	Director	Director	All	Agricultural	Commissioner
6. Directorate of Tobacco Development, 27, Eldams Road, Teynampet, Madras-18	Director	Director	All	Agricultural	Commissioner
7. Directorate of Millets Development, 19, Krishnamachari Road, Madras-31.	Director	Director	All	Agricultural	Commissioner
8. Directorate of Pulses Development B-20, Sector 'C', Aliganj Scheme, Lucknow-6.		Director	All	Agricultural	Commissioner
9. Directorate of Rice Development, 241, Patliputra Colony, Patna-13.	Director	Director	All	Agricultural	Commissioner
 Directorate of Cocoa, Arecanut and Spices Development, 1/500, Cannanore Road, Post Box No. 14, Calicut-5. 	Deputy Secretary (in the Department of Agriculture)	Deputy Sccretary ary (in the De- partment of Agriculture)	All	Agricultural	Commissioner
 Directorate of Coconut Development, Post Box, No. 1027, Ernakulam, Cochin- 11. 	Deputy Secretary (in the Department of Agriculture)	Deputy Secretar- tary (in the De- partment of Agriculture).	All		

[No. 36-3/80-CA-IV]

कालमां 2804.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और म्रपील) नियम, 1965 के नियम 24 द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के कृषि और सिवाई मंत्रालय की प्रश्चिस्त्वना संक्लाव्या 1967 तारीख 26 मप्रैल, 1976 का माणिक उपान्तरण करते हुए इसके द्वारा निवेण देते हैं कि कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के वाणिज्य विकास निवेणालयों में साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" भौर "घ" पदों के संबन्ध में कृषि विभाग में प्रणासन के भार साधक संयुक्त सचिव द्वारा इन नियमों की भ्रमुसूची के भाग 3 की मव संख्या 4(ii) और भाग 4 की मव संख्या 1(ii) के स्तक्ष्म 6 के उपबन्धों के आधार पर मणील प्राधिकारी होने के कारण प्रयोग की जा रही शक्तियों का प्रयोग इस प्रशिस्त्वना के प्रकाशन की तारीख से कृषि विभाग के कृषि सायुक्त द्वारा किया जाएगा।

मनुसूची केन्द्रीय सिविल सेवा समूह "ग"

पद का वर्णन	नियुक्ति प्राधिकारी	केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियं- ज्ञण भौर भ्रपील) नियम, 1965 के नियम 11 के प्राधार पर लासित प्रधि- रोपित करने के लिए प्राधिकारी		मपील प्राधिकारी
		प्राधिकारी गास्ति		
1	2	3	4	
—————————————————————————————————————				_
 कार्ज विकास निवेशालय एम०जी० रोड, कोचीन 	निदेशक	निदेशक	सभी	कृषि मायुक्त
2. कपास विकास निदेशालय 19, निकत रोड, बेलार्ड एस्टेट	निदेशक	निवेशक	सभी	कृषि भायु ष त
3. पटसन विकास निदेशालय 234/4, जगदीस बोस रोड, कलकत्ता-20	निदेशक	निदेशक	सभी 🕴	क्रिषि भ्रायुक्त
 तिलहन विकास निदेशालय, तिलहन भवन, हिमायत नगर, हैदराबाद-29 	निदेशक	निदेशक	मभी ं	कृ षि म्रायुक्त
 गन्ना विकास निदेशालय, 1 श्याम एनक्लेब, ज्ञानी बार्डर, साहिबाबाद (जिला गाजियाबाद) 	निदेशक	निदेशक	सभी	कृषि भायुक्त
6. तम्बाक् विकास निदेशालय, 27 इलाड मस रोड, तेनमपेट मद्रास-18	निदेशक	निवेशक	सभी	कृषि भायुक्त
7. ज्यार विकास निदेशालय, 19 कृष्णा संचारी रोड, मद्रास-30	निवेशक	निदेशक	सभी	कृषि ग्रायु क्त
 वाल विकास निदेशालय बी-2, सैक्टर "सी" अलीगंज स्कीम लखनऊ-6 	निदेशक	निदेशक	सभी	कृषि ग्रायुक्त
9. चावल विकास निदेशालय 241, पाटलीपुत कालोनी, पटना-13	निवेशक	निदेशक	सभी	क्रपि भागुक्त
0. कोको, सुपारी भौर मसाला विकास निवेशालय, 1/500, कन्नोर रोड, पोस्ट बाग्स स॰ 14 कालीकट-5	निदेशक	निदेशक	, सभी	कृषि मायुक्त
 मारियल विकास निर्देशालय पोस्ट बाक्स सं० 11027 एरनाकुलम, कोजीन 	. निवेशक	निदेशक	सभी	कृषि श्रायुक्त

10. कोका, सुपारी भीर मसाला विकास निदेणालय, 1/500 करनोर रोड,

11. नारियल विकास निवेशालय, पोस्ट बाक्स सं० 27, एरनाकुलम, कोचीन

पोस्ट बाक्स सं० 14, कालीकट-5

केन्द्रीय सिविल सेवा समृह "घ" नियुक्ति प्राधिकारी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, निय-े अपील प्राधिकारी पद का वर्णन भण भौर भ्रपील) नियम, 1965 के नियम 11 के श्राधार पर शास्ति श्रधि-रोपित करने के लिए प्राधिकारी शास्ति प्राधिकारी 3 4 5 कृषि मतालय (कृषि गौर महकारिता विभाग) म्निलिकवर्गीय कार्यालयों में साधारण केन्द्रीय सेवा समृह "घ" पद : काजू विकास निदेशालय एम० जी० रोड, कोचीन निदेशक निदेशक सभी रे कृषि भायुक्त 2. कपास विकास निदेशालय 14, निकल रोड, बेलाई एस्टेट निदेशक निवेशक सभी. कृषि ग्रायक्त पटसन विकास निदेशालय, 234/9, जगदीश बोम रो६, अलकत्ता-20 कृषि प्रायुक्त निदेशक निवेशक सभी तिलहन विकास निदेशालय तिलहन भवन, हिमायत नगर, हैदराबाद-79 निदेशक निवेशक सभी कृषि भ्रायुक्त 5. गन्ना विकास निदेशालय, 1 भ्याम एलक्लेव, अानी बाईन, साहिबाबाद निदेशक निदेशक सभी कुषि आयुक्त (जिला गाजियावाद) 6. तम्बाक् विकास निवेशालय, 27 इलाडेमस रोड, नेनमपेट महास-18 निदेशक निदेशक सभी कुषि प्राय्यस 7. कलना विकास निदेशालय, बी-2 19 कृष्णा पंचारी रोड, मद्रोस-32 निदेणभ निदेशक कृषि प्रायुक्त सभी 8. दाल विकास निदेश।लय, बी-2 सैक्टर "सी" अलीगज स्कीम लखनऊ-6 9. चावल विकास निदेशालय, 24. पाटलीपूत्र कालोनी, पटना-13 निदेशक निदेशक मभी कृषि ग्रायक्त

[सं० 36/3/80—फ०प्र०-4] डी० पी० शर्मा, भवर सचिव

कृषि मायुक्त

कृषि ग्रायक्त

सभी

सभी

S.O. 2804.—In exercise of powers conferred by sub-rule (i) of rule 24 of the Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rule, 1965, and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation No. S.O. 1697 dated the 26th April, 1976, the President hereby directs that in respect of General Central Service Group 'C' and 'D' posts in the Directorates of Commodity Development, under the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) the powers exercised by Joint Secretary Incharge Administration in the Department of Agriculture, as the Appellete Authority by virtue of the provisions contained in Column 6 of the item No. 4 (ii) of Part III and item 1(ii) of part IV of the Schedule to the said Rule shall be exercised by the Agricultural Commissioner in the Department of Agriculture with effect from the date of publication of this Notification.

निदेशक

निवेशक

निवेशक

निवेशक

27 4 :

SCHEDULE Central Civil Services Group 'C'

Description of the post	Appointing Authority Authority competent to penaltics which it may impreference t rule 11 of the Civil Service (Classification, and Appeal)Rules, 1965		it may impose with e 11 of the Central assification, Control	Appellate Authority
		Authority	Penalties	
1	2	3	 	
Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) General Central Service Group 'C' posts in Non-Secretariate Offices:				
 Directorate of Cashewnut Development, M.G. Road Cochin-11. 	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
2. Directorate of Cotton Development, 14, Nicol Road, Ballara Estates, Bombay.	Director	Director	All	Agricultural Commission er
2. Directorate of Jute Development, 234/4, Jagadish Bose Road, Calcutta-20.	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
 Directorate of Oilsecds Development, Telhan Bhavan, Himayatnagar, Hydera- bad-29. 	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
 Directorate of Sugarcane Development, Shyam Enclave, Giani Border, Sahiba- bao (District Ghaziabad) 	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
6. Directorate of Tobacco Development, 27, Eldams Road, Teynampet, Madras-18.	Director	Director	Ali	Agricultural
7. Directorate of Millets Development, 19, Krishnamachari Road, Madras-31,	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
8. Directorate of Pulses Development, B-2, Sector 'C' Aligani Scheme, Lucknow-6	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
9. Directorate of Rice Development, 241, Patliputra Colony, Patha-13.	Director	Director	All	Agricultura! Commissioner
	Director	Director	All	Agricultural Commissioner
 Directorate of Coconut Development, Post Box No. 1027, Ernakulam, Cochin-11. 	Director_	Director	A11	Agricultural of Commissioner

	Central Civil Se	rvices-Group 'D'			
Description of the post	Appointing Authority			se with Central Control	
		Authority	Penalties	•	
1	2	3	4	5	
Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) General Central Service Group 'D' posts in Non-Secretariate Offices:					
1. Directorate of Cashewnut Development, M.G. Road, Cochin-11.		Director	All	Agricultural Commissioner	
2. Directorate of Cotton Development, 14, Nicol Road, Ballard Estates, Bombay.	Director	Director	All	Agricultural Commissioner	
3. Directorate of Jute Development, 234/4, Jagadish Bose Road, Calcutta-20.	Director	Director	All	Agricutural Commissioner	
4. Directorate of Oilsceds Development, Telhan Bhavan, Himayatnagar, Hydera- bad-29	Director	Director	Ali	Agricultural Commissioner	
 Di ectorate of Sugarcane Development, 1, Shyam Enclave, Giani Border, Sahibabad, (District Ghaziabad). 		Director	Ail	Agricultural Commissioner	
6. Directorate of Tobacco Development, 27, Eldams Road, Toynamepetm Madras-18	Director	Director	All	Agricultural Commissioner	
7. Directorate of Millets Development, 19, Krishnamachari Road, Madras-31.	Director	Director	All	Agricultural Commissioner	
3. Directorate of Pulses Development, B-2, Sector 'C' Aligan' Scheme, Lucknow-6.	Director	Director	All	Agricultural Commissioner	
9. Directorate of Rice Development, 241, Patliputra Colony, Patna-13.	Director	Director	All	Agricultura] Commissioner	
 Directerate of Cocoa, Arecanut and Spices Development, 1/500. Cannanore Road, Post Box No. 14, Calicut-5. 	Director	Director	All	Agricultural Commissioner	
 Directorate of Coconut Development, Post Box No. 1027, Ernakulam, Cochin-11. 	Director	Director		Agricultural Commissioner	

[No. 36-3/80-CA-IV] D. P. Sharma, Under Secy.

मई दिल्ली, 30 मितम्बर, 1980

का० था० 2805: पण करपाण बोर्ड (प्रणासन) नियम, 1962 के नियम 5(1) के अनुसरण में न्यायमूर्ति बी० धार० कृष्णाभ्रय्यर ने पणु कत्याण बोर्ड की सबस्यत। से स्थाग पत्न वे विया है तथा उनका त्याग पत्न सक्षम प्राधिकारी धारा 29 जुलाई, 1980 से मंजूर कर लिया गया है।

[संख्या 1 4-7/80-एस बी-1] एम० एस० खुराना, ग्रवर सचिव (पणु पालन) New Delhi, the 30th September, 1980

S.O. 2805.—In pursuance of Rule 5(1) of the Animal Welfare Board (Admn.) Rules, 1962, Justice V.R. Krishna lyer has resigned from the Membership of the Animal Welfare Board and his resignation has been accepted by the Competent Authority with effect from 29th July, 1980.

[No. 14-7/80-LD-I] M. S. KHURANA, Under Secy. (AH)

(इति प्रोर सहरारिता विवात)

प्रावेश

नई दिल्ली, 3 धक्तूबर, 1980

का० प्रां० 2806.—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा प्रापील) नियम, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) और नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा निदेश देते हैं कि इस भादेश की धनुसूची के भाग 1 भौर 2 के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग "ग" और साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग "ब" पदों के संबन्ध में स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट प्रधिकारी, नियोक्ता श्रधिकारी तथा कालम 3 श्रीर 4 में विनिर्दिष्ट प्रधिकारी स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट वर्ण्डों की बावन अनुशासनिक ग्रधिकारी और अपील ग्रधिकारी होगे।

	धमुस्ची			
पद का विवरण	नियुक्ति ग्रधिकारी	शक्तियां अधिरोपित सक्षम प्रधिकारी और वह प्रधिरोपित कर सब 11 के सद संख्या के प्र	वे शक्तियां जो तनाहै (नियम	भ्रपील मधिकारी
		प्रधिकारी	मजायें	
1	2	3	4	5
µाग—1साधारण केन्द्रीय सेवा			-	
वर्ग "ग"	निवेशक	निदेशक,	सभी	संयुक्त सचिव,
सभी पव	षडियाल प्रजनन भौर	घड़ियाल प्रजनन गौ र		(वन तथा बन्य जीव)
	प्रबन्ध संस्थान,	प्रबन्ध संस्थान,		भारत सरकार, कृषि मंत्रालय
	हैदराबाव	हैवरात्राद		(कृषि विभाग), नई दिल्ली
गग—−2—–साधारण केन्द्रीय सेवा	·			,
वर्ग "घ"	निदेशक,	निवेशक,	सभी	संयुक्त सचिव,
सभी पव	षड़ियाल प्रजनन भौर	चडियाल प्रजनन और		(वन ग्रीर वन्य ओव)
	प्रबन्ध संस्थान,	प्रवन्ध संस्थान,		भारत सरकार, फूषि मंत्र।लय
	हैद <i>रा</i> याद	हैवराबाद		(कृषि विभाग), नई विल्ली

[स॰ १-5/80-एफ० धार० वाई०(डब्स्यू० एल०)] जे०पी० भटनागर, धवर सम्बद

(Department of Agriculture) ORDER New Delhi, the 3.d October, 1980

S.O. 2866.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby directs that in respect of the posts in the General Central Service, Group 'C' and the General Central Service, Group D', specified 1 column 1 of Parts 1 and of the Schedule to this Order, the authority specified in column 2 shall be the Appointing Authority and the authorities in specified columns 3 and 5 shall be the Disciplinary Authority and the Appellate Authority respectively in regard to the penalties specified in column 4.

SCHEDULE

Description of post	Appointing Authority	Authority competent to impose penal- ties and penalties which it may impose (with reference to item numbers in rule 11)		Appellate authority	
		Authority	Pena Ities		
1		3	4	5	
PART I—General Central Service, Group All posts	The Director, Crocodile Breeding and Manage- ment Institute, Hydera- bad.	The Director, Crocodile Breeding and Manage- ment Institute, Hydera- brd.		The Joint Secretary, (Forestry and Wild life), Govt. of India, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture), New Delhi.	
PART II—General Central Servive, Grou All posts	-	The Director, Crocodile Breeding and Management Institute, Hyderabad.		The Joint Sec. etary, (Forestry and Wild life), Govt. of India, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture), New Delhi.	

पूर्ति और पुनर्वास मन्त्रालय

(पुनर्बास विमाग)

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1980

का० आ०2807 — विस्थापित व्यक्ति (वावा) असुप्रक प्रिधिन्यम, 1954 (1954 का 12) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वाम विभाग में बदोबस्त शिक्षकारी श्री श्री० सी० चहल की, उनके श्रपने कार्यों के अनिरिक्त, उकत श्रिधिन्यम श्रारा या उसके श्रधीन श्रपर बदोबस्त श्रायुक्त को सौपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए श्रपर बदोबस्त श्रायुक्त के रूप में निष्कत करती हैं।

2 इससे, भारत सरकार, पूर्ति ग्रीर पुनर्थास महालय (पुनर्यास विभाग) की ग्रिधिसूचना स० 36016(1)/प्रणा॰सेस/73-दिनाक 132-75 का ग्रिधिश्रमण किया जाता है।

[स॰ 1(16)/विशेष सेल/80-एस॰एस॰ II] एस॰ एस॰ वाधवानी, श्रवर सचिव

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 24th September, 1980

S.O. 2807.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Claims) Supplementary Act, 1954 (No.12 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri D.C. Chahal, Settlement Officer in the Department of Rehabilitation as Additional Settlement Commissioner in addition to his own duties for the purpose of performing the functions assigned to such officers by or under the said Act.

2. This supersedes Government of India, Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation's) Notification No.36016(1)/Admn. Cell/73, dated 13-2-75.

[No. 1(16)/Spl,Cell/80-S.S.II.] N. M. WADHWANI, Under Secy.

संवार मंत्रालय (डाक तार घोडे)

नई दिल्ली, 3 प्रक्तूबर, 1980

का० ग्रा॰ 2808 - स्थायी ग्रावेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागु किए गए भारतीय तार नियम, 1951 का नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के प्रनुसार डाक तार महानिदेशक ने भूमरीतिलैया टैलीफीन केन्द्र में दिनांक 1-11-80 से प्रमाणित दर प्रणाली लाग करने का निश्चय किया हैं।

[सन्नया 5-27/80 पी०एच०बी०] आर० सी० कटारिया, सहायक महासिदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 3rd October, 1980

S.O. 2808.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 1-11-1980 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Jhumritelaiya Telephone Exchange, Bihar Circle.

[No. 5-2-80-PHB]

R.C. KATARIA, Assistant Director General

थम मंत्रालय

मावेश

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1980

का० भा० 2809. — केन्द्रीय सरकार की गय है कि इससे उपासद्ध भनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय स्टेट बैंक, मद्राम के प्रबन्धतत्र से सम्बद्ध एक भौद्योगिक विवाद नियोजको भीर उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है.

ग्रीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद की न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशिय करना वांछनीय समझती है:

ग्रत, केन्द्रीय सरकार, श्रीद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए, एक श्रीद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन श्रिधकारी श्री टी० सदरसनम छेनियल होगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को जक्त श्रीद्यो- गिक श्रीधकरण को त्यायनिर्णयन के लिए निर्देणित करती है।

अनुसूची

भया सर्वश्री राजागोपालन ग्रौर एस० सुब्बरमन, फायरमन की सेवाग्रों को, जो श्रपनी नियमिन की तारीख अर्थात् 11 ग्रप्रैल, 1978 से लगभग 6 माम की सेवा कर चुके थे, बिना किसी नोटिम के समाप्त करने की भाग्नीय स्टेट बैंक, मद्राम के प्रबन्धतन्न की कार्यवाही न्यायोषित है। यदि नही, तो संबंधित कर्मकार किस श्रनुतोप के हकदार हैं?

मिं० एम्०-12011/38/79-कीं०-II (ए)]

MINISTRY OF LABOUR ORDER

New Delhi, the 4th September, 1980

S. O. 2809 —Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of State Bank of India, Madras and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed:

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Sundrasanam Daniel shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of India, Madras in terminating the services of S/Shri Rajagopalan and S. Subbaraman, Firemen without any notice after they had put in nearly six months, service from the date of their appointments, namely, April 11, 1978 is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

[No. L-12011/38/79-D. II (A)]

New Delhi, the 6th October, 1980

SO. 2810.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Saurashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th September, 1980.

BEFORE MR. JUSTICE R. BHATTACHARYA, M. A., B. L., PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL:

CALCUTTA Reference No. 40 of 1978

PARTJES:

Employers in relation to the management of State Bank of Saurashtra

And

Their Workmen.

APPEARANCES:

On behalf of Employers

: Mr. M. S. Bala, Advocate.

On behalf of Workmen : Mr. S. S. Das, General Secretary, Bengal Bank Workers' Organi-

sation.

State: West Bengal

Industry: Banking

AWARD

This reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has been sent to this Tribunal for adjudication by the Central Government by its Order No. L-12012/76/77-D II.A dated 1st/5th April, 1978. The dispute as stated in the Schedule reads:

"Whether the action of the management of State Bank of Saurashtra, 9 Brabourne Road, Calcutta-1 in denying permanent allocation of duties at the Clearing House Calcutta to their workman Shri S.K. Dutta is reasonable and justified? If not to what relief is the said workman entitled?"

2. To-day when the matter is taken up for hearing Mr. M.S. Bala, learned Advocate on behalf of the employers in relation to the management of State Bank of Saurashtra and Mr. Sakti Sekhar Das, General Secretary of the Bengal Bank Workers Organisation appear and they file a joint petition of compromise. I have perused the contents of the petition signed by the General Secretary of the Union and the Manager of the State Bank of Saurashtra. I find that the terms are legal and as prayed for by both the parties, I pass an award in terms of the joint petition of compromise which shall form part hereof as Annexure "A".

Calcutta, the 12th

R. BHATTACHARYA,

September, 1980.

Presiding Officer. [No. L-12012/76/77-D. II (A)]

S. K. BISWAS, Desk Officer.

ANNEXURE "A"

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 40 of 1978

PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of Saurashtra,

And

Their Workmen.

The parties have settled the above industrial dispute as follows:

- 1. The bank agrees to post Shri S.K. Dutta, so long as he continues to be a clerk i.e., not promoted as an officer and is posted in Calcutta to the Clearing House as its representative.
- 2. The workman on his part accepts the above as a full and final settlement of the dispute.
- 3. The above arrangement is subject to the existing Clearing House Rules regarding representation remaining unchanged.

It is therefore prayed that the Tribunal may be pleased to pass a consent award on the above terms.

Sd. (Illegible) Genl. Secy. Bengal Bank For State Bank of Saurashtra, SJ. (Illegible)

Workers' Organisation

M inager

S. K. Dutta

(On behalf of Employers)

(On behalf of workmen).

Calcutta, the 10th September, 1980.

Witness:

S.S. Mukherjee State Bank of India 787GI/80-5 नई विन्सी, 24 सिसम्बर, 1980

का० भा० 2811. — बीडी कर्मकार कल्याण निश्च प्राधिनयम, 1976 (1976 की 62) की घारा 10 के प्रतुसरण में, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखिन रिपोर्ट प्रकाणित करती है, जिसमें वित्ताय वर्ष 1977-78 के दौरान उक्त प्रक्षिनियम के प्रधीन वित्ताय सहायना प्राप्त निश्चि के कार्यकलापों का निखा-जोखा तथा उम वर्ष के लेखों का बिवरण दिया गया है।

समान्य

बीडी प्रतिष्ठानों में सीधे या किसी एजेस्ती के माठाम से नियोजिय प्रविक्तियों के कल्याण को घठावा देने के उपात्रों के संबंध में वित्तीय सहायता देने के लिए बीडी कमैकार कल्याण उनकर प्रधितियम, 1976 में मौर बीडी कमैकार कल्याण निश्चि प्रक्षितियम, 1976 के मधीन बीडी कमैकार कल्याण निश्चि प्रक्षितियम, 1976 के मधीन बीडी कमैकार कल्याण निश्चि प्रक्षित की गई है।

बीडी कर्मकार कल्याण उपकर प्रधितियम, 1976 के प्रधीत बनाए गए तियम 15 फरवरी, 1976 से लागू हुए। बीडी कर्मकार कल्याण निधि प्रधितियम, 1976 के प्रधीत बनाए गए तियम 7 शक्तुबर, 1978 से लागू हुए।

बीडी कर्नेक.र मल्याण उनकर प्रधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदल्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने बीडी के निर्माण के संबंध में किसी भी प्रयोजन के लिए गोदाम से किसी व्यक्ति को दिए गए तम्बाकू पर प्रक्रिंस किलो 25 पैसे की दर निर्धारित की थी, जिस पर उपकर के रूप उत्पाद-गुलक लगाया जाना था ग्रीर एकज किया जाना था।

ष्रालोच्य वर्ष के बौरान उपकार के रूप में 2,23,50,290.00 हपये की राष्ट्रि एकल की गई, जिसका इस्तेमाल मुख्यतः बीडी प्रतिष्ठामों में सीधे या किसी एजेन्सी के माध्यम से लगे श्रीमकों के विभिन्न कल्याण उपायों के लिए किया जाता है।

प्रशासनिक सुविधा के लिए ऐसे राज्यों की, जहां वेश के बीडी अमिक संकेन्द्रित हैं, पांच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है और विभिन्न कार्यकलायों के कार्यान्वयन के लिए कल्याण आयुक्तों, उप कल्याण आयुक्त और सहायक कल्याण आयुक्त के पद सृजित किए गए हैं। विभिन्न केलों के अधिकार केला इस प्रकार हैं:——

क्रमांक अधिकारी का नाम	राज्यों का नाम
1. कल्याण ग्रायुक्त, भुवनेश्वर	उड़ीसा, पश्चिम बंगाल ग्रौर पूर्वी राज्य
 कस्याण ग्रायुक्त, भीलवाड़ा कस्याण श्रायुक्त, इलाहाबाव कस्याण ग्रायुक्त, बंगलौर 	राजस्थान, गुजरात बिहार, उत्तर प्रवेश कर्नाटक, ग्रान्ध्र प्रदेश, र्हामलनाडु ग्रीर कैरल
 कस्याण प्रायुक्त, जबलपुर 	मध्य प्रवेश, सहाराष्ट्र और गोवा

जिकित्सा स्विधा

दीकी कार्मकारों की चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए मैसूर में 10 पलंगों वाला एक भ्रस्पताल और भुवनेश्वर, कलकता (पश्चिम बंगाल) और मंगलौर (क्षनीटक) में एक-एक चलता-फिरता चिकित्सा एकक स्थापित किया गया है।

19*77*-78 का लेखा विवरण

(क) मध शेय

10,38,156.00 रूपये

(स्त्र) वर्ष के दौरान प्रात्पेत्रया

2, 23, 50, 290, 00 रुपये

(ग) वर्षके दौरान व्यय

3,67,688, 00 **र**पये

भ्रांत शेष

2,30,20,758.00 सपये

[फा॰ संख्या 23011/2/80 एम॰5]

New Delhi, the 24th September, 1980

S.O. 2811.—In pursuance of Section 10 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976), the Central Government hereby publishes the following report giving an account of its activities financed under the said Act during the financial year 1977-78 together with a statement of accounts for that year:

GENERAL

The Beedi Workers Welfare Fund has been constituted under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 and the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 for the financing of measures to promote the welfare of persons engaged in beedi establishments, directly or through any agency.

- 2. The Rules framed under the Beedi Workers Welfarc Cess Act, 1976 came into force with effect from 15th day of February, 1977. The Rules under the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 came into force with effect from 7th October, 1978.
- 3. In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 (56 of 1976), the Central Government had fixed the rate of 25 paise per kilogram of tobacco issued to any person from a warehouse for any purpose in connection with the manufacture of beedi, as the rate at which the duty of excise was to be levied and collected by way of cess. During the year under report, an amount of Rs. 2,23,50,290.00 was collected by way of cess to be utilised mainly for various welfare measures for workers engaged in beedi establishments directly or through some agency.
- 4. For administrative convenience, the States having concentration of beedi workers in the country, have been grouped into five regions and for implementing the various activities posts of Welfare Commissioners, Deputy Welfare Commissioner and Assistant Welfare Commissioners have been created. The jurisdiction of various regions is as under:—

SI. Name of the officer No.	Name of the States
 Welfare Commissioner, Bhubaneswar. 	Orissa, West Bengal and Eastern States.
2. Welfare Commissioner, Bhilwara.	Rajasthan and Gujarat
 Welfare Commissioner, Allahabad. 	Bihar and Uttar Pradesh
4. Welfare Commissioner, Bangalore.	Karnataka, Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Kerala.
Welfare Commissioner, Jabalpur.	Madhya Pradesh Maharashtra and Goa.

MEDICAL FACILITIES

For providing medical facilities to beed workers, one 10 beded hospital at Mysore and one mobile medical unit each at Bhubaneswar and Calcutta (West Bengal) and Mangalore (Karnataka) have been set up.

Statement of Account for 1977-78

	Statement of Account for	1711-10
(a)	Opening balance	Rs. 10,38,156.00
(b)	Receipt during the year	Rs. 2,23,50,290.00
(c)	Expenditure during the year	Rs. 3,67,688,00
	Closing balance	Rs. 2,30,20,758.00
		[No. SJ23011/2/80 MV]

का० घा० 2812--याई कर्मकार कल्याण निधि घाषिनयम 1976 (1976 का 62) की धारा 10 के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरवार निम्नलिखित रिपॉट प्रकाणित करती है, जिसमें किनीय वर्ष 1978-79 के दौरान उक्त प्रधिनियम के प्रधीन निकाय सहायता प्राप्त निधि के कार्यकर्षाणें का लेखा-जीखा तथा उस वर्ष के लेखों का विवरण दिया गया है।

सामान्य :

बीकी प्रितिष्ठानों में सीधे या किसी एजेन्सी के साध्यम में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की बतावा देने के ज्यायों के संबंध में विनीय सहायता देने के लिए बीड़ी कर्मकार कल्याण उपकर प्रोधिनियम, 1976 फ्रीर बीड़ी कर्मकार कल्याण निर्धि प्रक्षिनियम, 1976 के प्रधीन बीड़ी कर्मकार कल्याण निर्धि पठित की गई है।

बिहीं कमकार करूयाण उपकर प्रधिनियम, 1976 के प्रधीन धनाए गए नियम 15 फरवरी, 1977 में नागू हुए। बीडी कमकार करूयाण निधि प्रविनियम, 1976 के प्रधीन धनाए भए नियम 7 प्रक्तूबर, 1978 में नागू हुए।

बीड़ी नामैनार करूपाण उपकर प्रधितियम, 1976 (1976 का 56) की झारा 1 की उपझारा (3) हारा प्रदल्त का किनी का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने बीड़ी के तिर्माण के संबंध में किमी भी प्रयोजन के लिए गोदाम से किमी व्याक्ति की दिए गए प्रम्बाक् पर प्रति किनी 25 पैसे की दर निर्झारित की थी, जिम पर उपकर के रूप में उत्पाद-मुख्क लगाया जाना था भीर एकाव विया जाना था। भालोक्य वर्ष के बीरान उपकर के रूप में 2.25 करोड़ रूपये की राशि एकाव की गई, जिसका इस्तेमाल मुख्यत बीड़ी प्रतिष्टानों में सीधेया किसी एकेन्सी के माध्यम से लगे श्रीमकों के विभिन्न कल्याण कार्यों के लिए किया जाता है।

प्रमासनिक सुविधा के लिए ऐसे राज्यों को, जहां देश के बीकी श्रमिक संकेन्द्रित हैं, पांच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है छौर विभिन्न कार्यकलापों के कार्याव्यन के लिए कल्याण धायुक्तों, उप कल्याण धायुक्त छौर सहायक कल्याण धायुक्तों के पद सृजित किए गए हैं। विभिन्न क्षेत्रों के घिकार क्षेत्र इस प्रकार हैं: --

क्रमांक अधिकारी का नाम	राज्यों का नाम
1. कस्याण श्रायुक्त, भुवनेषवर	उड़ीसा, परिचम बंगाल ग्रीर पूर्वी राज्य
2. कल्याण झायुक्त, भी लवाड़ा	राजस्यान. गुजरात '
3 कस्याण आगुक्त, इलाहाबाद	विहार, उत्तर प्रवेश
4 कल्याण श्रायुक्त, बंगलौर	कर्नाटक, श्रान्टा प्रदेग, तमिलनाडु भीर केरल
इ कल्याण मायूक्त, जबलपुर	मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र भ्रीर गोवा

चिकित्मा मुविधाः

चिकित्सा सुविधा का प्राथमिकता दी गई है भीर भ्रालोच्य रिपोंट की सर्वाध के बौरान, निम्निकिखत 25 भौजधालनों की मंजूरी दी गई है, जिन्होंने कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

- (क) मध्य प्रवेश में तीन श्रीवधालय-शांटांगी, नागर श्रीर मिहोर में एक-एक ।
- (ख) तीन भाषधालयं भीलापुर, सन्तामेनर भीर गोन्डिया में एक-एक।
- (ग) आध्य प्रदेश मे दो श्रौपबालय - उत्तर टोकबी श्रौर श्रात्माकुर मे एक-एक ।
- (भ) तिमलनाडु में दें। श्रीषधालय मेलापनौयम श्रीर विक्तेलवेल्ली में एक-एक ।

- (इ) कर्नाटक में बन्तवाल में एक प्रावधालय ।
- (च) उत्तर प्रवेश में तीन ग्रीपधालयः -- इलाह्याद, जीनपुर भीर ग्रमरोह्। में एक-एक।
- (छ) बिहार में नीन श्रीयधालय चक्राधर पुर, मुगेर श्रीर बिहार गर्नक में एक-एक।
- (ज) राजस्थान में नीन श्रीयधालय -ेच्छ्रजमेर, टोक श्रीर कोटा, मे एक-एक।
- (क्ष) कश्नानोर (केरल), साम्ब्रह्मपुर (उड़ीसा), पतन (गुजरान), मुरर्शादाबाद (पश्चिम बगाल) में एक-एक श्रौषधालय । में श्रायवेदिक श्रौषद्यालय

ग्रावास :

पश्चिम बंगाल सरकार को प्रपत्ते राज्य मे बीड़ी श्रिमिको के लिए प्रायास मुक्तिधार्त्रों की व्यवस्था करने हेतु ४ ०५ लाख रुपये के सहा-यसा ग्रमुवान का भुगनान किया है।

शिक्षा :

छात्रवृत्ति योजना के भन्तर्गत, बीडी श्रमिको के बक्कों को छात्र-वृत्तियों का मुगतान करने में 4.82 लाख रुपये की गाँग खर्च की गई।

1978-79 का लेखा विवरण

(कः) प्रथमोप

2,30,20, 758 रुपये

(छ) वर्षके दौरान प्राप्तिया

2,25,00,000 रुपये

(ग) वर्गके दौरान व्यय

26,56,912 रुपये

ग्रद शेय

4,28,63,846 ६पये

[फाईल सच्या एस०/23011/2/80- एम० -5] जगदीमा प्रमाद, भवर मनिव

S.O. 2812—Inpursuance of Section 10 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976), the Central Government hereby publishes the following report giving an account of its activities financed under the said Act during the financial year 1978-79 together with a statement of accounts for that year:

GENERAL

The Beedi Workers Welfare Fund has been constituted under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 and the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 for the financing of measures to promote the welfare of persons engaged in beedi establishments, directly of through any agency.

The Rules framed under the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 came into force with effect from 15th day of February, 1977. The Rules under the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 were brought into force on 7th October, 1978.

In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Beedi Workers Welfare Cess Act, 1976 (56 of 1976), the Central Government has fixed the rate of 25 paise per kilogram of tobacco issued to any person from a warehouse for any purpose in connection with the manufacture of beedi, as the rate at which the duty of excise was to be levied and collected by way of cess. During the year under report, an amount of Rs. 2.25 crores was collected by way of cess to be utilised mainly for various welfare measure for the workers engaged in beedi establishments directly or through some agency.

For administrative convenience, the States having concentration of beedi workers in the country, have been grouped into five regions and for implementating the various activities, posts

of Welfare Commissioners, Deputy Welfare Commissioner and Assistant Welfare Commissioners have been created. The jurisdiction of various regions is as under:—

S. Name of the officer No.	Name of the States
Welfare Commissioner, Bhubaneswar.	Orissa, West Bengal and Eastern States.
2. Welfare Commissioner, Bhilwara.	Rajsasthan, Gujarat.
 Welfare Commissioner, Allahabad. 	Bihar and Uttar Pradesh.
4. Welfare Commissioner, Bangalore.	Karnataka, Andhra Pradesh, Tamil Nadu and Kerala.
 Welfare Commissioner, Jabalpur. 	Madhya Pradesh, Maharashtra and Goa.

Medical facilities:

Medical care has been given priority and during the period under report 25 dispensaries as under have been sanctioned which have started functions:

- (n) Three dispensaries one each at Katangi, Sagar and Sihore in Madhya Pradesh.
- (b) Three dispensaries one each at Sholapur, Sangamner and Gondia. (Maharashtra)
- (c) Two dispensaries one each at Uttartokthi and Atmakur in Andhra Pradesh.
- (d) Two dispensaries one each at Melapalayam and Tirunelveli (Tamil Nadu).
- (e) One dispensary at Bantwal (Karnataka).
- (f) Three dispensaries one each at Allahabad, Jaunpur and Amroha (Uttar Pradesh).
- (g) Three dispensaries one each at Chakradharpur, Monghyr and Bihar Sharif (Bihar).
- (h) Three dispensaries one each at Ajmer, Tonk and Kota (Rajasthan).
- (i) One dispensary each at Cannanore (Kerala), Sambalpur (Orissa) Patan (Gujarat), Murshidabad (W.B.)
- (j) Ayurvedi Dispensary at Sawai Madhopur (Rajasthan). Housing:

Government of West Bengal was paid grant-in-aid of Rs. 4.95 lakhs for providing housing facilities to beed workers in that State.

Education:

Under grant of Scholarhip Scheme, an amount of Rs. 4.82 lakhs was spent for payment of scholarships to the children of beedi workers.

Statement of Accounts for 1978-79.

		Rs.
(a)	Opening balance	2,30,20,758
(b)	Receipts during the year	2,25,00,000
(e)	Expenditure during the year	26,56,912
	Closing balance	4,28,63,846

[File No. S-23011/2/80-M.V.] JAGDISH PRASAD, Under Secy.

New Delhi, the 27th September, 1980

S.O. 2813.—In pursuance of section 17 of the Industria Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the North Chirimiri Colliery of Western Coalfields Limited, Post Office Gelhapani, District Sarguja and their workmen which was received by the Central Government on the 20th September, 1980.

BEFORE SHRI A.G. QURESHI, M.A., LL.B. PSESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(35)/1979

PARTJES:

Employers in relation to the management of North Chirimiri Colliery of Western Coalfields Limited, Post Office Gelhalpani, district Surguja (M.P.) and their workmen represented through the Khan Mazdoor Parlshad (CITU), North Chirimiri Colliery, Post Office Gelhapani, District Surguja (M.P.)

APPEARANCES:

For Union

Shri L. N. Malhotra, Advocate. Shri P. S. Nair, Advocate.

For Management INDUSTRY:

Coal

DISTRICT : Surguja (M.P.)

Dated: September 8, 1980.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the power conferred by Clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, vide its Order No. L-22012(6)/79-D.IV(B) dated 10-12-1979, for adjudication of the following dispute by this Tribunal:—

- "Whether the action of the management of North Chirimiri Colliery in not regularising Shri Jagdish Singh after his com-leting six months service as Magazine Clerk as per Certified Standing Orders is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. On receipt of the reference, parties were noticed to file their respective statements of claims. They have filed their respective statements of claims on 17-1-1980 and 18-1-1980, rejoinders on 7-2-1980 and 3-3-1980. After the filing of the leadings by the parties, they have also filed their documents and admitted or denied them.
- 3. The management has submitted that the Union, Khan Mazdoor Parishad, has no existence and as such the Union has no locus standi to raise the present dispute. Shri Jagdish Singh was not a member of this Union. The management has further averred that the disputes raised by all the unions were settled on 13-4-1978 and the aforesaid settlement is binding on all the workmen.

On merits, the management has alleged that the workman concerned was appointed initially as Badli worker and was regularised as Miscellaneous Mazdoor Category I on 5-7-1976. Thereafter, he was promoted as Gr. II Clerk along with 8 others on the basis of the recommendations of D.P.C. The Magazine Clerk according to the Wage Board recommendations is Grade III post which is lower than the one on which the workman concerned is working at present, since 9.10.1977. The workman did not complete six months service as alleged by the workman. Further more the promotion is a managerial function and the workman has no automatic right for promotion.

4. The Union has stated that it has full right to raise the dispute of Shri Jagdish Singh and there was no settlement with any union covering the present dispute of Shri Jagdish Singh. The objections have been raised with a malafide intention to delay the proceedings.

On merits, the Union has stated that Shri Jagdish is working as a Magazine Clerk since August, 1975. According to the Certified Standing Orders of the Colliery, a person working on a perticular post/job for six months has to be regularised on the post. The workman has completed six months service as a Magazine Clerk from February 1976 and as such he has a right to be regularised on the post. Therefore, he becomes entitled to fixation of pay and all other dues accruing therefrom.

5. The case was fixed for evidence of parties but before the commencement of the evidence on 6-9-1980 the parties sought a short time to settle the dispute which was allowed and the case was fixed for filing of settlement on 8-9-1980. On 8-9-1980 Shri P.S. Nair, Councel for the management and Shri Malhotra, Counsel for the Union filed the Memorandum of Settlement signed by the parties. I have perused the terms of settlement as incorporated in the Memorandum of Settlement filed by the parties. According to the terms of settlement, the management has agreed to redesignate Shri Jagdish Singh as Magazine Clerk/Assistant Store-keeper from 1-9-1980.

The Union is satisfied with the redesignation of Shri Jagdish Singh from 1-9-1980 and has abandoned its claim for back wages and promotion of Shri Singh from February 1976.

6. Since the parties have agreed to the aforesaid terms of settlement and they are in the workman's interest, I give my award in terms of the settlement which appears to be fair and reasonable. The Memorandum of Settlement shall form part of the award.

8-9-1980

A.G. QURESHI, Presiding Officer

[No. L-22012(6)/79D. IV (B)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT, INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT: JABALPUR

Case No. CGIT/R/35/1980

Manager, North Chirimiri Colliery, Gelhapani

Vs

Secretary, Khan Mazdoor Parishad (CITU)

The parties beg to submit as under :-

- 1. That the Central Government by their letter Dated 10th December 1979 made the following Reference to this Hon'ble Court:—
 - "Whether the action of the Management of North Chirimiri Colliery in not regularising Shri Jagdish Singh after his completing six months service as Magazine Clerk as per Certified Standing Orders is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. The parties have filed the statements of claim, Rejoinder and also documents before this Hon'ble Court. The case was fixed for evidence on 6-9-1980 at Jabalpur. The parties again discussed the case in detail and with a view to maintain good Industrial Relations after detailed mutual discussion, has decided to settle the case on the following terms:

Terms of Settlement

- 1. That Management will redesignate Sri Jagdish Singh as Magazine Clerk/Assistant Store-Keeper from 1-9-1980.
- 2. That this settlement will settle the dispute between the parties in full.

3. The parties will file copies of the settlement before the Industrial Tribunal and pray for an award in terms of the settle-

The settlement is in the interest of both parties and is fair and reasonable.

PRAYER

It is, therefore, prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to pass the award in terms of the settlement.

Sd/-

Sd/-

Management

Workman Sd/-

Sd/-

Counsel for Management

Counsel for Workman

Part of Award

New Delhi, the 6th October, 1980

S.O.2814. - In pursuance of section 17 of the Industrial Disputtes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th September, 1980.

BEFORE MR.JUSTICE R. BHATTACHARYA, M.A, B.L. PRESIDING OFFICER

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

CALCUTTA Reference No. 34 of 1979

Parties: Employers in relation to the management of Bharat Coking Coal Limited, Calcutta,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

Mr. C.L. Ganguly, Advocate, with

Mr. U. Son, Advocate,

On behalf of Workmen

On behalf of Management

Mr. P.K. Chatterjee, Advocate.

State: West Bengal

Industry: Coal

AWARD

The dispute between the management of Bharat Coking Coal Limited, Calcutta and the workmen thereof as sent to this Tribunal under section 10 of the Industrial Disputes | A c1947 by the Central Government by its order No. L-19011(II)/78-D. IV(B) dated 24-5-79 reads as follows:

- "Whether the action of the management of the Bharat Coking Coal Limited, Calcutta in not allowing the workmen of the Calcutta office to avail of the half-holidays on religious grounds on the following occasions, (1) Immersion ceremony of Goddess Saraswati (2) Immersion ceremony of Goddess Lakshmi, (3) Immersion ceremony of Goddess Kali, (4) Shivaratri and (5) Rathayatra is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?
- 2. In this case Bharat Coking Coal Limited, hercinafter referred to as the "Company" has filed written statement and a rejoinder. The workmen of the Company represented by the Bharat Coking Coal Employees' Union, hereinafter called the "Union", has also filed the written statement in support of the claim.
- 3. The Union's claim is that the workmen of the company's office in calcutta has been enjoying half holidays for Immersion ceremony of Goddess Saraswati, Immersion ceremony of Goddess Lakshmi, Immersion ceremony of Goddess Kali, Sivaratri and Rathayatra, since the inception of the company on religious ground but the company illegally in breach of Section 9A of the Industrial Disputes Act stopped allowing those half-holidays fro m the middle of 1976 during 'Emergency' when trade union acti-

vities were almost suspended. The Union protested against the action of the Company. The claim of the Union for these five half holidays rests on two grounds, viz. (1) that before the take over of the coal business and the absorption of the workmen in this company after nationalisation, they used to enjoy the half holidays in their establishments or parent companies and (2) that since the inception of the company they have enjoyed the five half-holidays uniteruptedly for about 5 years, the workmen have acquired a right and priviledge for getting these half holidays on account of convention and custom. Such half holidays were allowed by the company irrespective of any request made by the workmen. At the special request of the company, the Union submitted on some occasions written applications asking for half day closure. From 1977, the Union requested for the half holidays but they were refused without assigning any reason. The union wants that there should be a declaration that the workmen of the Calcutta office of the Company are entitled to get the five half holidays as mentioned in the order of reference and that they should be paid compensation for their works done on those holi-days during the period from 1977 till the date of award.

- 4. Company's case is that between 1972 and 1976, the workmen from time to time made requests in writing to the employer asking that one or the other of the days mentioned in the schedule to the order of reference might be declared a half holiday and the company at its sole discretion grate such requests. Half holidays as mentioned were granted only after request. After 1976. the workmen made request for half holidays but the company did not grant the prayers. In some case, on the request being made, half holidays was granted not to all employees subject to exercices of work. The workmen could in no case enjoy the half holding without the consent of the employer. The workmen never had not has any legal or customary right to enjoy the half holidays which were allowed previously as stated by special permission or sanction on request. The same cannot be available as a condition of service. The workmen enjoy 17/18 holidays per year. The number of holidays is notified to the empployees at the beginning of every year and there is no provision for any half holiday. There is no contract or agreement for the half holidays. There is no customary right to demand half holidays. There is not such convention.
- 5. The Union has examined four witnesses while one witness has been examined by the Company. Some documents have been exhibited on both sides. Mr. P.K. Chatterjee has appeared for the Union and Mr. C.L. Ganguly for the company,
- 6. The first contetion of Mr. Chatterjee is that the workmen had been enjoying the five half holidays as mentioned in the schedule of reference without any break from 1972 to 1976 granted by the management of the Company of its own accord and this has become convention and custom ripened into the right of the workmen to claim the same which cannot be denied to them. Mr. Ganguly has argued that the half holidays were granted only at the request of the workmen and the company granted the prayer of the workmen at its discretion. There was not convention or custom or right of the workmen to demand the half holidays.
- 7. Let us see the evidence on this point. WW-I is the Vice-President of the Union. His evidence is that during the period from 1972 to 1975 there were occasions when the workmen enjoyed the half holidays on request by them and on some occasions the employers of their own accord granted the half holidays. From 1976 the half holidays have not been allowed. The witness has admitted that in the schedule of holidays published by the Company, there was no mention of any half holidays. His further evidence is that sometimes the workmen verbally approached the management between 1972 and the first part of 1976 and some half holidays were granted. When the scheduled

of yearly holidays was published, the workmen did not say anything about half holidays, WW-2 is Balai Ghosh. From 1973 to 1975 he was the General Secretary of the Union. His evidence is t hat by making demand the workmen got the holidays. During the Secretaryship, there were verbal negotiations between the Union and the company and as a result thereof, the workmen got the five half holidays. In 1975 and 1976 on two or three occasions the workmen had to make written request for grant of half holidays but before that there was no written request. At the same time he says that it is not a fact that half holidays were granted on their request either in writing or verbal. WW-3 is Tushar Kanti Ghosh. Since his coming to the company in 1972 he had been enjoying half holidays continuously upto 1976. The management thereafter discontinued the five half holidays. From 1974 to 1978 this witness was the Asstt. Secretary of the Union. His evidence is that the union did not always demand half holidays but occasionally such demand was made. He does not know of any service condition regarding half holidays. The witness does not accept the suggestion that the management allowed the half holidays at the request of the employees or that the half holidays were granted not to all but to some. The last witness on the side of the Union is Sanjit Kumar Ghosh, WW-4. He is a member of the Union. He says that the workmen used to get the five half holidays upto June, 1976. During cross-examination he has admitted that at the request of the Union, either verbal or in writing, the Company allowed half holidays. This witness, previously an employee of another Coal Company was absorbed in the Company after the takeover.

- 8. The Company's witness is Taracharan Mitra. From 1971, he was the Administrative Officer and from 1978 he became Senior Administrative Officer. From him we get that the five half holidays were granted to the employees whenever any demand was made by them and this was granted after consideration by the General Manager. Sometimes such demand was rejected. Those half holidays were granted on request made sometimes in writing, sometimes orally. The office order in Ext. M-4 was passed as the employees approached. The document is signed by the witness himself as the Administrative Officer. In the list of holidays issued by the Company was not included any half holiday. There was no contract between the Company and the workmen regarding half holidays. In cross-examination he has stated that he cannot say if there are any other letters of request besides those filed, but on the next date he produced a letter of request for half holiday made by the Union in 1972 and on being recalled he proved the letter. The Union was given an opportunity to cross-examine witness, if it so desired to challenge the letter but Mr. Chatterjee submitted before the argument began that the Union would not give any evidence to challenge the letter.
- 9. Coming to the documentary evidence, dring the period between 1972 and 1976, we find Ext. M-1, a letter of the Union dated 20-10-75 General Manager (Sales) of the Company "for kindly allowing the staff to leave office at 1.30 p.m. in order to take part in the said ceremony". Here ceremony has been mentioned in the letter as Immersion ceremony of Goddess Laksmi. The Manager gives order as follows:

"Permit the staff only to leave office at 2.30 P.M. My personal Sec-staff excluded and all other essential staff excluded."

In Ext.M-2, another letter of the Union dated 4-2-76 we find a request for 'half day close at 1.30 P.M.'. On this letter the office order was for 'a half holiday for the Immersion ceremony of Goddess Saraswati' which was to take place on 6-2-76. This is Ext. M-3, Ext. M-5, is the letter of the Union dated 7-7-76 addressel to the General Manager (Sales) through the Administrative Officer. It reads as follows:

"Dear Sir.

I have been desired by the members of the staff to request you to kindly declare today half holiday on account of Return Car Festival and anticipated traffic dislocation therefor. May I request you to consider this please.

Thanking you,

Yours faithfully, Sd/-

General Secretary."

The note of the Administrative Officer runs thus:

"GM(S) may kindly consider. The Office may be closed at 3 P.M. purely as a local arrangement, if approved". The General Manager said "I have no objection". Ext. M-6 is another letter of the Union dated 16-10-76 requesting the Company to declare 23rd October 1976 as a holiday as the Immersion of Goddess Kali was being observed on this day, Saturday. A note on the letter shows that the Company did not declare any holiday but allowed the staff to 'go one hour earlier i.e at 12.30 P.M. on 23-10-76". From 1977 the company did not allow any half holiday though requested by the Union through letter. As I have already stated MW-1 has proved a letter of the Union dated 23-10-72 requesting the Company to kindly grant a half holiday for the Immersion ceremony of Goddess Laxmi and the prayer was granted with the order to close the offices at 2.30 P.M.

- 10. In view of the evidence on record it has been proved that during the period from 1972 to 1976 whenever the workmen through their Union requested the Company for the half holiday in question, they relied on the discretion of the company in the matter of allowing the half holiday and that the management of the company in its turn by exercising its discretion sometimes allowed half holidays as prayed for and sometimes allowed them to leave earlier and sometime allowed a portion of the staff to leave earlier. In these circumstances and also during so short a period of time from 1972 to 1976 no convention or customs grew up so as to create any right for the workmen to claim the half holidays. If any concession is allowed on some occasions by the employer on request made by the workmen aclying on his discretion, such concession does not create any condition of service for the workmen to demand such concession as a matter of right in future. The first contention of Mr Chatterice fails.
- 11. The other branch of argument canvassed by Mr. Chatterjee is that before absorption in the Company and prior to nationalisation of the coking coal mines, the workmen enjoyed these half holidays according to the condition of service in the establishments where they had worked and as such they have a right to claim these five half holidays and as the Company refused to allow the half holidays, there has been an infringement of Sec. 9A of the Industrial Disputes Act, 1947 in not following the procedure laid down therein.
- 12. I shall now consider how far the Union has been able to prove the service conditions of the workmen in respect of the half holidays. From WW-1 we get that before nationalisation he was an employee of the colliery company of Jardine Handerson Limited. All the staff of the coking coal department of Jardine Handerson Ltd. except one were absorbed in the Company. According to this witness they used to enjoy the five half holidays in question there. The employees of Bird & Co. Pvt. Ltd., Andrew Yule & Co. Pvt. Ltd., Karam Chand Thapper (Coal Sales) Pvt. Ltd. and Lodna Colliery (1939) Ltd. were absorbed in the company and they used to enjoy these half holidays there and in the Company. In fact employees of some other collieries were absorbed in the Company but it is not stated by this witness that they had also enjoyed such half holidays in their parent companies. The witness has said that all the workmen were given these five half holidays by the Company. At the same time, he says that on request by the workmen and sometimes of its own accord the Company allowed the half holidays. The witnes, says that the

the workmen possess evidence in writing to show that these five holidays were granted by these collicries and companies from which they were taken over and absorbed in the Companys. But no such evidence has been produced or proved before this Tribunal. WW-2 has stated that previously he worked in Andrew Yule where he enjoyed the five half holidays. WW-3 has stated that he was an employee of Manbhum Coal Syndicate Pvt, Ltd. before his absorption in the company. In the parent employment he used to enjoy some holidays but he does not mention on what occasions he used to enjoy the half holidays. He has admitted hat he does not know any service condition regarding half holidays. His evidence is that he does not possess any paper to show that he enjoyed the half holidays while he was working in Manbhum Coal Syndicate. The only other witness is WW-4 on the side of the Union. Before his service was taken over to the company, he was an employee of Lakurka Coal Company Limited. There he used to get six or eight half holidays but he does not say on what occasions. He cannot say the exact number of half holidays enjoyed by him. This witness also admits that he has no paper to show that he enjoyed half holidays alleged to have been allowed by Lakuraka Coal Company Limited.

13. Mere oral statement about the workmen's enjoyment of half holidays in their parent companies cannot be accepted. Although WW 1 has stated that they possess written document to support their claim, no such document has been proved. The Union has not examined any witness from the parent companies to prove that five half holidays as claimed were granted to their employees as a condition of service or otherwise. Such witness would have been the best witness. Moreover there are certain facts and circumstances in this case which go against the Union's claim. Several letters of request written to the Company asking for half holidays have been exhibited in this case. If none of them has there been any statement that previous to the inception of the Company, any workman enjoyed half holidays in his erstwhile place of employment before nationalisation. In two letters of request Exts. M-14 and M-15 dated 9-11-77 and 7-2-78 respectivetively, the Union made a request for holidays as per convention before and after nationalisation. But that again is not specific. The story of convention "before and after nationalisation" was set up in November, 1977 for the first time after the Company started refusing half holidays from January, 1977. For the first time we get in the letter dated 20-3-78, Ext. W-12 written by the Union to the Regional Labour Commissioner (Central) the statement that the workmen of the Company have been enjoying a few half holidays on religious ground from the time of their service with the erstwhile management. Here again the half holidays have not been particularly mentioned. I have no doubt to hold that the Union has set up a new story about the workmen's enjoyment of the disputed five half holidays during the regime of previous employment. This is an after thought and an unreliable basis of the Union's claim. I totally reject this story and the oral evidence in this respect of the witnesses examined by the Union. As I have already stated the grant of the half holidays by the company at the request of the Union cannot create any condition of service for claiming the half holidays as of right. Consequently there was no occasion for any breach of Section 9A of the Industrial Disputes Act. In this connection the decision of the Supreme Court in the case of the Indian Oxygen Ltd. v Udaynath Singh (1970 II LLJ 413) may be to some extent helpful and instructive.

14. Mr. Chatterjee during the argument made a mention of Ext. W-19, the report of the Conciliation Officer to the Secretary to the Government of India wherein it is stated that the mangement was agreeable to extend the facilities of half holidays to them who used to enjoy them under the management of the erstwhile Coal Companies prior to take over after nationlisation. Mr. Ganguly objected to this on the ground that the said question

cannot be raised in this case as when a question of compromise came, the Company for purchasing peace and maintaining good relation with the workmen wanted, without prejudice, to consider if half holidays could be granted in case any workman happened to enjoy such holidays in his previous employment as a condition of service, but since the talk of settlement failed, that consideration has been given up. Moreover, there is no evidence adduced in this case by the witnesses in this respect I accept the contention of Mr. Ganguly. Even if there was any unsuccessful talk of settlement or compromise between the parties, that becomes irrelevant for the purpose of my decision. I shall be guided by the relevant law and evidence with reference to the claims of the parties. I hold that the workmen have failed to prove that they enjoyed the five half holidays as per their service condition during their employment previous to their takeover to this company after nationalisation. Their claim in this respect is unacceptable. I, therefore, reject the concluding argument of Mr. Chatterjee

15. In view of my discussions above, my finding, in reply to the issue in the taised in the schedule to the Order of Reference is that the management of the Bharat Coking Coal Limited, Calcutta is justified is not allowing the five half-holidays mentioned in the said schedule to the Reference. The refusal of the said half-holidays by the management is not illegal, improper or unjustified. The concerned workmen are not entitled to any relief in this case.

I pass an award accordingly.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer [No. L-19011(II)/78-D, IV(B)]

New Delhi, the 7th October, 1980

S. O. 2815.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Kanhan Arca Damua Colliery, District Chhindwara and their workman, which was received by the Central Government on the 1st October, 1980.

BEFORE SHRI A.G. QURESHI, M.A., LL.B., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRI-BUNAL-CUM-LABOUR COURT, 724, NAPIER TOWN JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(34)/1979

PARTIES:

Employers in relation to the management of Western Coalfields Limited. Kanhan Area Damua Colliery, District Chhindwara and their workman.

APPEARANCES:

For workman Shri Gulab Gupta, Advocate.
For Management Shri P.S. Nair, Advocate.
INDUSTRY: W.C.L. DISTRICT: Chhiadwara (M.f.)

AWARD

The Government of India, in exercise of its powers conferred by Clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal vide it's Order No. L-22012(14)/79-D.IV(B), Dated 30-11-1979:—

"Whether the action of the Western Corlfields Limited, Kanhan Area in relation to their Damua Colliery in retiring Shri Kalu S/o Shri Tukiya, Driller (Chowkidar) from 17-7-1978 is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

The facts leading to this reference are as under:-

- 2. Shri Kalu S/o Shri Tukiya was working in the Damua Colliery of the Western Coalfields Limited, Kanhan Area as Driller (Chowkidar). By office Memo dated 13-6-1978, the Manager of the Damua Colliery, informed the said workman, Shri Kalu, that he had attained the age of 60 years hence one month's notice is given and his services will be dispensed with 17-7-1978. On receipt of the Memo, the workman submitted that he had not attained the age of 60 years; hence there was no justification in retiring him. The workman had also submitted a copy of the birth register of Village Jamgaon, District Multai showing his correct date of birth as 2-5-1919. The aforesaid application of the workman was not considered and the workman was asked to submit the certificate from the Sarpanch of Gram Panchayat certifying the date of his birth. The workman thereupon submitted the certificate from Gram Panchayat, but the documents filed by the workman were not accepted by the management and by order dated 22-10-1978, the services of the workman were discontinued with effect from 17-7-1978,
- 3. According to the workman, his date of birth is 2-4-1919, in support of which he had submitted the documents before the management. On an earlier occasion i.e., on 26-11-1974 also, the Manager of the Colliery had informed the workman that he had reached the age of superannuation and hence he was being relieved from his service with immediate effect. On the receipt of the aforesaid letter from the Manager, the workman had submitted a copy of the birth certificate from the Gram Panchayat Jamgaon that the workman was born on 2-4-1919. The manager had accepted the said date of birth and the notice of retirement date 26-11-1974 was withdrawn. Once it accepted the date of birth, the employer had no right, arbitrarily, to fix, the new date of birth and retire the workman prior to his date of retirement. The workman is an illiterate employee and does not know reading and writing. It is, therefore, unlikely that he has ever given a declaration about the date of his birth. The date of birth if any, available in the record of the employment is therefore arbitrarily and is written by the management without reference to any documents. Once having asked for the certificate from the Sarpanch of the Gram Panchayat, the management could not ignore the certificate submitted by the workman in support of his contention about his exact date of birth. Ignoring the certificate submitted by the workman and retiring him with effect from 17-7-1978 by the management is an action which is arbitrary and illegal. The management accepted the certificates of the Gram Panchayat submitted by the other workman as a proof of their correct ages but in the case of the present workman the certificate was not taken into consideration. Therefore, the action of the management is also discriminatory. Lastly it has been contended that if the date of birth of the workman would have been 16-7-1917 than the workman would have been retired on 16-7-1977 by the management. But the management did not retire the workman on that date. This itself shows that the management did not place any reliance on the entries in the record of the Regional Commissioner of Providend Fund.
- 4. The case of the management is that the workman was a member of the Coal Mines Provident Fund and every workman has to specify the date of his birth in the form which is maintained with the Provident Fund Authority. Shri Kalu stated his date of birth as 16-7-1917, according to the declaration made by him in Form A for the Coal Mines Provident Fund. At no point of time, the workman complained that the entry in Form A was wrong. Form B register is also maintained in the Colliery in respect of all employees employed in the Colliery and in that register also the date of birth of the workman is shown as 16-7-1917. On the basis of the aforesaid record the management decided to retire the workman from 17-7-1978. The workman all through his service tenure never objected to the entries in the

- aforesaid registers. Only after the retirement the workman came out with his various submissions which are totally incorrect. According to the declaration made by the workman himself the management was fully justified in retiring him from service from 17-7-1978.
- 5. The workman did not file any rejoinder to the statement of claim filed by the management. The management has filed the rejoinder and has denied the allegations made by the workman in the statement of claims. The management has stated that the management considered the certificate produced by the workman and rejected it after considering all the relevant aspects. It was also denied that the management had accepted the date of birth of Shri Kalu as 2-4-1919 carlier. The entries in the Provident Fund Register Form A and Form B kept with the management were made by the workman after having understood them.
- 6. On the pleadings of the parties the following issues were framed:—

ISSUES

- Whether the correct date of birth of the workman is 2-5-1919 or whether it is 16-7-1917?
- 2. (a) Whether the management in year 1974 had accepted the birth certificate produced by the workman showing the date of birth of the workman as 2-4-1919 and had allowed the workman to continue in service?
 - (b) If so, its effect?
- 3. Whether the workman is illiterate and the date of birth shown in the documents of the management is arbitrary and written by the management itself?
- 4. Whether the action of the management in fixing the date of retirement of the workman working in the Coalfields prior to nationalisation is violative of the provisions of the Nationalisation Act?
- 5. Relief and costs?

FINDINGS

Issue No. 1:— The management has examined M.W.1 Shri A.A. Khan and M.W.2. Shri Ram Avadh Prasad. Shri A.A. Khan is a clerk incharge of Form B Register. He produced the original Form B Register before the Tribunal. At Sl. No.247 of the Register the date of the first appointment of the workman at Collicry is mentioned as 10-1-1948. In the Register for the year 1975-76 the age of the workman has been written as 58 years. Ex. M/1 is the relevant entry. Shri Ram Avadh Prasad is the U.D.C. of the Coal Mines Provident Fund Office, Jabalpur. He produced the original declaration filed by the workman, Shri Kalu for Coal Mines Provident Fund, in which according to the declaration of the workman himself, he was born on 16-7-1917. The form was filled by the workman on 22-3-1949. The declaration form is Ex. M/2.

The workman chose to remain absent on the dates of evidence and he did not cross-examine any of the witnesses. He has also not led any evidence in rebuttal. Therefore from the unrebutted testimony of the witnesses of the management supported by Ex. M/1 and Ex. M/2 I find it proved that the workman was born on 16-7-1917. The workman has led no evidence in support of his contention that he was born on 2-5-1919. Therefore the correct date of birth of the workman is held to be 16-7-1917. Issue no. 1 is decided accordingly.

Issues Nos. 2, 3 & 4:— The workman has not led any evidence to show that in the year 1974 the management had accepted the date of birth of the workman as 2-4-1919. He has also not entered the witness box to show that he is illiterate and that the entries in the documents Ex. M/1 and Ex. M/2 were arbitrary and written by the management itself. He has also not been able to show as to how the action of the management in fixing the date of retirement of the workman is violative of the provictions of the Nationalisation Act.

In the result I hold that the date of birth of the workman being 16-7-1917, the management was fully justified in retiring him with effect from 17-7-1978. The workman is, therefore, not entitled to any relief. Parties shall bear their own costs as incurred.

A.G. QURESHI, Presiding Officer.

20-9-1980

[No.L-22012(14)/79-D. IV(B)] HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 श्रक्तूबर, 1980

का आ 2816. के द्वीय सरकार ने यह समाधान हो आने पर कि लोकहित में ऐसा करना प्रपेक्षित था, भौद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (2) के उपखण्ड (vi) के उपखंधों के अनुसरण में भारत मरकार के श्रम मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या का था 1197 नारीख 14 ध्रप्रैल, 1980 हारा युरेनियम उद्योग में सेघा को उक्त श्रधिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 श्रप्रैल, 1980 से छ. मास की कालावधि के लिए लोकहित उपयोगी मेवा घोषित किया था.

भीर केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कालावधि को छः मास की भीर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना भ्रपेक्षित है.

श्रत. प्राय, श्रीयोगिक विवाद धिधिनियम. 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (a) के उपखण्ड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रवस्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त धिनियम के प्रयोजनों के लिए 20 श्रक्तूबर, 1980 से छः मास की श्रीर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषिन करती है।

[स॰ एस॰ 11017/6/79-जी.I(ए)] एल॰के॰ नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, 1st October, 1980

S.O. 2816.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1197 dated the 14th April, 1980 Service in the Uranium Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 20th April, 1980;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 20th October, 1980.

[No. S. 11017/6/79/D.I.(A)] L. K. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, ! धक्तूबर, 1980

कांश्याः 2817.—िव गुजरात स्टेट कोम्रापरेटिल बैंक लि॰ महमदाबाव, (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिक्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त मधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के मधीन छूट विए जाने के लिए धावेदन किया है;

न्नौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक ऋभिदाय या श्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की समूह बीमा स्कीम के घ्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं भौर ऐसे कर्मेंबारी के लिए ये फायदे उन फायवों से घ्रधिक भ्रनुकूल है जो कर्मेंबारियों निजेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के घ्रधीन उन्हें भ्रमजेय हैं;

भन, ग्रन्थ, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधितियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपायद श्रमुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के ग्रधीन रहने हुए, उक्त स्थापन को, 1 भन्नैल, 1980 से 31 मार्च 1982 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- गुन्त स्थापन के सम्बंध में नियोजक प्रादेशित भविष्य निधि प्रायु-क्न, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा प्रौर निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्मिष्ट करे।
- 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर उक्त भिश्चिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के स्रधीन निर्विष्ट करें।
- 3 समूह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके ग्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय रोखाओं का ग्रंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय ग्रादि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित ममूह बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की माथा में उसकी मुख्य बातो का अभुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदक्षित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त सिधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सवस्थ है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक, ममूह बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरस्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के मधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बक्वः ये जाते हैं तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के मधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की ब्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के मधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक मनुकूत हों, जो उक्त स्कीम के मधीन मनुक्षेय हैं।
- 7 समृह बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मजारी की मृत्यु पर इस स्कीम के मुधीन सवाय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मजारी की दशा में देय होती जब वह उकत स्कीम के मुधीन होता तो, नियोजक कर्मजारी के विधिक बारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनो रकमों के मंतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- इ. ममूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संगोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मैचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि धायुक्त, अपना अमुमौदन देने से पूर्व कर्मैचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मवारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस समूह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मवारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी आयेगी।
- 10. यदि किसी कारणवण, नियोजक उस नियन तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, प्रीर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रदव कर दी जाएगी।
- 11. यदि नियोजक, प्रीमियम के संदाय, ग्रांवि में कोई क्यनिकम करता है तो उन मृत सबस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो वह छूट न दी जाने की दशा में उक्त स्कीम के ग्रन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने वाले किसी सबस्य की मृत्यू होने पर, उसके हजबार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिमों को बीमाकृत रकम का संबाय तत्परता से घौर प्रत्येक वक्ता में भारतीय जीवन निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात दिन के भीनर सुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्विपक्षी प्रभाव से छूट देनी ध्रावण्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त ध्रावेदन पत्न की कार्रवाई पर समय लगा। नथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्विपक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मंख्या एस-35014/31/80-पी०एफ-2]

New Delhi, the 1st October, 1980

S.O. 2817.—Whereas Messrs The Gujarat State Cooperative Bank Ltd., Ahmedabad (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And, whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st April 1980 and upto 31st March, 1982 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employed shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submis-

- sion of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4 The employer shall display, on the Notice Board of the establishment. a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, 101 any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal helds entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014(31)/80-P.F.II]

का० वा० 2818:—मैसर्स स्टील प्राथोरिटी ग्रांफ इण्डिया लिमिटेंड, राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भिष्ठिय निधि और प्रकीर्ण उपजन्म प्रिविनयम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17की उप-धारा (2क) के ग्रधीन छूट दिए जाने के लिए ग्रावेदन किया है;

भौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, कोई पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, सारतीय जीवन बीमा निगम की समूह बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायवा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायवे उन फायदों से श्रिष्ठिक भनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप से सम्बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के मधीन उन्हें मनुक्रेय हैं,

भतः, भ्रवः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारः प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के श्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 1 नवस्बर, 1978 से 31 श्रक्त्यर, 1981 तक उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

- उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, उद्दीसा को ऐसी विवरणिया भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी मुनिधाए प्रवान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति से 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के भन्नीन निर्दिष्ट करे।
- 3. समृह बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके घन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया आवा, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का घंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संवाय धावि धी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुनोदित समूह बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति, और जब कभी उनमें सशोधन किया जाए सब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मजारियो की बहुसंख्या की भाषा मे उसकी मुख्य जातों का अनुवाद, स्थापन के सुधना-पट्ट पर प्रवर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्में बारी, जो कर्में बारी भविष्य निधि का या उक्त भिर्मित्यम के भ्रधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले से सबस्य है, उक्त स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरम्म दर्ज करेगा भीर उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के प्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ायें जाते हैं तो, नियोजक, समूह बीमा स्कीम के प्रधीन कर्मजारियों को उपलब्ध फायदें में समुजित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मजारियों के लिए समूह बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदें उन फायवों से प्रधिक प्रनृकुल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन प्रमृज्ञेय हैं।
- 7. समूह बीमा स्कीम मे किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मवारी की मृत्यु पर इस स्कीम के ग्रधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो उस कर्मवारी की दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के ग्रधीन होता तो, नियोजक कर्मवारी के विधिक वारिस/मामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमी के ग्रतर के बराबर रकम का मंदाय करेगा।

- 8. समूह बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भिवष्य निधि प्रायुक्त, उड़ीसा के पूर्व प्रमुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भौर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृष प्रभाव पढ़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भिवष्य निधि प्रायुक्त, प्रपत्ता अनुमोदन देने से पूर्व करने का युक्तियक्त प्रवस्त देगा।
- 9 यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन निगम की उस समृह बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है, भ्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने याले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द कर दी जाएगी।
- 10. यदि किसी भारणवश, नियोजक उस नियंत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियंत करे, प्रीमियम का संवाय करने में भसफल रहता है, भीर पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रदद कर दी जाएगी।
- 11. यदि नियोजक, प्रीमियम के सवाय, भावि में कोई व्यक्तिकम करता है तो, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों के, जो यह छूट दी जाने की दमा में उक्त स्कीम के भन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायिस्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्त स्थापन के सबंध मे नियोजक, इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नाम निर्वेणितियों/ विधिक वारिसो को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सात विन के भीतर मुनिश्चित करेगा।

व्याख्यात्मक शापन

६स मामले में पूर्विपेकी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्न की कार्रवाई पर समय लगा। पथापि, यह प्रमाणित किया आता है कि पूर्विपेकी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं॰एस-35014/96/80-पी॰एफ-2]

S.O.2818.—Where as Messrs Steel Authority of India Ltd., Rourkela Steel Plant, Rourkela (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under subsection (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the natre of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts with effect from 1st November, 1978 and upto 31st October, 1981 the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Orissa, maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display, on the Notice Board of the establishment, v copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwith standing anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Orissa and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee § the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case or default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.
- 17. Upon the death of the member covered under the Scheme the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heir entitled for it and in any case within 7 days of the receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

Explanatory Memorandum

It has been necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application

for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S. 35014(96)/80-P.F. II]

नई दिल्ली, 8 मक्तुबर, 1980

का॰ ग्रा॰ 2819.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स त्यू पस्तीरा बेकरी एंड कन्फेन्शनरी, 40, ब्रॉड स्ट्रीट, कलकत्ता-19, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध ग्राधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए.

भतः, भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शाक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिष्ठिनयम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यह ग्रिवसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स॰ एस~35017/4/80-धी॰एफ॰-2]

New Delhi, the 8th October, 1980

S.O. 2819.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New Flora's Bakery and Confectionery, 40, Broad Street, Calcutta-19 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Governmen hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35017(4)/80-P.F. II]

का॰ भा॰ 2820: — केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डेलकोन (इंडिया) प्राइबेट बिमिटेड, करनानी मैनसन, 25 ए, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-16, जिसके भन्तर्गत (1) जी-19, सेक्टर-2, राउरकेला-6, (2) 8, सांधी मैनसन, मुख्य सड़क, जमशेषपुर और (3) द्वारा भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड असम, स्थित उसकी पाखाएं भी हैं, नामक स्यापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध ग्राधिन नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

मतः, मन, उक्त मधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सक्तियों कः प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम के उपसन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह प्रशिक्ष्यना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स॰ एस-35017/5/80-पी॰एफ०-2]

S.O. 2820.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Delkon (India) Private Limited, Karnani Mansion, 25-A, Park Street, Calcutta-16 including its branches at (1) G-19, Sector 2, Rourkela-6, (2) 8, Sanghi Mansion, Main Road, Jamshedpur and (3) Care off Bharat Heavy Electricals Limited, Salakati, Assam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by s ubsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirthieth day of November, 1978.

[No. S. 35017(5)/80-P.F. II]

कां • प्रातः 2821: — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कवर्स एएड कार्टन्स, 4ए, नसीक्द्रीन रोड, कलकत्ता-17, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बीत पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीण उपवंच्य प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रव, उक्त ब्रिक्षितियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह मिधसूचना 31 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस-35017/9/80-यी०एफ-2(i)]

S.O. 2821.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Covers and Cartons, 4-A, Nasiruddin Road, Calcutta-17 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1979.

[No. S. 35017(9)/80-P.F. $\Pi(i)$]

का० प्रा० 2822:— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेमणल सोसाइटी फाँर इक्बल धांपरचुनीटीज फाँर दि हैडीकेप्ड, छत्नपति क्रिवाजी महाराज भार्केट खिल्डिंग पहली मंजिल, पाल्टन रोड, मुम्बई-1. नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

न्नतः ग्रव, उक्त ग्रिबिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

बहु भिष्मभूषमा 1 प्रप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस०-35018/11/80-पी०एफ० 2]

S.O. 2822.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Society for Equal Opportunities For The Handicapped, Chhatrapati Shivaji Maharaja Market Building, 1st Floor, Palton Road, Bombay-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Governmen, hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35018(11)/80-P.F. II]

का०भा० 2823:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सर्ववेल सर्विसेज, 10/760 एम.एज.बी. कालोनी, गोराई रोड, बोरीवली (पश्चिम), भुस्थई-92 नामक स्थापन से सस्बद्ध नियोजक और कर्मेचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सह्भत हो गई है कि कर्मेचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए,

भ्रतः, भ्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रथल शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ करती है।

यह मिश्रम् वनः 28 फरवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस∻35018/13/80-पी०एफ०-2]

S.O. 2823.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Servwell Services, 10/760 MHB Colony, Gorai Road, Vorivli (West), Bombay-92, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1979.

[No. S. 35018(13)/80-P.F. II]

का०आ० 28 24'— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं वेलसर्व इष्टरप्राइज, 10/760, एमएचबी कालोनी गोराई रोड, बोरीवृली (पिश्वम), मुम्बई-92, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मवारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिक्षिमयम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापद को लाग किए जाने चाहिए,

प्रतः, प्रवः, उक्तः प्रक्षिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह मधिसूचना 28 फरवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं॰ एस॰-35018/16/80-मी॰एफ॰-2]

S.O. 2824.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Welserve Enterprise, 10/760, MHB Colony, Gorai Road, Borivli (West), Bombay-92, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1979.

[No. S. 35018(16)/80-P.F. II]

का० ग्रा० 2825.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स तिवर निष्म होम, तिरूर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक मौर कर्मकारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मकारी भविष्यि निधि मौर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भतः, मन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए , केन्द्रीय संरकार, उक्त प्रश्वितियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रक्षित्रुषना 1 सितम्बर, 1979 को प्रवृत्त हुई ममक्की जाएगी [सं० एस०35019(19)/80 पी.एफ 2]

S.O. 2825.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tirur Nursing Home, Tirur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1979.

[No. S. 35019(19)/80-P.F. II]

का० झा० 2826.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है क मैं मसं इण्डिय न एप्रिकलचरल इंजीनियरिंग कम्पनी (प्राइजेट) लिमिटेड, नारायणगृङा हैंबराबाद, नामक स्थापन मंम्बद नियोजक भौर कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीणं उपबंध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्स स्थापन की लागू किए जाने चाहिएं,

श्रतः, श्रवः, उक्तः श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्तः शर्विक्यो का प्रयोग करते हुण् केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम के उपअंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिस्चना 1 अर्जल, 1979 को प्रयुक्त हुई समझी जाएगी [स॰ एस॰ 35019/22/80 पीएफ 2]

S.O. 282.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Agricultural Engineering Company (Private) Limited, Narayanaguda, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35019(22)/80--P.F. II]

का ब्यां 2827. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रेम सिक्बीकेट, 11, टुकोगंज, मुक्य सड़क, इंदौर (मध्यप्रदेश), नामक स्थापन सम्बंख नियोजक ग्रौर कर्मचारीयो को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रीध-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिएं,

भ्रतः, सन, उक्त सिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्राय सरहार उक्त पिधिनियम, के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह मधिसूचना 1 भ्रगस्त, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं॰ एम ॰35019(25)/80 पी.एक 2]

S.O. 2827.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prem Syndicate, 11 Tukoganj, Main Road, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1979.

[No. S. 35019(25)/80—P.F. II]

कार का 2828.—केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे इंटर फुडस, 13/1066, इंटरप्रिट हाउस को बीन-5, को बीन तालुक, एर्नाकुलम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म नारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्म नारी भविष्य निधि और प्रकीण जपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए आने नाहिएं,

मतः, मब, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम के उपविध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 अप्रैल, 1980 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस ० 35019(27)/80 पी०एफ ० 2(1)]

S.O. 2828.—Whereas it appears to the Central Governmen that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Inter Foods, 13/1066, Interprint House, Cochin-5, Cochin Taluka, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1980.

[No. S. 35019(27)/80—P.F. II (i)]

का० आ० 28 29.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स एव० आर. सी. इंजीनियर्स, मधुबन यूनिट नं 5, महाल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली केब्स रोड अंक्षेरी (पूर्व), मुम्बई 93, नामक स्यापन सम्बद्ध नियोजक और कमचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमंबारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 195 2 (1952 का 19) के उपबंध स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

मतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) धारा प्रवत्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उकत ग्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 की प्रवृत्त हुई समधी जाएगी।

[स॰एस 35018/30/80 पी.एफ 2(1)]

S.O. 2829.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs HRC Engineers, Madhuban Unit No. 5, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caver Road, Andheri (East), Bombay-93, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35018(30)/80-P.F. II (i)]

का ब्झा व 2830—के खी मरकार की यह प्रतीत होता है कि मैस से से ईवट एंड डोलिकिया (प्राइवेट) लिमिटेड, करवैलीपडी, को बीन - 5, को चीन तालुक, एर्नीकुलम जिला, नामक स्थापन से स≄बंद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की यहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमवारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

भ्रतः, भ्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) धारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रश्निमुचना 31 मार्च ,1980 को प्रवृत्त हुई समग्री आएगी [सं० एस० 35019(31)/80पी.एफ-2(1)]

S.O. 2830.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Seiwert and Dholakia (Private) Limited, Karuvelipady, Cochin-5, Cochin Taluk Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1980.

[No. S. 35019(31)/80—P.F. II (i)]

का०आ० 2831- नेत्वीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्न पनवेल इण्डस्ट्रियल फास्टेनर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, प्लाट नं० 31-32-33, जवाहर कोप्रापरेटिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट , क्सोढे पनवेल, जिला वाणे, जिसके प्रत्नेत 3/सी -1,कोर्ट चैम्बर्स, 35, स्यू मैरिन लाइस्स, मुम्बई-20 स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बंध नियोजक भीर कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि मैक-

चारी भविष्य निधि भौर प्रकीणं उपबंध भिष्ठिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

भ्रतः, श्रव, उक्तः श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रस्वतः शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम के उप-बंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह भ्रधिसूचना 1 जुलाई 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [मं० एस-35018(33)/80-पी.एफ-2(i)]

S.O. 2831.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Panvel Industrial Fasteners (Private) Limited, Plot No. 31-32-33, Jawahar Cooperative Industrial Estate, Kamothe, Panvel, District Thane including its Office at 3/c 1. Court Chambers, 35, New Marine Lines, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1979.

[No. S. 35018(33)/80-PF-II (i)]

का०भा० 2832 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे विश्व इंटरप्राइजेज (प्राइवेट) लिमिटेड, कस्त्वेलीपंडी, कोचीन-5, कोचीन तालुक, एर्नाकुलम जिला, नामक स्थापन से संम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उप-बंध उक्त स्थापन की नागू किए जाने चाहिए,

ग्रतः श्रम, उक्त भ्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्राधिनियम के उपक् बंध उक्त स्थापन को लागु करती है ।

यह प्रशिस्चना 1 मार्च, 1980 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस०35019/33/80-थी.एफ-2(i)]

S.O. 2832.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vishwa Enterprises (Private) Limited, Karuvelipady, Cochin-5, Cochin Taluk, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1980

[No. S. 35019 (33)/80-PF-II (i)]

का ल्या व 2833. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं सार कदम फिनान्ससं, 109, सक्करवाड़ी, निपामी, बेलगांव जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रव्धिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा श्रदत्त गक्तियों का श्रयोग करते द्वुए केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह ग्रधिसूचना 1 मार्च 1980 को प्रवृत्त हुई समग्री जाएनी । [सं० एस-35019/34/80-पी.एफ-2(i)]

S.O. 2833.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Salve Kadam Financers, 109, Sakkarwadi, Nipani, Belgaum District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection(4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1980.

[No. S. 35019/34/80-PF-II (i)]

कांब्बां 2834.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एक चीमन लाल एंड कम्पती, 108 रीगल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, घाचार्य डोंडे मार्ग, मीवडी पिचम, मुम्बई 15, नामक स्थापन संस्वद्ध नियोजक घौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी पविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भ्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार, उक्त भ्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रक्रिस्चना 30 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समग्री जाएगी। [सं० एम-35018(37)/80-पी एफ-2]

S.O. 2834.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs N. Chimanlal and Company. 108, Regal Industrial Estate, Acharya Donde Marg, Sewree West, Bombay-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1978.

[No. S. 35018 (37)/80-PF-II]

कार्ज्यार 2835.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्से बेल्लोर इलेक्ट्रीसिटी सिस्टम एमप्लाईज कोन्नापरेटिव स्टोर्स सिमिटेड, सी-2423, काटपेडी एक्सटेंशन, बेल्लोर-6, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

त्रतः, ग्रवः, 'उदन ग्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्तः सिक्तियों का प्रयाग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिकिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह भिक्षसूचना । भ्रगस्त, 1978 को मंबृत्त हुई समझी जाएनी। [सं० एस-35019(37)/80-पी-एफ०2(i)]

S.O. 2835.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vellore Electricity System Employees Co-operative Stores Limited, C-2423, Katpedi Extensions, Vellore-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S. 35019 (37)/80-PF II (i)]

का०का० 2836.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता हैं कि मैससें कैरोल लिफट्स एंड इक्बीपमेंट्स कम्पनी, नया सिवसवन, प्लाट सं, 533 एस जे. रोड सं० 2, माहोम, मुम्बई-16, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्म-चारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

भ्रतः, म्रज, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती हैं ।

यह ब्रधिसूचना 1 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समग्री जाएगी। [सं० एस-35018/38/80-पी.एफ-2]

S.O. 2836.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Carol Lifts and Equipments Company, New Shivsadan, Plot No. 533, L.J. Road No. 2, Mahim, Bombay-26, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1979.

[No. S. 35018 (38)/80-PF-II]

काः घाः 2837.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे पुनियूरसलाई कोन्नापरेटिश एप्रिकलकर श्रेटिश सोसायटी, सं० 4-128, केलबल्लूर डाकघर कन्याकुमारी जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपगंध भविष्य, 1952 (1952 का 19) के उपगंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रसः, प्रव, उक्त शिक्षिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्न शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिनुषना 1 धप्रैल, 1979 को प्रकृत हुई समझी जाएगी। [सं• एल॰-35019(38)/80-पी॰ एफ॰-2(i)]

S.O. 2837.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Puliyoorsalai Co-operative Agriculture Credit Society, No. 4-128, Cheruvalloor Post Office, Kanyakumari District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1979.

[No. S. 35019 (38)/80-PF-II (i)]

कां कां वि 2638.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें जनता हास्पिटल, बड़ागारा डाकघर और तालुक कोजीकोड जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमैजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमजारी भविष्य निधि और अकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्क स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

श्रमः, श्रवः, उन्तः भक्षिनियमं की धारा । की उपधारा (4) द्वारा श्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त भक्षिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की शागु करती है।

यह प्रधिसूचना 1 फरवरी, 1980 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी । [सं० एस-35019/40/80-पी० एफ•-2] ए० प्रतृत, उप-सचिव

S.O. 2838.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Janatha Hospital, badagara, Post Office and Taluk, Kozhikode District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provision's of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1980.

[No. S. 35019/40/80-P.F.II] A Pronch Dy.Secy.

New Delhi, the 6th October, 80

S.O. 2839.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government publishes the following corrigendum issued by the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Dhanbad to its award dated the 21st May, 1980, which was published vide S.O. 1700 in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 21st June, 1980 on pages 2018-2021.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT (NO. 1) DHANBAD

No. Ref. 7/78/1013 Dhanbad CORRIGENDUM

Dated the 20th September, 1980.

In the Award dated the 21st May, 1980, passed by this Tribunal in Reference No. 7 of 1978, in line 7 of the Award for "Ist September, 1978" read "Ist September, 1976." reference of the dispute was made to this Tribunal vide Ministry's Order No. L-20012/150/77-D. III (A), dated the 15th June, 1978.

B.K. RAY, Presiding Officer.
[No. L-20012/159/77-D. III (A)]
S.H.S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 6th October, 1980

S.O. 2840—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Pench Area in relation to their Rawanwara Colliery and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th September, 1980.

BEFORE SHRI A.G. QURESHI, M. A. LL. B. PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,

JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC (R) (9)/1979

PARTIES:

Employers in relation to the management of Rawanwara Colliery, Pench Area of Western Coalfields Limited, Post Office Parasia, Distt. Chhindwara (M.P.) and their workmen represented through the M.P. Rashtriya Koyla Khadan Mazdoor Sangh (INTUC), Chandametta, Post Office Parasia, Distt. Chhindwara (M.P.)

APPEARANCES:

For Union ... Shri S.S. Bhardwaj, Secretary.
For Management ... Shri P.S. Nair, Advocate.
INDUSTRY: Coal ... DISTRICT : Chhindwara (M.P.).

Dated: September 9, 1980

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour has, in exercise of power conferred upon it by Clause (d) of Subsection (1) of Sec. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal vide Order No. L-22012 (30)/78-D. IV(A) dated 27th April, 1979:

- "Whether the action of the Management of Rawanwara Colliery of Western Coalfields Limited, Pench Area, in terminating the services of Shri Chhotu S/o Shri Kuhji Yadav, Timber Mistry, vide their letter thated the 12th May, 1978 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. The case of the Union is that the workman Shri Chhotu Mistry was a permanent employee of the management and was working as Timber Mistry for the past 20 years. The workman fell ill and was getting treatment at Rawanwara Dispensary but as he was not getting relief he went to Chhirdwara for his

treatment and was under the treatment of one Dr. K. Rehman from 8th Feburuary, 1978 to 9th May, 1978. The workman after his recovery from the sickness approached the Manager of the Colliery with the medical certificate on 10th May, 1978 and later repeatedly approached him with a request to allow him on duty. The workman also approached the Colliery Medical Officer with a certificate by Dr. Rehman. The colliery Medical Officer after perusing the certificate put his signature and seal endorsing the certificate on 15-5-1978. The workman was verbally intimated by the Manager that his name has been struck off from the roll and he was not in a position to re-enroll him or to allow him on duty. Prior to the aforesaid oral order of the Manager no order in writing was received by the workman terminating his services by the management.

According to the Union the management has acted in confravention of Sec. 22(2) of the Industrial Disputes Act and the action of the management amounts to illegal lock-out. Therefore the workman is entitled to be reinstated with retrospective effect and is also entitled to all the attendant benefits.

3. The management has resisted the claim of the Union on the ground that the workman, Shri Chhotu, was employed in the Rawanwara Colliery and his service conditions were governed by the Certified Standing Orders of the Company. Shri Chhotu was absenting from his duties from 9-2-1978 without any intimation to the management. Necessary enquiries were made by the managerial staff from the Attendance Clerk, Leave Clerk and Medical Officer of the Colliery. All of them had stated that they have no intimation from Shri Chhotu regarding his absence and that he is absenting from his duties without any intimation. The aforesaid information was received on 9-5-1978 and 10-5-1978. Soon after receiving this information the management by its letter No. RWA/41/78/1-3-78 dated 15-5-1978 intimated Shii Chhotu that his services stand automatically terminated in accordance with Clause 19 of the Certified Standing Orders. The management did not terminate the services of Shri Chhotu, but the termination was brought about by the workman himself by his action of remaining absent without giving any information to the management for more than 30 days. During the period of absence from duty i.e. 8-2-1978 to 12-5-1978 the workman never sent any intimation to the management of the alleged sickness or for any other reasons of his absence. In the aforesaid Standing of Certified the provisions Orders automatically came into operation and the services Shrı Chhotu stood automatically terminated.

It has been further averred by the management that the allegation of the workman that he had sent an intimation about his sickness is totally false. During the conciliation proceedings the workman was asked to submit proof in support of his contention that he had intimated the management of his absence, but he failed to produce any proof whatsoever. The signature of the Colliery Medical Officer on the certificate of a private Dr. does not help the workman at all, because the signature does not change the legal position.

4. In view of the above pleadings of the parties the ifirst question which falls for determination is whether the workman remained absent from duty from 8-2-1978 to 12-5-1978 without intimation to the management.

In support of its contention, the Union has examined only one witness Shri Jhadu a survy mazdoor at Rawanwara, Colliery. He stated that Shri Chhotu Mistry was his neighbour. He had fallen sick in the year 1978 and was initially treated at Colliery Hospital and then at Chhindwara. The wife of Shri Chhotu Mistry had given the application of Shri Chhotu's sickness to this witness for submitting it to the Manager. In all he had given two or three applications of Shri Chhotu's sickness to the Labour Officer, who had put endorsements of receiving the applications on the

copies of those applications. The applications are Ex. W/3-Ex. W/4 and Ex. W/5 and the endorsements of the receipt of applications are at portions A to A.

In cross-examination this witness states that the first application was given in March but he cannot remember the exact dates of the other applications. He is not also in a position to say as to for how many days Shri Chhotu was treated at the Colliery Hospital. He further states that the applications were given by him to Shri Chaurasia. The applications were in duplicate, first copies were written in ink and the second were carbon copies and the signatures of reciept were obtained on the carbon copies.

5. In robuttal the management has examined Shri Chaurasia, Welfare Officer of Rawanwara Colliery and Shti G.S. Grewal Manager of the Rawanwara Colliery. Shri Chaurasia states that he is Labour Welfare Officer at Rawanwara Colliery since 1976. Jhadu the survey mazdoor never came to him with the applications like Ex. W/3, Ex. W/4 and Ex. W/5 Ex. W/3, Ex. W/4 and Ex. W/5 do not bear his signatures at portions A to A. Shri Grewal states that there is a practice in the Colliery that whenever a workman absents himself without intimation to the management the Attendance Clerk sends a report to the Manager mentioning therein the absence of a particular person. The Manager sends that intimation to the leave Clerk for verifying whether the absentee is sick or on leave. After obtaining the report from the Leave Clerk an action is taken according to the factual position. Shri Chhotu was absent from his duties from 9th February to 12th May 1978 without intimation. Ex. M/2 is the report by Shri Vishwakarma, Attendance Clerk Ex. W/3 is the report of leave Clerk and Ex. M/4 is the information from the Medical Officer. The workman had sent no information to this witness regarding his sickness. In cross-examination this witness state that Ex. M/I was sent by registered post to Shri Chhotu. The Attendance Clerk had given the information on 9-5-1978 about the absence of Shri Chhotu. The Leave Clerk intimated that Shri Chhotu is absenting from 18-2-1978 and the termination letter also shows that Shri Chhotu was absenting from 18-2-1978.

6. From the aforesaid evidence of the parties it is manifest that the evidence of the Union on the point of giving the intimation of the absence of Shri Chhotu is not worthy of any credence. Shri Chhotu, the concerned workman has not entered the witness box to state that he was sick and that his wife had sent the intimation of his sickness through Shri Jhadu. W.Wi 1, Jhadu, states that he had given the intimation letters Ex. W/3, Ex. W/4 and Ex. W/5 to Shri Chaurasia, the Labour We fare Officer, who had put the endorsement of receiving the letters on the carbon copies of those letters. But a perusal of W/4 and Ex. W/5 reveals that all W/3. Ex. these capies are written in ink. According to the endorsement of receipts at portions A to A on these letters are by Shri Chaurasia, the Labour Welfare Officer but Shri Chaurasia has stated on oath that he has not receivedany copy of Ex. W/3, Ex. W/4 and Ex. W/5 and that the signatures at portions A to A on all the three document are not his. He has been cross-examined by the Union and nothing has been elicited to show that he is telling a lie. Therefore the statement of Shri Chaurasia is more liable as compared to that of Jhadu because according to Jhadu, Shri Chaurasia had signed on the carbon copies of the applications whereas Ex. W/3, Ex. W/4 and and Ex. W/5 are the letters in ink and not carbon copies. The Manager, Shri Grewal, has also stated that he had not received any intimation regarding the absence of Shri Chhotu. Had there been any intimation it would have definitely been placed before him. The reports of the Attendence Clerk Ex. M/2 and Leave Clerk Ex. M/3 corroborate the statement of Shri Grewal that Shri Chhotu was absent from duty without intimation or

9-9-1980.

permission from 8-2-1978. According to Medical Officer's report Ex. M/2, it if course appears that on 8-2-1978 Shri Chhotu was sick but from 9-2-1978 onwards he did not report the Colliery Hospital for treatment and did not send any intimation verbally or in writing about his sickness. In view of the aforesaid evidence on record I hold that Shri Chhotu Mistry remained absent from his duties at the Colliery from 9-2-1978 till 12-5-1978, without any intimation to the manager.

7. The next question which has to be examined is whether the workman was under the treatment of Dr. Rehman of Chhindwara from 8th February, 1978 to 9th May, 1978 and whether the Colliery Dr. put his signature and seal on 15-5-1978 on the certificate issued by Dr. Rehman. If so, its effect?

From the document Ex, W/6, it is clear that Shii Rehman had issued a certificate on 9-5-1978 certifying therein that Shii Chhotu was under his treatment from 8th February to 9th May, 1978. The certificate was persued by the Medical Officer of the Rawanwara Colliery on 15-5-1978 and he certified that the certificate was in order. Although Dr. Rehman has not been examined by the workman still from the certificate it appears that the workman Shri Chhotu was under the treatment of Dr. Rehman from 8th February to 8th May, 1978 and the certificate has been treated, in order, by the Medical Officer of the Rawanwara Colliery. But the certificate in no case proves that the intimation of the sickness was sent by the workman to the Colliery. Even if the workman was sick and treated by a private Di. outside the Colliery, still he should have sent the application intimating the management that he was not in a position to attend his duties because of his sickness.

8. The next question which arises for determination is whether the services of Shri Chhotu stood automatically terminated because of his absence from duty without any intimation to the management for a period of more than 30 days.

It has been held above that Shri Chhotu remained absent from duty without any intimation to the management for more than 30 days. He is governed by the Certified Standing Orders of the Rawanwara Colliery, Clause 19 of which reads as under.—

"19. If a workman absenting himself without giving any information to the Manager for more than 30 days his services will automatically stand terminated."

The above clause, in unequivocal terms says that the termination of the services of a workman who absents himself without an intimation to the management for more than 30 days is automatic. The aforesaid clause does not say that the absence from duty without any reasonable cause for over 30 days shall entail an automatic termination of the services. Therefore even if the workman was sick during the period of his absence from duty and assuming that he Wds not physically to attend his duties, he was bound report the fact of his sickness to the management. The workman has not sent any intimation of his sickness to the management. Therefore even though the sickness may be a sufficient cause for not attending the duties still it would not be a gorund for claiming exception to Clause 19 of the Certified Standing Orders governing the service conditions of the workman in the Colliery. The fact that the management informed the workman of the termination of his services on May 15 or 16, 1978 would not make any difference. Even the mention of wrong date of the commencement of the absence as 18th February, in place of 8th February 1978, in the letter intimating the termination of his services to the workman, would not make any difference. Even assuming that the workman remained absent from 18th February, the workman cannot get the benefit from this fact, because even for a period of over 30 days, after 18th February, the workman remained absent from his duties without any intimation to the management. Therefore his services stood automatically terminated on the expiry of 30 days from 18th February. As such neither the medical certificate nor wrong mention of the date of absence in the letter intimating the termination of the workman helps the workman. The fact that the management sent the intimation of termination after a delay of about two months is also of no consequence. As such, I hold that because of Shri Chhotu's absence from his duties without any intimation to the Manager for more than 30 days, his services stood automatically terminated. The action of the management is, therefore, in intimating the workman about the termination of his services vide letter dated 12th May, 1978 is justified. Hence the workman concerned is not entitled to any relief.

Parties shall bear their own costs as incurred.

A.G. QURESHI, Presiding Officer.
[No. L-22012/30/78-D. IV (A)]

NAND LAL, Dask Officer

. حب

नई दिल्ली, **७ धक्नूबर**, 1980

कार प्रारं 2841 — केन्द्रीय सरकार की राय है कि इहमस उत्तबद्ध धनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में भारतीय खाद्य, निगम, निजामाबाद के प्रबन्धतन्न से सम्बद्ध एक धौद्यांगिक विश्राद नियोजको धौर उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है,

ग्रीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दाशत करना वार्छनीय समझती है:

ग्रतः, केन्द्रीय सरकार, श्रीक्षोपिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क भीर धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (भ) हारा प्रदत्न प्रक्रियों का प्रयोग करने हुए, एक भ्रीक्षोगिक श्रिधकरण गठिन करती है जिसके पीठासीन श्रिधकारी श्री बी० नीलाद्री राष्ट्रा होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा श्रीर उपत विवाद को उक्त भ्रीक्षोगिक श्रिधकरण को न्यायनिर्णयण के लिए निर्देशित करती है।

ग्रनुसुखो

क्या भारतीय खाद्य निगम, निजामाबाद की श्री मेख हबीब, भृतपूर्व चौकीवार की सेवाफ्रो को 28-2-77 में समाप्त करने की कार्यवाही न्या-योजित और विश्विपूर्ण है ? यदि नहीं, तो सम्रधित कर्मकार किस प्रनृताय का हकदार है।

> [म० एक०-42011(59)/79-डी० II (बी०)] एम० एस० भल्ला, इस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 7th October, 1980.

S.O. 2841. - Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Nizambad and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, Whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and Clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri V. Nceladri Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the Food Corporation of India, Nizamabad in terminating the services of Sri Shaik Habib, Ex-watchman with effect from 28-2-1977 is justified and Legal? If not, to what relief the workman is entitled to?

[No. L-42011 (59)/79-D. II (B)] S.S. BHALLA, Desk Officer